1. लिण्टन द्वारा बताए गए परिवार के प्रकारों में सम्मिलित है
I. समरक्त परिवार
II. विवाह सम्बन्धी परिवार
III. ग्रामीण परिवार
IV. मातृवंशीय परिवार
(1) I और III (2) I और II
(3) I और IV (4) II और IV

व्याख्या *(2)* लिण्टन द्वारा बताए गए परिवार के प्रकार
(i) समरक्त परिवार (ii) विवाह सम्बन्धी परिवार
• वार्नर द्वारा बताए गए परिवार के प्रकार–
(i) जन्ममूल परिवार (ii) प्रजनन मूलक परिवार
• जियरमैन द्वारा बताए गए परिवार के प्रकार–
(i) न्यायधारी परिवार
(ii) आण्विक परिवार
(iii) गृहस्थ परिवार

2. 'हरिजन सेवक संघ' की स्थापना किसने की थी?
(1) एम. के. गाँधी (2) बी.आर.अम्बे
(3) ज्योतिबा फुले (4) गोपाल कृष्ण

व्याख्या *(1)* महात्मा गाँधी ने वर्ष 1932 में 'हरिजन सेवक
की। डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अस्पृश्य जातियों के लिए अ
इसके लिए उन्होंने वर्ष 1920 में 'अखिल भारतीय दलि
स्थापना की। 'दलित वर्ग कल्याण लीग' की स्थापना
अम्बेडकर ने की थी।

3. किस विद्वान ने समाजशास्त्र को 'सभी विज्ञानों व
है?
(1) इमाइल दुर्खीम
(2) हरबर्ट स्पेंसर
(3) ऑगस्त कॉम्टे
(4) आर. के. मर्टन

व्याख्या *(3)* ऑगस्त कॉम्टे ने विज्ञानों के संस्तरण के सिद्धान्त में 6 विषयों का वर्गीकरण करते हुए बताया है कि प्रत्येक विषय विकास के क्रम में एक सामान्य और साधारण स्तर से जटिल स्तर पर पहुँच है। इस प्रकार गणितशास्त्र का प्रथम स्थान है, तो समाजशास्त्र का अन्तिम छठा स्थान है। इसी कारण कॉम्टे ने समाजशास्त्र को अन्य सभी विज्ञानों की महारानी कहा है।

4. किस विद्वान् को पहला अकादमिक समाजशास्त्री माना जाता है।

(1) ऑगस्त कॉम्टे (2) कार्ल मार्क्स
(3) मैक्स वेबर (4) इमाइल दुर्खीम

व्याख्या *(4)* दुर्खीम को प्रभावित करने वाले लोगों में 'ऑगस्त कॉम्टे' का नाम उल्लेखनीय है। दुर्खीम ने समाजशास्त्र को ठोस वैज्ञानिक अध्ययन पद्धति एवं व्यवस्थित विषय-वस्तु प्रदान की। इसके लिए उन्हें पहला अकादमिक समाजशास्त्री कहा जाता है।

5. किस विद्वान् को समाजशास्त्र में 'प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य' की शुरुआत करने का श्रेय दिया जाता है?

(1) इमाइल दुर्खीम (2) हरबर्ट स्पेंसर
(3) आर.के.मर्टन (4) रैडक्लिफ ब्राउन

व्याख्या *(1)* समाजशास्त्र में प्रकार्य की अवधारणा का श्रेय दुर्खीम को दिया जाता है। इन्होंने सामाजिक जीवन को सम्पूर्ण समाज के परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास किया। इनके अनुसार, "सामाजिक संस्थाओं का प्रकार्य सामाजिक जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।" मैलिनोवस्की व ब्राउन ने दुर्खीम के प्रकार्यवाद को कई अर्थों में अपनाया है।

6. नातेदारी की किस रीति में भतीजा बुआ की सम्पत्ति का उत्तराधिकारी होता है?

(1) मातुलेय (2) पितृश्वश्रेय
(3) कावेड (4) इनमें से कोई नहीं

व्याख्या *(2)* **पितृश्वश्रेय**–पितृसत्तात्मक परिवार में ऐसी प्रथा है, जिसमें पिता की बहन अर्थात् बुआ का अपने भतीजे एवं भतीजियों के साथ विशिष्ट सम्बन्ध होता है। बुआ की सम्पत्ति का उत्तराधिकारी भी उनका भतीजा होता है। भारत में टोडा जनजाति में बच्चे का नामकरण बुआ करती है।
मातुलेय–यह प्रथा मातृसत्तात्मक परिवारों में पाई जाती है। इस तरह के परिवार में पिता के बजाय मामा का महत्त्व विशेष रूप से होता है। मामा की सम्पत्ति भाँजे को हस्तान्तरित की जाती है। रोमांचे तथा घोंगा जनजातियों में यह प्रथा प्रचलित है।

7. मादक द्रव्य व्यसन का प्रमुख लक्षण है

- (1) द्रव्य लेते रहने की अत्यधिक इच्छा या आवश्यकता तथा उसे किसी भी तरीके से प्राप्त करना
- (2) मात्रा (डोज) बढ़ाने की प्रवृत्ति
- (3) द्रव्यों के प्रभावों पर मनोवैज्ञानिक व शारीरिक निर्भरता
- (4) उपरोक्त सभी।

व्याख्या *(4)* मादक द्रव्य व्यसन के प्रमुख लक्षण निम्नलिखित हैं–
(i) द्रव्य लेते रहने की अत्यधिक इच्छा या आवश्यकता तथा उसे किसी भी तरीके से प्राप्त करना
(ii) मात्रा बढ़ाने की प्रवृत्ति
(iii) द्रव्यों के प्रभावों पर मनोवैज्ञानिक व शारीरिक निर्भरता
(iv) व्यक्ति व समाज पर हानिप्रद प्रभाव

8. 'महिला स्वयं सिद्धि योजना' सम्बन्धित है

(1) महिलाओं को मुक्त न्यायिक सहायता प्रदान करना
(2) महिलाओं का सर्वांगीण विकास करना
(3) महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण करना - 2001
(4) ग्रामीण महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करना

व्याख्या *(3)* 'महिला स्वयं सिद्ध योजना' की शुरुआत वर्ष 2001 में की गई। इसका उद्देश्य आत्मनिर्भर महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाना, उनमें जागरूकता उत्पन्न करना, आर्थिक संसाधनों पर उनका नियन्त्रण, लघु ऋणों तक महिलाओं की पहुँच बढ़ाना आदि है।

9. डॉ. जी. एस. घुरिये ने जाति व्यवस्था के 6 लक्षण बताए हैं निम्न में से कौन-सा एक लक्षण शामिल नहीं है?

(1) समाज का खण्डात्मक विभाजन
(2) अपवित्रीकरण
(3) संस्तरण
(4) भोजन व सामाजिक व्यवहार पर नियन्त्रण।

व्याख्या *(2)* डॉ. जी. एस. घुरिये ने जाति व्यवस्था के छः लक्षण बताए हैं, जिसका उल्लेख इस प्रकार है–
(i) समाज का खण्डात्मक विभाजन
(ii) संस्तरण
(iii) भोजन तथा सामाजिक सहवास पर प्रतिबन्ध
(iv) नागरिक एवं धार्मिक नियोग्यताएँ एवं विशेषाधिकार
(v) पेशे के अप्रतिबन्धित चुनाव का अभाव
(vi) विवाह सम्बन्धी प्रतिबन्ध

10. "यह मान लेना सर्वथा अनुचित होगा कि अस्पृश्यता समाप्त हो जाने की घोषणा कर देने से ही अस्पृश्यों की सामाजिक निर्योग्यताएँ समाप्त हो गई हैं।" यह कथन है

(1) एम. के. गाँधी का (2) के. एम. पणिक्कर का
(3) ए.आर.देसाई का (4) डॉ.बी.आर.अम्बेडकर का

व्याख्या *(4)* डॉ. भीमराव अम्बेडकर का कहना है कि, "यह मान लेना सर्वथा अनुचित होगा कि अस्पृश्यता समाप्त हो जाने की घोषणा कर देने से ही अस्पृश्यता की सामाजिक निर्योग्यताएँ समाप्त हो गई हैं।"

11. किस विद्वान् ने जनजातीय समस्याओं के समाधान के लिए 'राष्ट्रीय उपवन' की स्थापना का सुझाव दिया?

(1) वेरियर एल्विन (2) शरतचन्द्र रॉय
(3) मजूमदार (4) ए.आर.देसाई

व्याख्या *(1)* वेरियर एल्विन ने जनजातियों के विकास के लिए 'राष्ट्रीय उपवन' (National Park) की स्थापना का सुझाव दिया। इन्होंने जनजातियों के सन्दर्भ में कहा है कि "हमें जनजातियों के जीवन में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।" एक तरह से जनजातियों के क्षेत्र को 'राष्ट्रीय पार्क' के रूप में बदल देना चाहिए।

12. **"धर्म केवल सुनने अथवा मान लेने की चीज नहीं, जब समस्त मन, प्राण, विश्वास एक हो जाए तब हम उसे धर्म कहते हैं।" यह कथन है**

(1) डॉ. राधाकृष्णन का (2) स्वामी विवेकानन्द का
(3) मैक्समूलर का (4) पी.वी. काणे का

व्याख्या *(1)* **डॉ. राधाकृष्णन** के अनुसार, "धर्म केवल सुनने अथवा मान लेने की चीज नहीं, जब समस्त मन, प्राण, विश्वास एक हो जाये तब हम उसे धर्म कहते है।" इनकी पुस्तके निम्न प्रकार है–
(i) द रीजनल सोशियोलॉजी
(ii) सोशल स्ट्रक्चर ऑफ वैल्यूज
(iii) द कल्चर एण्ड आर्ट ऑफ इण्डिया

13. **हिन्दू धर्म के पतन का मुख्य कारण है**

(1) जाति व्यवस्था (2) अस्पृश्यता
(3) अन्धभक्ति (4) उपरोक्त सभी

व्याख्या *(4)* हिन्दू धर्म के पतन के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं–
(i) जाति व्यवस्था
(ii) अस्पृश्यता
(iii) अन्धभक्ति
(iv) रूढ़िवादिता
(v) धर्म के प्रति लगाव
(vi) धार्मिक मान्यताओं पर बल
(vii) पथ व सम्प्रदाय की उत्पत्ति

14. **"हिन्दू समाज में आश्रम व्यवस्था को मानसिक तथा नैतिक आधार प्रदान करने वाली संस्था ही पुरुषार्थ है।" यह कथन है:**

(1) के. एम. कपाड़िया का (2) पी. एन. प्रभु का
(3) डॉ. दुबे का (4) डॉ. लल्लन जी गोपाल का

व्याख्या *(2)* **डॉ.पी.एन.प्रभु** के अनुसार, "हिन्दू समाज में आश्रम व्यवस्था को मानसिक तथा नैतिक आधार प्रदान करने वाली संस्था ही पुरुषार्थ है।" **डॉ. के.एम कपाड़िया** के अनुसार, "मानव जीवन की संग्रह प्रवृत्ति, भावुकता, भय एवं उपासना की प्रवृत्ति तथा चरम आध्यात्मिक अनुभूति के प्रतीत (अर्थ, काम, धर्म और मोक्ष) ही पुरुषार्थ हैं।" **डॉ. दुबे** के अनुसार, "पुरुषार्थ उस सार्थक जीवन-शक्ति का द्योतक है जो व्यक्ति को सांसारिक सुख-भोग के बीच अपने धर्म-पालन के माध्यम से ईश्वर प्राप्ति या मोक्ष की राह दिखलाती है।"

15. **परिवार के मूल्यांकन में मुख्य रूप से किस उपागम का प्रयोग किया जाता है?**

(1) प्रकार्यवादी (2) संरचनावादी
(3) अन्तर्क्रियावादी (4) उपरोक्त सभी

व्याख्या *(4)* परिवार के अध्ययन में प्रकार्यवादी, संरचनावादी, अन्तर्क्रियावादी सांस्कृतिक आदि सभी उपागमों का प्रयोग किया जाता है।

16. **"समाजशास्त्र को तो एक विशिष्ट विज्ञान के रूप में मानवीयक सम्बन्धों के स्वरूपों का अध्ययन करना चाहिए।" यह कथन किस विद्वान् का है?**

(1) वीरकान्त (2) वॉन, विज
(3) फिचर (Fitcher) (4) सोरोकिन

व्याख्या *(1)* वीरकान्त का विचार है कि "समाजशास्त्र को तो एक विशिष्ट विज्ञान के रूप में मानवीय सम्बन्धों के स्वरूपों का अध्ययन करना चाहिए।" वॉन विज समाजशास्त्र मानवीय सम्बन्धों के स्वरूपों का अध्ययन माना है। **सोरोकिन** के अनुसार, "समाजशास्त्र सामाजिक सांस्कृतिक घटनाओं के सामान्य स्वरूपों, प्रकारों और अनेकों अन्तर्सम्बन्धों का सामान्य विज्ञान है।"

17. **"चाहे हम स्थिर सामाजिक तथ्यों का अथवा परिवर्तनशील तथ्यों का अध्ययन कर रहे हों, हमारा वास्तविक लक्ष्य तो सामाजिक सम्बन्धों के एक विशेष स्वरूप का अध्ययन करना ही होता है।" समाजशास्त्र की विषय सामग्री के सम्बन्ध में यह विचार रखने वाले विद्वान् हैं**

(1) मैकाइवर और पेज (2) क्यूबर
(3) मैक्स वेबर (4) प्रो. मैकी

व्याख्या *(4)* **प्रो. मैकी** के अनुसार, "चाहे हम स्थिर सामाजिक तथ्यों का अथवा परिवर्तनशील तथ्यों का अध्ययन कर रहे हों, हमारा वास्तविक लक्ष्य तो सामाजिक सम्बन्धों के एक विशेष स्वरूप का अध्ययन करना ही होता है।"

18. **समाजशास्त्र का जन्म से पूर्व नाम था**

(1) सामान्य समाजशास्त्र (2) सामाजिक भौतिकी
(3) सामाजिक विज्ञान (4) सामाजिक जीव शास्त्र

व्याख्या *(2)* समाजशास्त्र की उत्पत्ति का श्रेय फ्रांस के दार्शनिक अगस्त 'कॉम्टे' को जाता है, जिन्होंने सन् 1838 में समाज के इस नवीन विज्ञान को 'समाजशास्त्र' नाम दिया। अगस्त कॉम्टे ने समाज से सम्बन्धित अध्ययन को सर्वप्रथम सामाजिक भौतिकी (Social physics) के नाम से पुकारा।

19. **समाजशास्त्र का जन्म माना जाता है**

(1) 1789 ई. में (2) 1857 ई. में
(3) 1838 ई. में (4) 1947 ई. में

व्याख्या *(3)* इस प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न संख्या 18 की व्याख्या देखें।

20. **किस विद्वान् ने लिखा है "अच्छा क्या है यह सामूहिक अनुभव से निश्चित होता है। कोई भी दूसरों की तुलना में अच्छा है। इसलिए अच्छाई सामाजिक धारणा है।"**

(1) मैकाइवर (2) कॉर्नेजो (Cornejo)
(3) हॉब हाउस (4) वीरकान्त

व्याख्या *(2)* कॉर्नेजो के अनुसार, "अच्छा क्या है यह सामूहिक अनुभव से निश्चित होता है। कोई भी दूसरों की तुलना में अच्छा है। इसलिए अच्छाई सामाजिक धारणा है।"

21. **वैश्वीकरण को आगे बढ़ाने हेतु प्रमुख प्रेरक तत्त्व हैं**

(1) बाजार की खोज
(2) बहुराष्ट्रीय निवेश

(3) प्रौद्योगिकी इलेक्ट्रॉनिक के नए उपकरण और कम्प्यूटर से जुड़ा विश्व सूचना संकुल

(4) उपरोक्त सभी

व्याख्या *(4)* वैश्वीकरण को आगे बढ़ाने हेतु प्रमुख प्रेरक तत्व निम्न है–
(i) उदारीकरण (ii) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश
(iii) निजीकरण
(iv) इलेक्ट्रॉनिक तकनीकि के नए उपकरण तथा कम्प्यूटर युग
(v) सहायता मूल्यों में कटौती आदि।

22. ''संस्कृतिकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा कोई निम्न हिन्दू जाति या कोई जनजाति अथवा अन्य समूह किसी उच्च और प्रायः द्विज जाति की दिशा में अपने रीति रिवाज, कर्मकाण्ड, विचारधारा और जीवन पद्धति को बदलता है।'' यह परिभाषा किस विद्वान् द्वारा दी गई है?

(1) श्री एम. एन. श्रीनिवास (2) प्रो. योगेन्द्र सिंह
(3) के. एम. पणिक्कर (4) डेनियल बर्नर

व्याख्या *(1)* उपर्युक्त परिभाषा श्री. एम. एन. श्रीनिवास द्वारा दी गई है। इन्होंने अपनी पुस्तक 'रिलीजन एण्ड सोसायटी एमंग द कुर्गस ऑफ साउथ इण्डिया' में जाति की गतिशीलता की प्रक्रिया को व्यक्त करने हेतु संस्कृतिकरण के प्रत्यय का प्रयोग किया।

23. समाजशास्त्र विषय की उत्पत्ति कब हुई?

(1) वर्ष 1914 में (2) वर्ष 1919 में
(3) वर्ष 1838 में (4) वर्ष 1947 में

व्याख्या *(3)* समाजशास्त्र की उत्पत्ति का श्रेय फ्रांस के दार्शनिक अगस्त 'कॉम्टे' को जाता है, जिन्होंने सन् 1838 में समाज के इस नवीन विज्ञान को 'समाजशास्त्र' नाम दिया। अगस्त कॉम्टे ने समाज से सम्बन्धित अध्ययन को सर्वप्रथम सामाजिक भौतिकी (Social physics) के नाम से पुकारा।

24. ऑगस्त कॉम्टे के अनुसार,

(1) समाजशास्त्र समाज का विज्ञान है
(2) समाजशास्त्र सामाजिक सम्बन्धों का विज्ञान है
(3) समाजशास्त्र सामाजिक वास्तविकता का विज्ञान है
(4) समाजशास्त्र सामाजिक व्यवस्था एवं प्रगति का विज्ञान है

व्याख्या *(4)* **ऑगस्त कॉम्टे** के अनुसार, ''समाजशास्त्र सामाजिक व्यवस्था एवं प्रगति का विज्ञान है।'' सामाजिक स्थिति विज्ञान समाज की संरचना से सम्बन्धित है, जबकि सामाजिक गति-विज्ञान उसके विकास से है। सामाजिक स्थिति विज्ञान का उद्देश्य सामाजिक सावयव के एकमान्य की खोज करना तथा कॉम्टे के अनुसार, ''सामाजिक गति विज्ञान इतिहास से अपने तथ्यों का संकलन करता है, इसलिए यह 'इतिहास का विज्ञान' है।

25. कॉम्टे पर उस समय के सर्वप्रथम किस दार्शनिक विचारक के विचारों का प्रभाव पड़ा था?

(1) सेण्ट साइमन
(2) जे. एस. मिल
(3) काण्ट
(4) ह्यूम

व्याख्या *(1)* ऑगस्त कॉम्टे ने युवा अवस्था में फ्रांसीसी विचारक सेण्ट साइमन का सानिध्य मिला। कॉम्टे ने सामाजिक सुधार की अवधारणा को साइमन से ग्रहण की थी। कॉम्टे अपने स्कूल के दिनों में 'बैंजाइमिन फ्रैंकलिन' से प्रभावित थे और अपने उन्हें 'आधुनिक सुकरात' की संज्ञा प्रदान की। फ्रांस के लिट्टरे और इंग्लैण्ड के जॉन स्टुअर्ट मिल कॉम्टे के प्रिय शिष्य थे।

26. ऑगस्त कॉम्टे का जन्म वर्ष एवं देश है

(1) 1818, जर्मनी (2) 1798, फ्रांस
(3) 1858, फ्रांस (4) 1864, जर्मनी

व्याख्या *(2)* ऑगस्त कॉम्टे सामाजिक विचारों के इतिहास में प्रथम समाजशास्त्री थे। इनका जन्म मोन्टपीलियर (फ्रांस) में 1798 ई. में हुआ था। कॉम्टे का पूरा नाम 'इसडोर ऑगस्ट मेरी फ्रैंक्वीस जैवियर कॉम्टे था।

27. 'सती' किस प्रकार की आत्महत्या का उदाहरण है?

(1) विसंगति जन्य आत्महत्या
(2) अहंवादी आत्महत्या
(3) परार्थवादी आत्महत्या
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

व्याख्या *(3)* सती परार्थवादी आत्महत्या का उदाहरण है। इसमें अपने के लिए नहीं वरन् दूसरों के लिए या परमार्थ के लिए की गई आत्महत्या है। जनजातियाँ समाजों में पुरुषों द्वारा वृद्धावस्था या रोगावस्था में की गई आत्म हत्याएँ, पति की मृत्यु पर पत्नी द्वारा आत्महत्या (सती प्रथा) आदि परार्थवादी आत्महत्याएँ है।

28. 'माडर्न सोशियोलॉजिकल थ्योरी : ऐन इण्ट्रोडक्शन' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(1) बेकर एण्ड बासकॉफ (2) पी. एस. कोहेन
(3) एफ. एम. अब्राहम (4) एन. एस. टिमासेफ

व्याख्या *(1)* 'मॉर्डन सोशियोलॉजिकल थ्योरी : ऐन इण्ट्रोडक्शन 'पुस्तक के लेखक बेकर एण्ड बासकॉफ हैं। ए. के. कोहेन की पुस्तक है–'डेलिक्यूवेट बायज कल्चर ऑफ द गैंग।'

29. नवप्रकार्यवाद से समर्थक कौन हैं?

(1) जे. एलेक्जेण्डर (2) टी. पारसन्स
(3) आर. के. मर्टन (4) एम. जे. लेवी

व्याख्या *(1)* अमेरिका में जेफरी एलेक्जेण्डर, जर्मनी में निक्लास लुहसन तथा ब्रिटेन में मार्क्सवादियों के प्रकार्य के संशोधित रूप प्रस्तुत करने से 'नव-प्रकार्यवाद' का जन्म हुआ।

30. हरबर्ट ब्लूमर का योगदान निम्न में से किसके अन्तर्गत आता है?

(1) प्रतीकात्मक (2) अन्तःक्रियावाद
(3) प्रकार्यवाद (4) संरचनावाद

व्याख्या *(1)* हरबर्ट ब्लूमर का प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद सिद्धान्त के विकास में एक निश्चित महत्त्वपूर्ण योगदान है। इस योगदान के चार महत्त्वपूर्ण पहलू है, जो निम्न हैं–

(i) निर्वाचन
(ii) प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद के तीन मौलिक आधार वाक्य
(iii) संरचना और प्रक्रिया
(iv) विधि
ब्लूमर ने यह स्थापित करने का पूरा प्रयास किया है कि किसी भी व्यवहार या क्रिया में व्यक्ति ही निर्धारक तत्त्व होता है।
ब्लूमर ने जिन तीन आधार वाक्यों की चर्चा की है, वे इस प्रकार है–
(i) मनुष्य की क्रियाओं में अभिप्राय का महत्त्व
(ii) अभिप्राय का स्त्रोत
(iii) निर्वचन और अभिप्राय की भूमिका

31. भारत में 'पिछड़ा वर्ग आयोग' के प्रथम सभापति कौन थे?
(1) बी.पी मण्डल (2) बी. आर. अम्बेडकर
(3) काका कालेलकर (4) एम. के. गाँधी

व्याख्या *(3)* काका कालेलकर आयोग वर्ष 1953 में गठित किया गया। उद्देश्य –पिछड़ेवर्गों की 'अस्मिता' के लिए सामाजिक शैक्षणिक आधार तय करना है।
आयोग ने 2399 जातियों, समुदायों की सूची तैयार की। आयोग ने निम्न आधारों पर पिछड़े वर्गों को निश्चित करने की संस्तुति की थी
- जाति सोपान मे सामाजिक स्थिति
- शैक्षणिक प्रगति का प्रभाव
- सरकारी सेवाओं में अपर्याप्त प्रतिनिधित्व
- व्यापार, उद्योग में अपर्याप्त प्रतिनिधित्व

32. 'गोल गोधेड़ो' किस जनजाति से सम्बन्धित हैं?
(1) खरिया (2) भील (3) नायर (4) टोडा

व्याख्या *(2)* 'गोल गोधड़ो' भील जनजाति से सम्बन्धित है। यह एक प्रकार का लोक नृत्य है, जो परीक्षा विवाह का स्वरूप है।

33. स्त्रियों व कन्याओं का अनैतिक व्यापार निरोधक कानून अपने देश में कब लागू हुआ?
(1) वर्ष 1955 में (2) वर्ष 1956 में
(3) वर्ष 1957 में (4) वर्ष 1961 में

व्याख्या *(2)* स्त्रियों व कन्याओं का अनैतिक व्यापार निरोध कानून 1956 में हुआ। वेश्यवृति अधिनियम वर्ष 1961 में लागू हुआ। स्त्री अपशिष्ट अधिनियम वर्ष 1986 में लागू हुआ।

34. यह किसने कहा है कि ''समाजशास्त्री आधुनिक समाज के पुजारी हैं?''
(1) इमाइल दुर्खीम (2) मैक्स वेबर
(3) ऑगस्त कॉम्टे (4) कार्ल मार्क्स

व्याख्या *(3)* ऑगस्त कॉम्टे ने कहा है कि ''समाजशास्त्री आधुनिक समाज के पुजारी हैं।''

35. विश्व के किस महाद्वीप में वधू मूल्य प्रथा ज्यादा प्रचलित है?
(1) एशिया (2) अफ्रीका
(3) यूरोप (4) अमेरिका

व्याख्या *(2)* विश्व के अफ्रीका महाद्वीप में वधू मूल्य प्रथा अधिक प्रचलित है क्योंकि यहाँ अनेक प्रकार की जनजातियाँ अत्यधिक मात्रा में निवास करती है।

36. ''इण्डियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी'' की स्थापना की गई थी
(1) आर. के. मुखर्जी द्वारा
(2) आर. एन. सक्सेना द्वारा
(3) जी. एस. घुरिये द्वारा
(4) ब्रजेन्द्र नाथ सील द्वारा

व्याख्या *(3)* 'इण्डियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी' की स्थापना श्री. जी. एस. घुरिये ने की थी। इस सोसायटी की स्थापना वर्ष 1952 में हुई थी। यहीं से सोशियोलॉजिकल बुलेटिन का प्रकाशन किया गया तथा इस पत्रिका के प्रथम सम्पादक घुरिये थे। इनकी प्रसद्धि पुस्तकें निम्नलिखित हैं–
- कास्ट, क्लास एण्ड आक्यूपेशन
- सिरीज एण्ड सिविलाइजेशन
- कल्चर एण्ड सोसायटी

37. किस जनजाति में भ्रातृक बहुपति विवाह का चलन है?
(1) थारु (2) गोंड
(3) टोडा (4) भील

व्याख्या *(3)* **भ्रातृक बहुपति विवाह**–इस विवाह में एक स्त्री के सभी पति आपस में भाई होते हैं। यह प्रथा तिब्बत में प्रचलित है, अतः मैकलेनन ने इसे तिब्बती बहुपति प्रथा कहा है। टोडा, खस, कोटा तथा कांगड़ा जिले के लाहौल एवं स्फीति परगनों में भ्रातृक बहुपति प्रथा प्रचलन में है।

38. 'रामपुरा' गाँव का किस भारतीय समाजशास्त्री ने अध्ययन किया?
(1) मजूमदार (2) एम. एन. श्रीनिवास
(3) बी. आर. चौहान (4) एस. सी. दुबे

व्याख्या *(2)* एम. एन. श्रीनिवास ने रामपुरा गाँव का अध्ययन किया। डॉ. एन. मजूमदार ने मोहना तथा इन्दी (यू.पी.) का अध्ययन किया। बी.आर.चौहान ने राजस्थान के राणवतों की सादडी तथा एस.सी. दुबे ने शमीर पेट गाँव का अध्ययन किया।

39. दहेज निरोधक अधिनियम कब लागू हुआ?
(1) वर्ष 1961 में (2) वर्ष 1965 में
(3) वर्ष 1970 में (4) वर्ष 2001 में

व्याख्या *(1)* दहेज निषेध अधिनियम वर्ष 1961 में लागू हुआ। इसके अन्तर्गत दहेज मांगना, लेना या देना, राज्य के विरुद्ध एक गैर जमानतीय संज्ञेय अपराध है और जिसमें कम-से-कम 5 वर्ष के कारावास तथा 15000 या दहेज की राशि के बराबर आर्थिक दण्ड की व्यवस्था है।

40. बोस्टर्ल स्कूल के जन्मदाता कौन हैं?
(1) सम्पूर्णानन्द (2) बकेरिया
(3) एल्विन आर. ब्राइस (4) गुन्नार मिर्डल

व्याख्या *(3)* बोस्टर्ल स्कूल के जन्मदाता एल्विन आर. ब्राइस हैं।

41. अभिवृत्तियों को मापने के लिए 'सामाजिक दूरी पैमाना' का विकास किया गया था

(1) एल. थर्स्टन द्वारा (2) एल. गटमैन द्वारा
(3) ई. बोगार्डस द्वारा (4) ए. लुण्डबर्ग द्वारा

व्याख्या *(3)* जार्ज सिमेल व्यक्तियों, समूहों के बीच उत्पन्न किसी प्रकार की बाधा जिससे उनके मध्य, सीमित या पूर्ण पृथक्करण, सीमित सामाजिक सम्बन्ध या न होने वाली अन्तः क्रियाएँ देखी जा सकती है: सामाजिक दूरी कहलाती है।
सामाजिक दूरी मापने का प्रयास बोगार्डस ने अपने सामाजिक दूरी मापने के पैमाने के माध्यम से किया।

42. सूची-I को सूची-II के साथ सही सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

सूची-I		सूची-II	
A.	प्राथमिक समूह	(i)	आर. के. मर्टन
B.	सांख्यिकीय समूह	(ii)	सी. एस. कूले
C.	सन्दर्भ समूह	(iii)	डब्ल्यू. जी. समनर
D.	अन्तः/बहिर्समूह	(iv)	बीरस्टीड

कूट

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	i	iii	ii	iv	(2)	i	iv	ii	iii
(3)	ii	iv	i	iii	(4)	ii	iii	i	iv

व्याख्या *(3)* सही सुमेलन इस प्रकार है–

	अवधारणा		विचारक
A.	प्राथमिक समूह	(ii)	सी.एच. कूले
B.	सांख्यिकी समूह	(iv)	बीरस्टीड
C.	सन्दर्भ समूह	(i)	आर. के. मर्टन
D.	अन्तः बर्हि समूह	(iii)	डब्लू. जी. समनर

43. उत्पादन प्रक्रिया में कार्ल मार्क्स के अनुसार, अधिकतम भूमिका होती है

(1) पूँजी की (2) मशीन उपकरण की
(3) श्रम की (4) सरकार की

व्याख्या *(3)* उत्पादन की शक्तियाँ मनुष्य की प्रकृति पर नियन्त्रण की क्षमता को परिलक्षित करती है, जिसके अन्तर्गत कच्चा माल, उत्पादन के साधन एवं श्रम शक्ति सम्मिलित है और जिसके माध्यम से मनुष्य प्रकृति का दोहन कर अपनी आवश्यकतों को पूरा करता है।

44. निम्न में से कौन समाजशास्त्री शिकागो स्कूल से सम्बद्ध है?

(1) ए. स्माल
(2) कॉम्टे
(3) दुर्खीम
(4) उपरोक्त से कोई नहीं

व्याख्या *(1)* समाजशास्त्री ए. स्माल ने शिकागो स्कूल की स्थापना की। सर्वप्रथम सन् 1876 में अमेरिका के 'येल विश्वविद्यालय' में समाजशास्त्र का अध्ययन प्रारम्भ हुआ। इसके बाद सन् 1892 में अमेरिका में शिकागो विश्वविद्यालय में ए. डब्लू स्माल की नेतृत्व में समाजशास्त्र विषय का अध्ययन आरम्भ हुआ।

45. सामाजिक परिवर्तन का चक्रीय सिद्धान्त (Cyclical Theory) सम्बन्धित है

(1) सोरोकिन एवं मार्क्स (Sorokin and Marx) से
(2) पैरेटो एवं सोरोकिन (Pareto and Sorokin) से
(3) वेबलिन एवं पैरेटो (Veblen and Pareto) से
(4) मॉर्गन एवं बोगार्डस (Morgan and Bogardus) से।

व्याख्या *(2)* समाजशास्त्रीय सिद्धान्त की प्रकृति के अनुसार, सामाजिक परिवर्तन को हम मुख्यतः चार भागों में बाँटते हैं–

I.	उद्विकासीय सिद्धान्त	विचारक-स्पेंसर, कॉम्टे मार्गन, दुर्खीम आदि
II.	चक्रीय सिद्धान्त	विचारक-विको, पैरेटो, स्पेलर, सोरोकिन टयनबी आदि।
III.	संघर्ष सिद्धान्त	विचारक-हीगल, मार्क्स, रात्सेन, हापर, डहरेनडॉफ आदि।
IV.	प्रकार्यात्मक सिद्धान्त	विचारक- पारसंस, मर्टन, मैलिनोवास्की आदि।

46. ''मैक्स वेबर-एक बौद्धिक व्यक्तित्व' के लेखक कौन हैं?

(1) मैक्स वेबर
(2) रुथ बेनिडिक्ट
(3) राइन हार्ड बेनिडिक्स
(4) राल्फ लिंटन

व्याख्या *(3)* मैक्स वेबर-एक बौद्धिक व्यक्तित्व' के लेखक राइन हार्ड बेनेडिक्स हैं।

47. कथन (A) : डॉ. भगवान दास के अनुसार धर्म और विज्ञान एक-दूसरे के पूरक हैं।
कारण (R) : वैज्ञानिक विचारों का प्रभाव बढ़ने के साथ ही विभिन्न धर्मों के विभेद बढ़ते जाते हैं।
निम्नलिखित कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए

(1) (A) तथा (R) दोनों सही है तथा (R) से (A) के कारण की सही व्याख्या होती है।
(2) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R) से (A) की सही व्याख्या नहीं होती है।
(3) (A) सत्य है, लेकिन (R) गलत है।
(4) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

व्याख्या *(3)* डॉ. भगवान दास के अनुसार, धर्म और विज्ञान एक-दूसरे के पूरक हैं। वहीं, वैज्ञानिक प्रभाव बढ़ने से विभिन्न धर्मों के बीच विभेद बढ़ने के बीच सामंजस्य बढ़ता जाता है।

48. कथन (A) : सामान्यतः जटिल समाजों में अवैयक्तिक सम्बन्ध प्रबल होते हैं।
कारण (R) : जटिल समाजों में जनसंख्यात्मक घनत्व अधिक होता है।
निम्नलिखित कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए
(1) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R) से (A) के कारण की सही व्याख्या होती है।
(2) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R) से (A) की सही व्याख्या नहीं होती है।
(3) (A) सत्य है, लेकिन (R) गलत है।
(4) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

व्याख्या *(1)* जटिल समाज की विशेषताएँ
(i) जटिल समाज का आकार एवं इनमें सांस्कृतिक, भाषाई एवं धार्मिक विविधता पाई जाती है।
(ii) कानूनों का अधिक महत्त्व होता है। प्रतिस्पर्धात्मक एवं संघर्षात्मक दशाएँ सदैव विद्यमान होती हैं। श्रम विभाजन एवं विशिष्टीकरण पाया जाता है।

49. कथन (A) : ग्राम-नगर सांतत्य (Rural-urban continum) की संकल्पना इस विचार के बिल्कुल विपरीत है कि ग्राम तथा नगर समान्तर व्यवस्थाएँ हैं।
कारण (R) : रॉबर्ट रेडफील्ड (Robert Redifield) ने ग्राम-नगर सांतत्य (Rural-Urban Continuum) की संकल्पना को विकसित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
निम्नलिखित कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :
(1) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R) से (A) के कारण की सही व्याख्या होती है।
(2) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R) से (A) की सही व्याख्या नहीं होती है।
(3) (A) सत्य है, लेकिन (R) गलत है।
(4) (A) गलत हैं, लेकिन (R) सही है।

व्याख्या *(2)* ग्राम-नगर सांतत्य की अवधारणा मूलतः सोरोकिन एवं जिमरमैन द्वारा दी गई। रॉबर्ट रेडफील्ड ने लोक-नगरीय सांतत्य अपनी अवधारणा का विकास मेरिडा सिटी में चान कोम की माया कृषक गाँव और तसिक के जनजातीय गाँव के अध्ययनों में किया।

50. कथन (A) : अब हिन्दू विवाह को संस्कार (Sacrament) से अधिक संविदा (Contract) समझा जाता है।
कारण (R) : भारतीय समाज पर पश्चिमी विचारधारा का व्यापक प्रभाव पड़ा है।
निम्नलिखित कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए
(1) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R) से (A) की सही व्याख्या होती है।
(2) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R) से (A) की सही व्याख्या नहीं होती है।
(3) (A) सत्य है, लेकिन (R) गलत है।
(4) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

व्याख्या *(1)* हिन्दू विवाह एक संस्कार है, परन्तु आज इसमें परिवर्तन नजर आने लगा है। इस परिवर्तन के अनेक कारक हैं–शिक्षा, पैश्चीकरण, पश्चिमीकरण, नगरीकरण, वैज्ञानिक आविष्कार, वैधानिक, सामाजिक कानून आदि।

51. संयुक्त परिवार (Joint Family) की कौन-सी विशेषता सही नहीं है?
(1) बड़ा आकार
(2) सदस्यों के बीच निश्चित संस्तरण
(3) परम्पराओं पर आधारित संरचना
(4) सदस्यों में औपचारिक सम्बन्ध।

व्याख्या *(4) संयुक्त परिवार की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–*
- तीन पीढ़ियों का परिवार
- सामान्य आवास
- सामान्य सम्पत्ति
- सामान्य पूजा पद्धति
- बड़ा आकार
- सदस्यों के बीच निश्चित संस्तरण
- परम्पराओं पर आधारित संरचना
- अधिकार और दयित्व
- तुलनात्मक स्थायित्व
- सहयोगी व्यवस्था
- सामान्य सामाजिक प्रकार्य

52. निम्नलिखित में से किस एक को स्वतन्त्र रूप से परिभाषित भूमिका कहा जा सकता है?
(1) पिता (2) अध्यापक
(3) चित्रकार (4) अधिकारी

व्याख्या *(3)* समाजशास्त्र में भूमिका को प्रस्थिति का गतिशील या व्यावहारिक पहलू माना जाता है। समाजशास्त्र में भूमिका का तात्पर्य प्रस्थिति से सम्बन्धित कार्यों के निर्वाह से है। भूमिका एक सम्बन्धात्मक सम्बन्ध है। पिता, अध्यापक तथा अधिकारी सम्बन्धात्मक हैं जबकि चित्रकार एक स्वतन्त्र भूमिका है।

53. "समुदाय वह लघुत्तम क्षेत्रीय समूह होता है, जो सामाजिक जीवन के सभी पहलुओं को अंगीकार कर सकता है।" यह मत है
(1) कूले का (2) डेविस का
(3) मैकाइवर का (4) जॉनसन का

व्याख्या *(2)* **के. डेविस** मानते हैं कि "समुदाय वह लघुतम क्षेत्रीय समूह होता है, जो सामाजिक जीवन के सभी पहलुओं को अंगीकार कर सकता है।" **ग्रीन** का मत है कि "समुदाय व्यक्ति का वह संग्रह है जो छोटे क्षेत्र में निवास करते हैं तथा सामान्य जीवन-यापन करते हैं।"

54. पारसन्स के अनुसार, सामाजिक संरचना को बने रहने के लिए उसे निम्नलिखित में से कौन-कौन से प्रकाय करने की आवश्यकता है?
I. अनुकूलन II. सामाजिक क्रिया

III. एकीकरण IV. समाजीकरण
V. लक्ष्य प्राप्ति VI. प्रतिरूप
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए
(1) I, II, III एवं IV (2) II, IV, V एवं VI
(3) I, III, V एवं VI (4) I, II, IV एवं V

व्याख्या *(3)* पारसन्स के अनुसार, सामाजिक संरचना को बने रहने के लिए निम्नलिखित प्रकार्य करने की आवश्यकता है–
- अनुकूलन
- लक्ष्य प्राप्ति
- एकीकरण
- प्रतिरूप

पारसन्स ने सामाजिक संरचना के चार स्वरूप बताए हैं–
- सार्वभौमिक अर्जित प्रतिमान
- सार्वभौमिक प्रदत्त प्रतिमान
- विशिष्ट अर्जित प्रतिमान
- विशिष्ट प्रदत्त प्रतिमान

55. निम्नलिखित में से कौन-सा गलत है?
(1) प्रत्येक समिति की स्थापना कुछ निश्चित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर की जाती है।
(2) समिति का सम्बन्ध व्यक्तियों से नहीं, बल्कि पद्धतियों और कार्यप्रणालियों से है जिनके द्वारा हम लक्ष्य प्राप्त करते हैं।
(3) समिति व्यक्ति का वह समूह है जो समान उद्देश्यों के आधार पर संगठित होता है।
(4) समिति के सदस्यों में एकरूपता लाने के लिए सभी को समान नियमों द्वारा कार्य करना आवश्यक होता है।

व्याख्या *(2)* समिति की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–
- समितियों की सदस्यता औपचारिक होती है, जिसके लिए निवेदन पत्र तथा निश्चित फीस देना पड़ता है।
- समितियों की निर्धारित एवं लिखित 'नियामवाली होती है।
- समितियाँ निश्चित उद्देश्य और हित पूर्ति के लिए जानबूझ कर निर्मित की जाती हैं।
- एक निश्चित संगठन
- अस्थायी प्रकृति
- औपचारिक सम्बन्ध
- सांस्कृतिक उपकरण
- प्रतीक
- अभिमत एवं अधिकार

56. वर्ष 1931 की जनगणना में हट्टन ने अस्पृश्य जातियों को किस नाम से सम्बोधित किया?
(1) बाहरी जाति
(2) अनुसूचित जाति
(3) दलित जाति
(4) अछूत जाति

व्याख्या *(1)* वर्ष 1931 की जनगणना में हट्टन ने दलित शब्द के स्थान पर 'बाहरी जाति' शब्द का प्रयोग किया।
पूना पैक्ट के समय ही महात्मा गाँधी ने इनके लिए 'हरिजन' शब्द का प्रयोग किया। 'हरिजन' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग डॉ. लोहिया ने किया था।

57. संविधान के किस अनुच्छेद में अनुसूचित जाति को संसद में प्रतिनिधित्व हेतु आरक्षण प्रदान किया जाता है?
(1) अनुच्छेद 330 (2) अनुच्छेद 332
(3) अनुच्छेद 335 (4) अनुच्छेद 338

व्याख्या *(1)* अनुच्छेद–330-अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति को लोकसभा में प्रतिनिधित्व हेतु आरक्षण प्रदान किया गया।
अनुच्छेद 332–विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति हेतु आरक्षण।
अनुच्छेद 335-सरकारी पदों में आरक्षण।
अनुच्छेद 338–एक विशेष अधिकारों की नियुक्ति की व्यवस्था।

58. मण्डल आयोग ने पिछड़े वर्गों के चयन के लिए निम्नांकित में से किसे महत्त्वपूर्ण माना?
(1) जातिगत, शैक्षणिक तथा आर्थिक आधार
(2) सामाजिक, शैक्षणिक तथा आर्थिक आधार
(3) जातिगत, शैक्षणिक तथा राजनीतिक आधार
(4) सांस्कृतिक, आर्थिक तथा सामाजिक आधार

व्याख्या *(2)* वर्ष 1977 में जनता पार्टी की सरकार ने बी.पी. मण्डल की अध्यक्षता में द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग की नियुक्ति की। आयोग ने सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़ी जातियों के लिए 27% आरक्षण का सुझाव दिया।

59. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राष्ट्रपति को सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों का पता लगाने के लिए एक आयोग को नियुक्त करने का अधिकार देता है?
(1) 340 (1) (2) 341
(3) 342 (4) 365 (4)

व्याख्या *(1)* भारतीय संविधान के अनुच्छेद 340(1) के अनुसार राष्ट्रपति की एक आयोग को नियुक्त करने और उसके माध्यम से देश के विभिन्न भागों में पिछड़े वर्गों की स्थितियों की जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है।

60. भारत में स्त्रियों की प्रस्थिति से सम्बन्धित निम्नांकित कथनों में से सही कथन का चयन कीजिए
(1) स्त्री-शिक्षा तथा स्त्रियों की सामाजिक प्रस्थिति के बीच एक सकारात्मक सह-सम्बन्ध है।
(2) वर्ष 1982 में राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना की गई।
(3) इस्लाम का दर्शन स्त्रियों की आर्थिक स्वतन्त्रता को सबसे अधिक महत्त्व देता है।
(4) जनजातियों में पितृसत्तात्मक परिवार बढ़ने के साथ ही स्त्रियों की स्वतन्त्रता बढ़ती जा रही है।

व्याख्या *(1)* शिक्षा वह प्रबल माध्यम है, जिसने स्त्रियों की सामाजिक आर्थिक प्रस्थिति को सुदृढ़ तथा उन्नत बनाया है। इसलिए आजकल कहा जा सकता है कि स्त्री-शिक्षा तथा स्त्रियों की सामाजिक प्रस्थिति के बीच एक सकारात्मक सह-सम्बन्ध है।

61. धार्मिक विश्वासों के आधार पर जिस प्रथा के रूप में वेश्यावृत्ति को प्रोत्साहित किया, उसे कहा जाता है

(1) रखैल परम्परा (2) देवांगना परम्परा
(3) देवदासी परम्परा (4) नियोग परम्परा

व्याख्या *(3)* देवदासी परम्परा, वेश्यावृत्ति की एक प्रकार है। इस प्रथा के अनुसार लड़कियों को मन्दिरों में देवताओं की सेवा के लिए भेंट चढ़ा दिया जाता है। ये कुँवारी लड़कियाँ मन्दिर के पंडितों एवं पुजारियों तथा सम्पन्न लोगों की यौन-तृप्ति को पूरा करती हैं। इसे ही भगवान का प्रसाद समझती हैं।

62. सूची-I को सूची-II के साथ सही सुमेलत कीजिए और सूचियों को नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

सूची-I (नगर/प्रदेश)		सूची-II (विशेषताएँ)	
A.	दिल्ली	(i)	सर्वाधिक आबादी वाला नगर
B.	अरुणाचल प्रदेश	(ii)	सबसे कम घनत्व वाला प्रदेश
C.	मुम्बई	(iii)	न्यूनतम नगरीय जनसंख्या वाला प्रदेश
D.	हिमाचल प्रदेश	(iv)	सर्वाधिक घनत्व वाला प्रदेश

कूट

	A	B	C	D
(1)	iii	iv	i	ii
(2)	iv	ii	i	iii
(3)	iii	iv	ii	i
(4)	i	ii	iv	iii

व्याख्या *(2)* सही सुमेलन निम्न प्रकार हैं–

सूची-I (नगर/प्रदेश)		सूची-II (विशेषताएँ)	
A.	दिल्ली	(iv)	सर्वाधिक घनत्व वाला प्रदेश
B.	अरुणाचल प्रदेश	(ii)	सबसे कम घनत्व वाला प्रदेश
C.	मुंबई	(i)	सर्वाधिक आबादी वाली नगर
D.	हिमाचल प्रदेश	(iii)	न्यूनतम नगरीय जनसंख्या वाला प्रदेश

63. क्षेत्रवाद में अन्तर्निहित है

(1) प्रान्तीयता (2) अलगाववाद
(3) समुदाय का विकास (4) राष्ट्रवाद

व्याख्या *(3)* एक क्षेत्र विशेष के लोगों का कुछ सामान्य आधारों पर उस क्षेत्र के साथ लगाव की भावना क्षेत्रवाद है। क्षेत्रवाद के कारण स्वरूप होते हैं

- प्रदेश स्वायत्तता की माँग
- बहुप्रदेश क्षेत्रवाद
- उत्तर प्रदेश क्षेत्रवाद
- अन्त: प्रदेश क्षेत्रवाद

64. विभिन्न विशेषताओं का कौन-सा समूह परम्परागत भारतीय सामाजिक व्यवस्था का सही प्रतिनिधित्व करता है?

(1) वर्ण-व्यवस्था, धर्मनिरपेक्षता, गाँव पंचायत
(2) सामाजिक गतिशीलता, आश्रम-व्यवस्था, पुरुषार्थ
(3) संयुक्त परिवार, पुनर्जन्म में विश्वास, खुला स्तरीकरण
(4) बन्द स्तरीकरण, पुरुषार्थ, संयुक्त परिवार

व्याख्या *(4)* भारतीय सामाजिक व्यवस्था के प्रमुख आधार हैं–

- वर्ण
- आश्रम
- कर्म
- ऋण
- पुनर्जन्म
- जाति व्यवस्था
- धार्मिक आडम्बर
- संयुक्त परिवार
- जजमानी व्यवस्था
- पुरुषार्थ
- गाँव पंचायत

65. समाजीकरण (Socialization) का तात्पर्य है

(1) शैशवावस्था से युवा अवस्था तक वृद्धि की प्रक्रिया
(2) परिवार में व्यक्तित्व में विकास की प्रक्रिया
(3) सामाजिक मूल्यों तथा भूमिकाओं की सीखने की प्रक्रिया
(4) अपने अधिकारों को प्राप्त करने की प्रक्रिया

व्याख्या *(3)* समाजीकरण का तात्पर्य सामाजिक मूल्यों तथा भूमिकाओं की सीखने की प्रक्रिया है। **के. डेविस** के अनुसार, "वह प्रक्रिया जिसके द्वारा एक नवजात शिशु को सामाजिक प्राणी के रूप में ढाला जाता है, समाजीकरण कहलाती है।" जॉनसन के अनुसार, "समाजीकरण वह प्रशिक्षण है जो सीखने वालों का सामाजिक भूमिका अदा करने में समर्थ बनाता है।"

66. सामाजिक स्तरीकरण के अध्ययन के लिए मैक्स वेबर का उपागम निम्नलिखित में से कौन है?

(1) एकल आयामी (2) द्वि-आयामी
(3) त्रि-आयामी (4) चतुर्थ आयामी

व्याख्या *(3)* सोरोकिन तथा मैक्स वेबर ने स्तरीकरण के मुख्यत: तीन आधार बताएँ हैं, जो निम्न हैं–
(i) आर्थिक (ii) राजनीतिक
(iii) सामाजिक
वेबर के अनुसार इन तीनों के भीतर शक्ति की अभिव्यक्ति क्रमश: वर्ग, प्रस्थिति और दल के रूप में होती है।

67. होकार्ट तथा सेनार्ट, जाति की उत्पत्ति के किस सिद्धान्त से सम्बन्धित है?

(1) सांस्कृतिक सिद्धान्त (2) धार्मिक सिद्धान्त
(3) राजनैतिक सिद्धान्त (4) व्यावसायिक सिद्धान्त

व्याख्या *(2)* **जाति की उत्पत्ति का धार्मिक सिद्धान्त**–होकार्ट तथा सेनार्ट जाति प्रथा की उत्पत्ति में धर्म को प्रमुख आधार मानते हैं। होकार्ट का मत है कि धार्मिक क्रियाओं तथा कर्मकाण्डों के कारण ही जाति प्रथा का उद्‌गम हुआ। सेनार्ट का मत है कि पारिवारिक पूजा तथा कुल देवता को चढ़ाए जाने वाले भोजन में भिन्नता एवं निषेधों के कारण ही जाति प्रथा का जन्म हुआ।
व्यावसायिक सिद्धान्त–इस सिद्धान्त के जन्मदाता नेसफील्ड हैं।

68. संविधान के किस अनुच्छेद मे अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए सरकारी नौकरी में आरक्षण की व्यवस्था है?

(1) अनुच्छेद-325 (2) अनुच्छेद-324
(3) अनुच्छेद-338 (4) अनुच्छेद-335

व्याख्या (4) अनुच्छेद-335–सेवाओं और पदों के लिए एसी एवं एसटी के लिए आरक्षण।
अनुच्छेद 338–अनुसूचित जाति आयोग की नियुक्ति।
अनुच्छेद 340–पिछड़ा आयोग की नियुक्ति।

69. "धर्म अलौकिक शक्ति में विश्वास पर आधारित है, जिसमें आत्मवाद और मानववाद दोनों सम्मिलित हैं।" यह किस विद्वान् ने कहा है?

(1) हॉबल (2) टायलर
(3) क्यूबर (4) जॉनसन

व्याख्या (1) हॉबल के अनुसार, "धर्म अलौकिक शक्ति में विश्वास पर आधारित है जिसमें आत्मवाद और मानववाद दोनों सम्मिलित हैं।" क्यूबर के अनुसार, "धर्म सांस्कृतिक जीवन से सम्बन्धित व्यवहार का प्रतिमान है जिसका निर्माण पवित्र विश्वासों, विश्वासों से सम्बन्धित उद्वेग, पूर्ण विचारों तथा उन्हें व्यक्त करने वाले बाह्य आचरणों, आदि से होता है।
टायलर के अनुसार, "धर्म आध्यात्मिक शक्ति में विश्वास है।"

70. 'फर्स्ट प्रिंसिपल' पुस्तक के रचयिता हैं

(1) इमाइल दुर्खीम (2) आर. के. मर्टन
(3) हरबर्ट स्पेंसर (4) मैक्स वेबर

व्याख्या (3) स्पेंसर की प्रमुख रचनाएँ निम्नलिखित हैं–
- सोशल स्टैटिक्स–1851
- फर्स्ट प्रिंसिपल –1863
- स्टडी ऑफ सोशियोलॉजी–1873
- सिंथेटिक फिलास्फी–1858-1866
- प्रिंसिपल ऑफ सोशियोलॉजी

71. शीर्ष देशना (Cephalic Index) को ज्ञात करने का सही सूत्र है

(1) $\frac{\text{सिर की लम्बाई} \times 100}{\text{सिर की चौड़ाई}}$

(2) $\frac{\text{सिर की चौड़ाई} \times 100}{\text{सिर की लम्बाई}}$

(3) $\frac{\text{सिर की लम्बाई} \times \text{सिर की चौड़ाई}}{100}$

(4) $\frac{\text{सिर की लम्बाई}}{\text{सिर की चौड़ाई} \times 100}$

व्याख्या (2) शीर्ष देशना ज्ञात करने का सूत्र
$$\frac{\text{सिर की चौड़ाई} \times 100}{\text{सिर की लम्बाई}}$$

72. "निर्धनता एक ऐसे जीवन स्तर के रूप में परिभाषित की जा सकती है जिसमें स्वास्थ्य और शरीर सम्बन्धी दक्षता नहीं बनी रहती है।" यह परिभाषा किस विद्वान् की है?

(1) गिलिन एवं गिलिन (2) बीवर
(3) गोडार्ड (4) माइकल कालेस्की

व्याख्या (4) माइकल कालेस्की के अनुसार, "निर्धनता एक ऐसे जीवन स्तर के रूप में परिभाषित की जा सकती है जिसमें स्वस्थ और शरीर सम्बन्धी दक्षता नहीं बनी रहती है।"

73. 'हिन्दू धर्म से पृथक् करके जाति को सही रूप में नहीं समझा जा सकता है, क्योंकि यह हिन्दुवाद ही है जो जाति को इसकी अभिमतियाँ (Sanction) प्रदान करता है और पूरी व्यवस्था को उसका नैतिक अर्थ देता है।" यह कथन है

(1) मैकाइवर एवं पेज का (2) मजूमदार एवं मदन का
(3) रोनाल्ड सीगल का (4) बॉटोमोर का

व्याख्या (2) मजूमदार एवं मदन के अनुसार "हिन्दू धर्म से पृथक् करके जाति को सही रूप में नहीं समझा जा सकता है। क्योंकि यह हिन्दुवाद ही है जो जाति को इसको अभिमतियाँ प्रदान करता है और पूरी व्यवस्था को उसका नैतिक अर्थ देता है।

74. 'मानव चक्र' (Human cycle) के रचयिता हैं

(1) डॉ. भगवान दास (2) श्री अरविन्दो घोष
(3) एम. के. गाँधी (4) राधाकृष्णन

व्याख्या (2)

पुस्तक	लेखक
मानव चक्र	अरविन्दो घोष
द लाइफ डिवाइन	अरविन्दो घोष
गीता रहस्य	अरविन्दो घोष
द सिंथेसिस ऑफ	अरविन्दो घोष
योग तथा सावित्री	अरविन्दो घोष

75. सूची-I के समूहों का मिलान सूची-II के समाजशास्त्रियों से कीजिए और दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए

सूची-I		सूची-II	
A.	सावित्री	(i)	डॉ. बी. बार. अम्बेडकर
B.	यंग इण्डिया	(ii)	डॉ. भगवानदास
C.	स्टेट्स एण्ड माइनोरिटीस	(iii)	श्री अरविन्दो
D.	इसेंसियल यूनिटी ऑफ ऑल रिलीजन	(iv)	एम. के. गाँधी

कूट

	A	B	C	D
(1)	iii	iv	ii	i
(2)	iii	iv	i	ii
(3)	iii	i	iv	ii
(4)	iv	iii	ii	i

व्याख्या (2) सही मिलान निम्नलिखित है–

सूची-I (पुस्तक)		सूची-II (लेखक)	
A.	सावित्री	(iii)	श्री अरविन्दो घोष
B.	यंग इण्डिया	(iv)	एम. के. गाँधी
C.	स्टेट्स एण्ड माइनोरिटीस	(i)	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
D.	इसेंशियल यूनिटी ऑफ ऑल रिलीजन	(ii)	डॉ. भगवानदास

76. किस विद्वान् ने 'तनाव' को पारिवारिक विघटन का प्रमुख कारण माना है?

(1) ब्लूमर (2) फोलसम
(3) मावरर ✓(4) इलियट एवं मैरिल

व्याख्या (4) इलियट एवं मैरिल ने 'तनाव' को पारिवारिक विघटन का मुख्य कारण बताया है। इनके अनुसार परिवार पति, पत्नी एवं बच्चों से निर्मित एक जैविक सामाजिक इकाई है।

77. दहेज निरोधक (संशोधित) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत दहेज के दोषी पाए गए व्यक्ति को कितना जुर्माना किया जा सकता है?

(1) ₹ 10,000 ✓(2) ₹ 15,000
(3) ₹ 20,000 (4) ₹ 25,000

व्याख्या (2) दहेज निषेध अधिनियम वर्ष 1961 में आया था। इस अधिनियम के अनुसार दहेज माँगना, लेना, देना, राज्य के विरुद्ध एक गैर जमानती राज्य अपराध है। इसके लिए कम-से-कम 5 वर्ष का कारावास तथा ₹ 15000 या दहेज की राशि के बराबर आर्थिक दण्ड की व्यवस्था है।

78. "अपराधी जन्मजात होते हैं।" यह कथन है

(1) बैकेरिया का (2) सदरलैण्ड का
(3) हैकरवाल का ✓(4) लोम्ब्रोसो का

व्याख्या (4) लोम्ब्रोसो के अनुसार, "अपराधी जन्मजात होते हैं, उसे बनाया नहीं जाता।" इन्होंने अपराधियों को पाँच भागों में बाँटा है
(i) जन्मजात अपराधी (ii) विक्षिप्त अपराधी (iii) आकस्मिक अपराधी (iv) अभ्यस्त अपराधी (v) आवेग युक्त अपराधी
सदरलैण्ड ने निम्न वर्ग के अपराधी और श्वेतवसन अपराधी की बात की है।

79. 'किशोर न्याय अधिनियम' कब पारित हुआ?

(1) वर्ष 1973 में (2) वर्ष 1981 में
(3) वर्ष 1986 में (4) वर्ष 1989 में

व्याख्या (3) किशोर न्याय अधिनियम वर्ष 1986 में परित हुआ था। इस अधिनियम के अनुसार, बाल अपराधियों की अधिकतम आयु लड़कों के लिए 16 वर्ष तथा लड़कियों के लिए 18 वर्ष है। वहीं बाल अपराधियों के लिए न्यूनतम आयु 7 वर्ष है।

80. 'हिन्दू लॉ एण्ड कस्टम' के लेखक हैं

(1) एस. सी. दुबे (2) जे. डी. मेन
(3) लिण्टन (4) इवान्स प्रिचार्ड

व्याख्या (2) जे. डी. मेन की पुस्तक 'हिन्दू लॉ एण्ड कस्टम' है।
एस. सी. दुबे की पुस्तकें निम्नलिखित हैं–
- इण्डियन विलेज
- द कुमार
- ह्यूमन एण्ड कल्चर
- इण्डियाज चेन्जिंग विलेजर्स

81. "सिण्डीकेटेड हिन्दुवाद" के सम्बन्ध में सही कथन नहीं है

(1) यह पूर्ववर्ती सभी सम्प्रदायों के समायोजन का प्रयत्न करता है
(2) यह एक नवीन धार्मिक रूप है
(3) यह एक नवीन धार्मिक सम्प्रदाय की रचना है
(4) से राजनैतिक हिन्दुवाद भी कहा जाता है

व्याख्या (1) "सिण्डीकेटेड हिन्दुवाद" के बारे में सही कथन है
- एक जीवन धार्मिक रूप है।
- यह एक नवीन धार्मिक सम्प्रदाय की रचना है।
- इसे राजनीतिक हिन्दुवाद भी कहा जाता है।

82. किस आश्रम को 'धर्म', 'अर्थ' और 'काम' का संगम कहा है?

(1) ब्रह्मचर्य आश्रम (2) गृहस्थ आश्रम
(3) वानप्रस्थ आश्रम (4) संन्यास आश्रम

व्याख्या (2) व्यक्ति के जीवन को चार भागों में विभाजित किया गया है–
(i) ब्रह्मचर्य आश्रम (ii) गृहस्थ आश्रम (iii) वानप्रस्थ आश्रम (iv) सन्यास आश्रम।
गृहस्थाश्रम में पुरुषार्थ के तीन अंग–अर्थ, काम तथा धर्म प्रयुक्त होते हैं। इन्हीं के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्त्तव्यों का पालन करता है।

83. सदरलैण्ड ने श्वेत वसन अपराधी बनने की प्रक्रिया के लिए उत्तरदायी माना है

(1) तीव्र महत्त्वाकांक्षा को (2) अच्छे व्यापार की माँग को
(3) विभिन्न सम्पर्क को (4) बदला लेने की भावना को

व्याख्या (3) अमेरिकी समाजशास्त्री ने अपनी पुस्तक 'अपराधशास्त्र के सिद्धान्त' में पहली बार वैज्ञानिक आधार पर अपराध की समाजशास्त्रीय व्याख्या की। इन्होंने अपने सिद्धान्त को विभेदक या विभिन्न सम्पर्क के सिद्धान्त के नाम से प्रस्तुत किया। सदरलैण्ड ने अपराध की दो प्रकार से व्याख्या की है–
(i) पारिस्थिति सम्बन्धी व्याख्या (ii) जन्म सम्बन्धी या ऐतिहासिक व्याख्या।

84. 'उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन व भूमि सुधार अधिनियम कब लागू हुआ?

(1) 15 जुलाई, 1951 को
(2) 5 जुलाई, 1953 को
(3) 1 जुलाई, 1952 को
(4) 1 जनवरी, 1955 को

व्याख्या (1) उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन व भूमि सुधार अधिनियम 15 जुलाई, 1951 को लागू हुआ।

85. "हम समितियों के सदस्य होते हैं संस्था के नहीं।" यह कथन है

(1) बोगार्डस का (2) पारसन्स का
(3) मैकाइवर तथा पेज का (4) समनर का

व्याख्या *(3)* मैकाइवर एवं पेज के अनुसार, "हम समितियों के सदस्य होते हैं, न कि संस्थाओं के।" इनके अनुसार, "समिति मानव वह मानव समूह है जो सामान्य हित या हितों की पूर्ति के लिए संगठित होता है। इनके अनुसार, "संस्था सामूहिक क्रिया की विशेषता व्यक्त करने वाली कार्य-प्रणाली के स्थापित स्वरूप या अवस्था को कहते हैं।

86. दुर्खीम के अनुसार निम्नांकित में से कौन 'आत्महत्या' नहीं है?

(1) अहंवादी आत्महत्या (2) स्वाभाविक आत्महत्या
(3) परार्थवादी आत्महत्या (4) विसंगतिजन्य आत्महत्या

व्याख्या *(2)* दुर्खीम के समाजशास्त्रीय चिन्तन में आत्महत्या का सिद्धान्त बहुत महत्त्वपूर्ण है जिसकी चर्चा उन्होंने अपनी पुस्तक 'The Suicide' में की है। इनके अनुसार आत्महत्याएँ चार प्रकार की होती हैं– (i) अहंवादी आत्महत्या (ii) परार्थवादी आत्महत्या (iii) आदर्शविहीन आत्महत्या (iv) भाग्यवादी आत्महत्या।

87. "आत्महत्या समाज के नकारात्मक दबाव का फल है।" यह किसने कहा?

(1) दुर्खीम (2) फ्रायड
(3) पारसन्स (4) मैक्स ब्लैक

व्याख्या *(1)* दुर्खीम का कहना है, कि "आत्महत्या समाज के नकारात्मक दबाव का फल है।" इनके अनुसार आत्महत्या शब्द का प्रयोग किसी भी मृत्यु के लिए किया जाता है जोकि स्वयं मृतक के द्वारा किए गए किसी नकारात्मक या सकारात्मक कार्य का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष परिणाम है। इन्होंने आत्महत्या को मनोरोगमय अवस्थाओं से जोड़ा है।

88. 'मैं' के स्थान पर 'हम' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया?

(1) महात्मा गाँधी (2) मदनमोहन मालवीय
(3) भगवानदास (4) स्वामी विवेकानन्द

व्याख्या *(4)* 'मैं' के स्थान पर 'हम' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम स्वामी विवेकानन्द ने किया। समाजशास्त्र के क्षेत्र में मीड ने 'मैं' और 'मुझे' के सिद्धान्त से बालक के समाजीकरण की प्रक्रिया की एक नए ढंग से व्याख्या की है।

89. 'मूल्यों के समाजशास्त्र' के जनक कौन हैं?

(1) राधा कमल मुखर्जी (2) राधाकृष्ण मुखर्जी
(3) रामकृष्ण (4) डी. पी. मुखर्जी

व्याख्या *(1)* भारतीय समाजशास्त्री डॉ. राधा कमल मुखर्जी को सामाजिक मूल्य का जनक कहा जाता है। इनके अनुसार, "मूल्य समाज द्वारा मान्यता प्राप्त इच्छाएँ तथा लक्ष्य हैं जिनका आन्तरीक्षरण सीखने अथवा समाजीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से आरम्भ होता है और जो प्राकृतिक अधिमान्यताएँ मानक और अभिलाषाएँ बन जाती हैं। इनकी पुस्तकें I. The Social Structure of values II. The Dimensions of values हैं।

90. किनके द्वारा 'सर्वोदय कार्यक्रम' की रूपरेखा तैयार एवं प्रस्तुत की गई?

(1) आचार्य कृपलानी (2) महात्मा गाँधी
(3) विनोबा भावे (4) जय प्रकाश नारायण

व्याख्या *(4)* जय प्रकाश नारायण द्वारा 'सर्वोदय कार्यक्रम' की रूपरेखा तैयार एवं प्रस्तुत की गई।
सर्वोदय–ग्रामवासियों के स्वयं के संकल्प व प्रयास के आधार पर गाँव के सर्वांगीण विकास का एक नवीन प्रारूप विनोबा जी ने सर्वोदय के अन्तर्गत रखा है। लोकशक्ति इसका आधार है और लोकनीति इसके क्रियान्वयन की मार्गदर्शिका है।

91. "धर्म आध्यात्मिक शक्ति में विश्वास है।" यह किसने कहा है?

(1) फ्रेजर (2) ई.बी.टायलर
(3) दुर्खीम (4) वेबर

व्याख्या *(2)* एडवर्ड टायलर के अनुसार, "धर्म आध्यात्मिक शक्ति में विश्वास है।" हॉबल के अनुसार, "धर्म अलौकिक शक्ति पर आधारित है जिसमें आत्मवाद और मानववाद दोनों सम्मिलित हैं। मैलिनोवास्की ने लिखा है, "धर्म क्रिया की एक विधि है और साथ ही विश्वासों की एक व्यवस्था भी धर्म एक समाजशास्त्रीय घटना के साथ-साथ एक व्यक्तिगत अनुभव भी है।"

92. "जाति एक बन्द वर्ग है।" यह किसका कथन है?

(1) एस.सी. दुबे का (2) टायलर का
(3) जी. एस. घुरिये का (4) इनमें से कोई नहीं

व्याख्या *(4)* मजूमदार एवं मदान के अनुसार, "जाति एक बंद वर्ग है।" इरावती कर्वे कहती हैं "जाति वस्तुतः एक विस्तृत नातेदारी समूह है। जे.एच. हट्टन के अनुसार, "जाति एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत कई-कई स्वकेन्द्रित एवं एक-दूसरे से पूर्णतः अलग इकाईयों में बँटा होता है। इन जातियों के मध्य पारस्परिक सम्बन्ध उच्चता एवं निम्नता पर आधारित सांस्कृतिक रूप से निर्धारित होता है।

93. 'भारत में विवाह एवं परिवार' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(1) मार्गन (2) एस. सी. दुबे
(3) कपाड़िया (4) मजूमदार

व्याख्या *(3)* के.एस. कपाड़िया की पुस्तकें निम्नलिखित हैं–
(i) मैरेज एण्ड फेमिली इन इण्डिया
(ii) हिन्दू किनसिप
एम. सी. दुबे की पुस्तकें निम्नलिखित हैं–
(i) इण्डियन विलेज
(ii) ह्यूमन एण्ड कल्चर
(iii) इण्डियाज चेन्जिंग विलेजर्स
(iv) द कमार

94. "जब एक वर्ग पूर्णतः आनुवंशिकता पर आधारित होता है तो हम उसे जाति कहते हैं।" यह परिभाषा किसने दिया है?

(1) मजूमदार (2) जे. एच. हट्टन
(3) बोगार्डस (4) सी. एच. कूले

व्याख्या *(4)* चार्ल्स कूले के शब्दों में, "जब एक वर्ग पूर्णतः आनुवंशिकता पर आधारित हो, तो हम उसे जाति कहते हैं।" हरबर्ट रिजले के अनुसार, "जाति परिवारों का समूह है, जिसका एक सामान्य नाम होता है तथा जो काल्पनिक पूर्वज से सामान्य वंश परम्परा का दावा करता है।"

95. "लघु समुदाय जन्म से मृत्यु तक का प्रबन्ध है।" यह किसने कहा है?

(1) बी. आर. चौहान (2) एस. सी. दुबे
(3) राबर्ट रेडफील्ड (4) मैकिम मैरिएट

व्याख्या *(3)* लघु समुदाय की अवधारणा का प्रतिपादन राबर्ट रेडफील्ड ने अपनी पुस्तक लिटिल कम्युनिटी में किया है। इन्होंने बताया है कि लघु समुदाय वह छोटा समुदाय है जिसमें सामुदायिक जीवन की अधिकतम विशेषताएँ पाई जाती हैं। इस सम्बन्ध में रेडफील्ड ने लघु समुदाय की चार (iv) सुदृढ़ता। सुदृढ़ता के सम्बन्ध में रेडफील्ड ने कहा है कि "लघु समुदाय पालने से श्मशान तक का प्रबन्ध है।

96. "संस्कृतिकरण' एवं 'ब्राह्मणीकरण' की अवधारणा किसने दी?

(1) श्रीनिवास शास्त्री (2) रवि शास्त्री
(3) एम. एन. श्रीनिवास (4) एस.पी. श्रीनिवास

व्याख्या *(3)* 'संस्कृतिकरण एवं ब्राह्मीकरण' की अवधारणा एम. एन. श्रीनिवास ने दी। श्रीनिवास ने सामाजिक गतिशीलता की प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए प्रारम्भ में 'ब्राह्मणीकरण' शब्द का प्रयोग किया। बाद में कुछ संशोधन करके इस शब्द के स्थान पर संस्कृतिकरण शब्द को स्वीकार किया गया।

97. 'अनुसूचित जाति' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम कब किया गया?

(1) 1940 में (2) 1935 में
(3) 1947 में (4) 1952 में

व्याख्या *(2)* 'अनुसूचित जाति' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम साइमन कमीशन द्वारा किया गया। इस शब्द का प्रयोग वर्ष 1927 में सर्वप्रथम किया गया। वर्ष 1935 के अधिनियम में इन्हें सूचीबद्ध किया गया तथा इन्हें अनुसूचित जाति नाम दिया गया।

98. निम्न में से दुर्बल वर्ग कौन नहीं है?

(1) अनुसूचित जाति (2) अनुसूचित जनजाति
(3) लघु-सीमान्त कृषक (4) औद्योगिक श्रमिक

व्याख्या *(3)* सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े कमजोर वर्ग हैं– अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिला तथा इसमें अल्पसंख्यकों को भी सम्मिलित किया गया है।

99. लोकसभा के कुछ 542 स्थानों में से कितने स्थान अनुसूचित जनजातियों के लिए सुरक्षित हैं?

(1) 40 (2) 41 (3) 43 (4) 42

व्याख्या *(2)* लोकसभा के कुल 542 स्थानों में से 41 स्थान अनुसूचित जनजातियों के लिए सुरक्षित हैं।

100. लोकसभा के कुल 542 स्थानों में से कितने स्थान अनुसूचित जातियों के लिए सुरक्षित हैं?

(1) 76 (2) 77 (3) 78 (4) 79

व्याख्या *(4)* लोकसभा के कुल 542 स्थानों में से 79 स्थान अनुसूचित जातियों के लिए सुरक्षित है।

101. सर्वप्रथम 'प्रभुजाति' की अवधारणा किसने विकसित की?

(1) एन. के. बोस (2) ए. बिताई
(3) एम.एन. श्रीनिवास (4) योगेन्द्र सिंह

व्याख्या *(3)* सर्वप्रथम 'प्रभुजाति' की अवधारणा एम.एन. श्रीनिवास ने विकसित की। श्रीनिवास कहते हैं कि "प्रभुजाति का कार्य केवल बहुत्पादी संस्कृति के संरक्षण होने तक सीमित नहीं था। वहीं निम्न जातियों में प्रभुजाति को अपनी प्रतिष्ठात्मक जीवन-शैली का अनुकरण करने की इच्छा भी जाती है।

102. निम्नलिखित में कौन-सी सहयोगी प्रक्रियाएँ हैं?

I. सहयोग II. संघर्ष
III. प्रतिस्पर्धा IV. अनुकूलन
V. सात्मीकरण

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(1) I, II एवं III (2) II एवं III
(3) I, IV एवं V (4) III, IV एवं V

व्याख्या *(3)* सामाजिक प्रक्रियाओं को मूलतः दो भागों में बाँटा गया है–

सहयोग सामाजिक प्रक्रिया	असहयोग सामाजिक प्रक्रिया
व्यवस्थापन	प्रतिस्पर्द्धा
सात्मीकरण	संघर्ष
सहयोग	विद्रोह
एकीकरण	विरोध

103. भारत में यजमानी-व्यवस्था का अध्ययन किया था

(1) मैकिम मैरिएट ने (2) डब्ल्यू.एच.वाइजर ने
(3) एस.सी.दुबे ने (4) डी.एन. मजूमदार ने

व्याख्या *(2)* सर्वप्रथम यजमानी प्रथा का उल्लेख 'विलियम वाइजर' ने उत्तर प्रदेश के 'करीमपुर' गाँव के अध्ययन में किया। विलियम वाइजर ने अपनी पुस्तक 'The hindu Jajmani system' में जजमानी प्रथा की परिभाषा दी है।

104. समुदाय के लिए 'गेमिनशैफ्ट' (Gemeinschaft) तथा समिति के लिए 'गेसेलशैफ्ट' (Gesselschaft) शब्दों का किसने प्रयोग किया?

(1) एफ. टॉनीज (2) आन्द्रे बेताई
(3) समनर (4) जार्ज सिमेल

व्याख्या *(1)* टॉनीज ने दो अवधारणाओं गेमिनशैफ्ट गेसेलशैफ्ट का प्रतिपादन किया। जिनके माध्यम से सामाजिक संगठन को समझा जाता है। गेसेलशैफ्ट के लिए समिति तथा गेमिनशैफ्ट के लिए समुदाय शब्द का प्रयोग किया गया है।

105. किस समाज-दार्शनिक ने समाजशास्त्र को 'सामाजिक भौतिकी' की संज्ञा दी है?

(1) सेण्ट सायमन (2) अगस्त कॉम्टे
(3) हीगल (4) स्पेन्सर

व्याख्या *(2)* 'समाजशास्त्र' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम ऑगस्त कॉम्टे ने सन् 1838 में किया, तब इसे उन्होंने 'SOCIOLOGIE' कहा था इसलिए ऑगस्त कॉम्टे को 'समाजशास्त्र' का पिता कहा जाता है। उन्होंने इस विषय की कल्पना फ्रांस की औद्योगिक क्रान्ति से उत्पन्न सामाजिक समस्याओं के अध्ययन के लिए की थी। कॉम्टे ने प्रारम्भ में इस विषय को 'Social physics कहा था।

106. "सामाजिक स्तरीकरण एक सृजनात्मक जरूरत (Functional Necessity) है।" यह किस विद्वान् से सम्बन्धित है?

(1) गर्हार्ड लेंस्की (2) आर. के. मर्टन
(3) किंग्स्ले डेविस (4) लुइस कोजर

व्याख्या *(3)* डेविस एवं मूरे के अनुसार, "सामाजिक स्तरीकरण समाज की जरूरतों की उपज है, न कि व्यक्तियों की जरूरतों की। रेमण्ड मूरे के अनुसार, "स्तरीकरण उच्चता तथा निम्नता के क्रम में समाज का क्षैतिज विभाजन है। पारसन्स के अनुसार, "किसी समाज व्यवस्था में व्यक्तियों का ऊँच और नीच क्रम विन्यास में विभाजन ही स्तरीकरण है।"

107. जजमानी व्यवस्था की क्या विशेषताएँ हैं?

(1) एक व्यक्ति दूसरे की सेवा करता है
(2) सम्बन्धों का विकास होता है
(3) सेवा के बदले वस्तु या सेवा प्राप्त करता है
(4) उपरोक्त सभी

व्याख्या *(4) जजमानी व्यवस्था की विशेषताएँ निम्न हैं–*
(i) पारस्परिक सम्बन्धों में स्थायित्व (ii) प्रत्यक्ष एवं पारिवारिक आधार पर सम्बन्ध (iii) पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तान्तरित व्यवस्था (iv) सेवाओं के बदले वस्तुएँ (v) गाँव वालों को शान्ति एवं सन्तोष (vi) जातीय व्यवस्था की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति।

108. सूची-I को सूची-II के साथ सही सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

सूची-I		सूची-II	
A.	आत्म दर्पण का सिद्धान्त (Theory of looking glass-self)	(i)	कूले (Cooley)
B.	'मैं' एवं 'मुझे' का सिद्धान्त (Theory of 'I' and 'Me')	(ii)	मीड (Mead)
C.	इद्, अहम, पराअहम (Id, Ego, Super-ego)	(iii)	मर्टन (Merton)
D.	अभौतिक संस्कृति (Non-material Culture)	(iv)	फ्रायड (Freud)
		(v)	आगबर्न

कूट

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	i	ii	iii	iv	(2)	i	ii	iv	v
(3)	i	ii	iii	v	(4)	i	ii	v	iv

व्याख्या *(2)* सही सुमेलन निम्नलिखित हैं–

सूची-I		सूची-II	
A.	आत्म दर्पण का सिद्धान्त	(i)	कूले
B.	'मैं' एवं 'मुझे' का सिद्धान्त	(ii)	मीड
C.	इद्, अहम, पराअहम	(iv)	फ्रायड
D.	अभौतिक संस्कृति	(v)	आगबर्न

109. सूची-I को सूची-II के साथ सही सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए

सूची-I (संकल्पना)		सूची-II (उदाहरण)	
A.	प्राथमिक समूह (Primary Group)	(i)	हम भारतीय
B.	द्वितीयक समूह (Secondary Group)	(ii)	अविभाजित हिन्दू परिवार
C.	सन्दर्भ समूह (Reference Group)	(iii)	एम. टी. एन. एल. श्रमिक संघ
D.	अन्तः समूह (In-Group)	(iv)	आप्रवासी विद्यार्थी की तुलना में अमेरिकी विद्यार्थी
		(v)	रोगी

कूट

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	ii	iii	i	v	(2)	iii	ii	iv	i
(3)	ii	iii	iv	i	(4)	iii	ii	i	v

व्याख्या *(3)* सही सुमेल निम्नलिखित हैं–

सूची-I (संकल्पना)		सूची-II (उदाहरण)	
A.	प्राथमिक समूह	(ii)	अविभाजित हिन्दू परिवार
B.	द्वितीयक समूह	(iii)	एम. टी. एन. एल. श्रमिक संघ
C.	सन्दर्भ समूह	(iv)	आप्रवासी विद्यार्थी की तुलना में अमेरिकी विद्यार्थी
D.	अन्तः समूह	(i)	हम भारतीय

110. गाँधीजी ने किस सिद्धान्त के द्वारा लोगों को अपनी सम्पत्ति का उपयोग सार्वजनिक हित में करने की प्रेरणा दी, उस सिद्धान्त का नाम है

(1) अस्तेय का सिद्धान्त
(2) संरक्षकता का सिद्धान्त
(3) स्वदेशी का सिद्धान्त
(4) सर्वोदय का सिद्धान्त

व्याख्या *(2)* गाँधी जी का विश्वास था कि आर्थिक समानता या धन के समान वितरण की समस्या की जड़ में संरक्षकता का सिद्धान्त होना चाहिए। वह वास्तव में समाज की धरोहर है और वे उसके संरक्षक हैं इसलिए वह धन जनकल्याण में ही खर्च होना चाहिए। यही संरक्षकता का सिद्धान्त है।

111. निम्न में से गलत कथन चुनिए

(1) प्रकार्य एक आंशिक क्रिया द्वारा उस सम्पूर्ण क्रिया को दिया जाने वाला योगदान है, जिसका कि वह एक भाग है।
(2) प्रकार्यवाद (Functionalism) एकता एक ऐसी दशा है, जिसमें समाज व्यवस्था के सभी अंग अलग-अलग कार्य करते हैं।
(3) प्रकार्य किसी भी इकाई का वह योगदान है जो सम्पूर्णता को बनाए रखने में उसके द्वारा दिया जाता है।
(4) प्रत्येक समाज व्यवस्था में एक प्रकार की एकता होती है, जिसे प्रकार्यात्मक एकता के नाम से पुकारते हैं।

व्याख्या *(2)* प्रकार्य का अर्थ ऐसी सामाजिक प्रक्रिया से लगाया जाता है, जो समाज के रख-रखाव में सहायक होती है। प्रकार्यवाद एक ऐसा दृष्टिकोण है जिसमें समाज को एक-दूसरे से सम्बद्ध निर्भर इकाईयों का योग माना जाता है। ये इकाइयाँ समाज को स्थिर व स्थाई बनाए रखने में सहायक होती हैं, यही इन इकाइयों का प्रकार्य है।

112. निम्न कारकों में से कौन राष्ट्रीय एकीकरण में बाधक है?

I. जातिवाद (Casteism)
II. सम्प्रदायवाद (Communalism)
III. क्षेत्रवाद (Regionalism)
IV. मद्यपान (Alcoholism)
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(1) I एवं II (2) II एवं III
(3) I, II एवं III (4) II, III एवं IV

व्याख्या *(3)* राष्ट्रीय एकीकरण में बाधक तत्त्व निम्न हैं– जातिवाद, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद एवं धार्मिक रूढ़िवादिता।

113. निम्न में किसका मिलान सही नहीं है?

(1) दुर्खीम – यान्त्रिक एवं सावयवी एकता
(2) कूले – स्काउट ग्रुप
(3) लेवीस्ट्रास – सामाजिक स्थैतिकी
(4) वीरकान्त – स्वरूपात्मक सम्प्रदाय

व्याख्या *(3)* सही मिलान निम्न हैं–
1. दुर्खीम – यान्त्रिक एवं सावयवी एकता
2. कूले – स्काउट ग्रुप
3. अगस्त कॉम्टे – सामाजिक स्थैतिकी
4. वीरकान्त – स्वरूपात्मक सम्प्रदाय

114. सेवा विवाह (Marriage by Service) का प्रचलन निम्न में से किस जनजाति में पाया जाता है?

(1) कूकी (2) थारू
(3) विरहोर (4) भोटिया

व्याख्या *(3)* प्रिचार्ड ने 241 जनजातियों का अध्ययन किया और उनमें से 30 सेवा विवाह की प्रथा सिद्ध हुई। कुछ जनजातियों में विवाह करने से पूर्व ही युवक को अपनी भावी ससुराल में रखकर सेवा प्रदान करनी पड़ती है। यह प्रथा भारत में गोंड, बैगा, विरहोर जनजातियों में प्रचलित है। हिमाचल प्रदेश के गुजरों और उत्तर प्रदेश की खस जनजातियों में भी यह विवाह प्रचलित है।

115. निम्नांकित में से अवधारणा तथा उसकी विशेषता को इंगित करने वाला कौन-सा जोड़ा गलत है?

(1) सहकष्टी (Cauvade)–गर्भकाल तथा प्रसव के समय पति द्वारा भी पत्नी के सभी कष्टों का प्रदर्शन करना होता है।
(2) मातुलेय (Avunculate)–उत्तराधिकारी में पति की सम्पत्ति प्राप्त करना।
(3) माध्यमिक सम्बोधन (Teknonymy)–सम्बन्धियों को पुकारने के लिए वास्तविक नाम का प्रयोग न करना।
(4) परिहार (Avoidance)–पति के बड़े भाई से दूरी रखना

व्याख्या *(2)* **सहकष्टी** – गर्भकाल तथा प्रसव के समय पति द्वारा भी पत्नी के सभी कष्टों का प्रदर्शन करना होता है।
मातुलेय– एक व्यक्ति का अपने मामा के साथ विशिष्ट सम्बन्ध पाया जाता है।
माध्यमिक सम्बोधन– सम्बन्धियों को पुकारने के लिए वास्तविक नाम प्रयोग न करके किसी भी माध्यम से पुकारा जाता है।
परिहार– पति के बड़े भाई से दूरी रखना।

116. आधुनिक समाज शासित है

(1) अभिसमयों द्वारा (2) विधि शासन द्वारा
(3) दैवी शक्ति द्वारा (4) भौतिक बल द्वारा

व्याख्या *(2)* आधुनिक समाज की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–
- उच्च प्रौद्योगिकी का प्रयोग
- महानगरों का विकास
- नौकरशाही संगठन
- शिक्षा एवं वैज्ञानिक चिन्तन का प्रसार
- पूँजीपतियों द्वारा अधिक मुनाफा कमाने की दृष्टि से भारी उत्पादन

117. एक पुरुषार्थ के रूप में 'अर्थ' से सम्बन्धित क्रियाओं में किस तत्त्व का होना आवश्यक माना गया है?

(1) सामूहिकता (2) आचरण की शुद्धता
(3) क्षमा भाव (4) ज्ञान का संचय

व्याख्या *(1)* पुरुषार्थ के चार प्रकार होते हैं–धर्म, अर्थ, काम:, मोक्ष। अर्थ का तात्पर्य उन सभी पदार्थों तथा साधनों से है जिनकी सहायता से व्यक्ति अपने विभिन्न सांसारिक दायित्वों को पूरा करता है। हमारे समाज में अर्थ की प्राप्ति एवं एक लक्ष्य न होकर लक्ष्य प्राप्ति का एक साधन मात्र है।

118. जब कोई पुरुष अपने या अपने से निम्न वर्ण की स्त्री से विवाह करता है तो उसे क्या कहते हैं?

(1) अनुलोम विवाह
(2) प्रतिलोम विवाह
(3) बहुपत्नी विवाह
(4) बहिर्विवाह

व्याख्या *(1)* **अनुलोम विवाह**–जब एक उच्च वर्ण, जाति, उपजाति, कुल एवं गोत्र के लड़के का विवाह एक निम्न वर्ण, जाति, उपजाति, कुल एवं गोत्र की लड़की से किया जाता है तो उसे अनुलोम विवाह कहते हैं।
प्रतिलोम विवाह–इस प्रकार के विवाह में लड़की उच्च वर्ण, जाति, उपजाति, कुल या वंश की तथा लड़का निम्न वर्ण, जाति, उपजाति, कुल या वंश का होता है।

119. 'प्रवर' का क्या तात्पर्य है?
(1) समान गोत्र
(2) जनजातियों में श्रेष्ठ
(3) वर चयन की प्रक्रिया
(4) समान पूर्वज एवं समान ऋषियों के नामों का उच्चारण करने वाले

व्याख्या *(4)* 'प्रवर' का अर्थ समान पूर्वज एवं समान ऋषियों के नामों का उच्चारण करने वाली एक रेखीय तथा सामान्यतः बहिर्विवाद समूह है। 'प्रवर' का तात्पर्य श्रेष्ठ से ही था। एक प्रवर के व्यक्ति अपने को सामान्य ऋषि पूर्वजों से संस्कारात्मक एवं आध्यात्मिक रूप से सम्बन्धित मानते हैं। अतः वे परस्पर विवाह नहीं करते।

120. मॉर्गन ने परिवार के उद्विकास के जो चरण बताए वे अवरोही क्रम में निम्नलिखित हैं
I. समरक्त परिवार
II. पुनालुअन परिवार
III. एक-विवाही परिवार
IV. सिण्डोस्मियन परिवार
V. पितृसत्तात्मक परिवार
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए
(1) I, II, IV, V, III (2) I, IV II, III, V
(3) I, III II, IV, V (4) V, IV III, II, I

व्याख्या *(1)* मॉर्गन ने परिवार के उद्विकास के निम्नांकित 5 स्तर माने हैं– (i) रक्त सम्बन्धी परिवार, (ii) समूह परिवार, (iii) सिण्डोस्मियन परिवार, (iv) पितृसत्तात्मक परिवार, (v) एकल विवाह परिवार। मॉर्गन के उपरोक्त वर्णन पाँच अवस्थाओं के एक समान रूप को प्रत्येक समाज के लिए स्वीकार करना कठिन है।

121. निम्न कथन में रिक्त स्थान की पूर्ति करने के लिए दिए गए विकल्पों में से कौन-सा विकल्प सही है? कथन : संस्कृतिकरण (Sanskritization) सामाजिक परिवर्तन की एक ..... प्रक्रिया है।
(1) औपचारिक
(2) आन्तरिक
(3) बाह्य
(4) आदर्शात्मक

व्याख्या *(2)* संस्कृतिकरण, सामाजिक परिवर्तन की एक आन्तरिक प्रक्रिया है, जिसमें केवल स्थैतिक परिवर्तन होता है।

122. 'मॉडर्नाइजेशन ऑफ इण्डियन ट्रेडीशन' पुस्तक के लेखक का नाम है
(1) एम. एन. श्रीनिवास (2) राबर्ट रेडफील्ड
(3) योगेन्द्र सिंह (4) एम. जे. लेवी

व्याख्या *(3)*

पुस्तक	लेखक
• मॉडर्नाइजेशन ऑफ इण्डियन ट्रेडीशन	– योगेन्द्र सिंह टेड्रिसन
• रास्ट इन मॉर्डन इण्डिया	– एम. एन. श्रीवास
• द रिमेम्बर्ड विलेज	
• द लिटिल कम्युनिटी	– रॉबर्ट रेडफील्ड

123. किसी समुदाय में जब एक बड़ी संख्या में लोग अवैध साधनों के द्वारा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयत्न करने लगते हैं, तब इस दशा को कहा जाता है
(1) सामाजिक विघटन (2) वैयक्तिक विघटन
(3) श्वेत वसन अपराध (4) सांस्कृतिक विघटन

व्याख्या *(1)* किसी समुदाय में जब एक बड़ी संख्या में लोग अवैध साधनों के द्वारा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयत्न करने लगते हैं, तब इस दशा को सामाजिक विघटन कहा जाता है। वर्ष 1927 में थॉमस और नैनिको ने किसी समूह के सदस्यों का नियन्त्रित करने वाले व्यवहारों की प्रभावहीनता को सामाजिक विघटन कहकर सम्बोधित किया था।

124. किसी व्यक्ति का अपराध प्रमाणित होने के बाद जब अपराधी को जेल में न भेजकर उसे अपने परिवार के साथ रहकर अच्छा आचरण करने का अवसर दिया जाता है, तब इस प्रणाली को कहा जाता है
(1) पैरोल (2) उत्तर-रक्षा
(3) परिवीक्षा (4) अपराधी सुधार

व्याख्या *(3)* इसमें व्यक्ति को सजा के बदले मुक्त कर दिया जाता है तथा यह अपेक्षा की जाती है कि व्यक्ति परिवीक्षा के समय अपना आचरण उत्तम रखेगा। सजा सुनाकर व्यक्ति को सशर्त छोड़ दिया जाता है।

125. श्वेत वसन अपराध की अवधारणा सर्वप्रथम प्रस्तुत करने वाले अपराधशास्त्री का नाम है
(1) एम. एन. श्रीनिवास
(2) हूटन
(3) लम्ब्रोसो
(4) सदरलैण्ड

व्याख्या *(4)* सदरलैण्ड ने अपराध को 'सामाजिक घटना' माना है। श्वेत वसन अपराधी की अवधारणा सर्वप्रथम सदरलैण्ड द्वारा दी गई है। इन्होंने 'निम्न वर्ग अपराधी' और 'श्वेत वसन अपराधी' की बात की है। इनके अनुसार श्वेत पोश अपराध वह अपराध है जो सामाजिक पद के व्यक्ति द्वारा सामान्यतः अपने व्यवसाय की आड़ में किया जाता है।

○○○

प्रस्थिति के अनुसार हुए विभाजन से है।

- सामाजिक स्तरीकरण से अभिप्राय उस प्रक्रिया से है जिसके अन्तर्गत व्यक्तियों के विभिन्न समूहों को प्रतिष्ठा, शक्ति, सम्पत्ति आदि की स्थिति के आधार पर उच्च से भिन्न श्रेणियों में पदानुक्रम रूप से स्तरीकृत करने का कार्य किया जाता है।
- कार्ल मार्क्स, मैक्स वेबर, पारसंस, रेमण्ड मुरे, रॉल्फ डाहरेन्डार्फ, आन्द्रे बेते आदि विचारकों ने सामाजिक स्तरीकरण सिद्धान्त की व्याख्या, विकास व प्रतिपादन विभिन्न आधारों पर किया है।
- सामाजिक स्तरीकरण की विशेषताओं में सार्वभौमिकता, कृत्रिमता, सामाजिक-सांस्कृतिक आधार, पदसोपान, असमान वितरण, समूहों व उपसमूहों की उपस्थिति आदि शामिल है।

4. एक वयस्क अपराधी और एक बाल अपराधी में भेद करने का आधार क्या है?

(1) बड़ा अपराध (2) दुराचरण
✓(3) आयु (4) गिरफ्तारी परवाना

व्याख्या *(3)* एक वयस्क अपराधी और एक बाल अपराधी में भेद करने का आधार 'आयु' को माना गया है।

- बाल अपराध अथवा किशोर अपराध से अभिप्राय उस स्थिति से है जब किसी बच्चे द्वारा समाज अथवा कानून विरोधी कार्य किया जाता है। कानूनी दृष्टिकोण से 8 वर्ष से अधिक एवं 16 वर्ष से कम आयु के बच्चे द्वारा किया गया कानून विरोधी कार्य बाल अपराध की श्रेणी में आता है तथा सम्बन्धित बालक को बाल न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।
- बाल न्याय अधिनियम, 1986 (संशोधित 2000) के अन्तर्गत बाल अपराध व उससे सम्बन्धित दण्ड एवं अन्य प्रावधानों का उल्लेख किया गया है।

5. एन. एसे. आन. दि प्रिंसिपल ऑफ पापुलेशन लिखने वाले विख्याता कौन है?

(1) ड्यूमा ✓(2) माल्थस
(3) फेटर (4) सैडलर

व्याख्या *(2)* 'एन एसे ऑन दि प्रिन्सिपल ऑफ पॉपुलेशन' नामक पुस्तक के लेखक माल्थस है।

- थॉमस रॉबर्ट माल्थस ने सर्वप्रथम व्यवस्थित रूप में जनसंख्या वृद्धि सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। माल्थस के अनुसार जनसंख्या वृद्धि एवं खाद्य सामग्री में असन्तुलन की स्थिति उत्पन्न होती है जिससे गरीबी, कुपोषण, बीमारियों आदि आती है। अतः सभी के विकास व समृद्धि हेतु जनसंख्या वृद्धि को नियन्त्रित करना आवश्यक है

समाजशास्त्र के वैज्ञानिक अध्ययन क्षेत्र के बौद्धिक मापदण्डों (Intellectual Paramenter) का निर्धारण किया है।

- पीटर. एल. बर्जर ने थॉमस ल्यूकमैन (Thomas Luckmann) के साथ मिलकर वर्ष 1966 में एक अन्य पुस्तक की रचना की जिसका नाम था। 'दि सोशल कन्स्ट्रक्शन ऑफ रियलिटी (The Social Consturction of Reality)'

7. प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग की अवधारणा किसने दी?

(1) ग्रीन (2) वेबर
✓(3) मैकाइवर (4) जॉनसन

व्याख्या *(3)* प्रत्यक्ष सहयोग एवं अप्रत्यक्ष सहयोग की अवधारणा का प्रतिपादन मैकाइवर एवं पेज द्वारा किया गया।

- प्रत्यक्ष सहयोग से तात्पर्य उस सहयोग से होता है जब दो-या-दो से अधिक व्यक्ति-या-व्यक्ति समूह किसी समान उद्देश्य की प्राप्ति के लिए समान रूप से कार्य करते है। उदाहरण के लिए निर्वाचन अवधि में प्रत्याशी को विजयी बनाने के लिए सामूहिक रूप से प्रचार करना आदि।
- इसी प्रकार अप्रत्यक्ष सहयोग से तात्पर्य उस सहयोग से होता है जब किस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए लोग अलग-अलग कार्य करके अपना सहयोग देते है। उदाहरण के लिए चिकित्सा व्यवस्था में डॉक्टर, नर्स, कर्मचारी आदि अपना सहयोग प्रदान कर स्वास्थ्य रूपी सामूहिक उद्देश्यों की पूर्ति करने में अपनी भूमिका निभाते है।
- प्रत्यक्ष सहयोग एवं अप्रत्यक्ष सहयोग के पीछे कई प्रकार के कारक कार्य करते है जिसमें लोकोपकार, स्वार्थपूर्ति, सामूहिक सुरक्षा, सामाजिक स्थायित्व, योग्यता सम्बन्धी सीमाएं आदि शामिल है।

8. 'समुदाय लघुत्तम प्रादेशिक समूह है जो सामाजिक जीवन के सभी पक्षों का आलिंगन करता है।' समुदाय की उक्त परिभाषा देने वाले है?

✓(1) डेविस (2) ग्रीन
(3) लुम्ले (4) सदरलैण्ड

व्याख्या *(1)* 'समुदाय लघुत्तम प्रादेशिक समूह है जो सामाजिक जीवन के सभी पक्षों का आलिंगन करता है।' समुदाय की यह परिभाषा डेविस द्वारा दी गई है। समाजशास्त्री डेविस समुदाय को सबसे छोटे प्रादेशिक समूह के रूप में वर्णित करते है जिसके अन्तर्गत सामाजिक जीवन के समस्त पहलू निहित होते है। समुदाय के अन्तर्गत ही व्यक्ति अपना अधिकांश सामाजिक जीवन व्यतीत करता है, यही सामाजिक पूर्णता (Social Completeness) होती है।

- समुदाय की विशेषताओं में व्यक्तियों का समूह, सामान्य जीवन, सामान्य नियम, विशिष्ट नाम, स्थायित्व, स्वतः जन्म, निश्चित भौगोलिक क्षेत्र, अनिवार्य सदस्यता, सामुदायिक भावना, आत्मनिर्भरता आदि शामिल है।

9. निम्नलिखित में किसने आत्महत्या के प्रकारों का वर्णन किया है?

√(1) दुर्खीम (2) काम्ट (3) मॉर्क्स (4) वेबर

व्याख्या *(1)* 'आत्महत्या के प्रकारों' का वर्णन। दुर्खीम द्वारा किया गया है।

- दुर्खीम ने अपनी पुस्तक 'आत्महत्या' (The Suicide, 1897) में आत्महत्या के सामाजिक सिद्धान्त का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया है।
- दुर्खीम ने आत्महत्या को एक सामाजिक घटना माना है। दुर्खीम ने आत्महत्या के आँकड़ों का सांख्यकीय विश्लेषण करके आत्महत्या को तीन श्रेणियों में विभाजित किया है। जिसमें शामिल है-

(i) अहंवादी आत्महत्या, (ii) परार्थवादी आत्महत्या, (iii) अस्वाभाविक आत्महत्या।

10. गीता में वर्णित कर्म के तीन प्रकारों में निम्नलिखित में से कौन-सा नहीं है?

(1) सात्विक कर्म (2) राजसिक कर्म

√(3) मानसिक कर्म (4) तामसिक कर्म

व्याख्या *(3)* गीता में सात्विक कर्म, राजसिक कर्म एवं तामसिक कर्म का वर्णन किया गया है किन्तु इसमें मानसिक कर्म का वर्णन नहीं किया गया है।

- गीता निष्काम कर्म पर बल देती है। कर्म कामनाओं से परिचालित नहीं होने चाहिए अपितु कर्म की प्रक्रिया उद्देश्य से प्रेरित होनी चाहिए।

11. निम्नलिखित में से सर्वप्रथम 'सामाजिक नियन्त्रण' शब्द का प्रयोग किसने किया?

(1) मैकाइवर √(2) ई.ए.रास (3) लूम्ले (4) समनर

व्याख्या *(2)* सर्वप्रथम 'सामाजिक नियन्त्रण' शब्द का प्रयोग ई.एस.रॉस द्वारा किया गया।

- ई.एस. रॉस एक अमेरिकी समाजशास्त्री है। ई.एस.रॉस ने अपनी पुस्तक सोशल कन्ट्रोल (Social Control, 1901) में सामाजिक नियन्त्रण की अवधारणा की विस्तृत व्याख्या की है।
- सामाजिक नियन्त्रण के अन्तर्गत ई.एस. रॉस ने धर्म, विश्वास, जनमत, नैतिकता, कानून, शिक्षा, रीति-रिवाज आदि भूमिकाओं को शामिल किया है।
- सामाजिक नियन्त्रण से अभिप्राय सम्पूर्ण समाज की व्यवस्था के नियमों से लिया जाता है। सामाजिक नियन्त्रण का उद्देश्य सामाजिक आदर्शों एवं उद्देश्यों की प्राप्ति करना है।
- ई.एस.रॉस ने सामाजिक नियन्त्रण को परिभाषित करते हुए कहा है कि सामाजिक नियन्त्रण से अभिप्राय उन तमाम व्यक्तियों से है, जिसके द्वारा समुदाय व्यक्तियों को अपने अनुसार ढालता है।'
- सामाजिक नियन्त्रण के उद्देश्यों में समाज में सुख एवं शान्ति स्थापित करना, सामाजिक व्यवहार में समानता लाना, व्यवहारों को नियन्त्रण करना, सुरक्षा प्रदान करना, एकता एवं गतिशीलता लाना, विचारों एवं कार्यों में सन्तुलन स्थापित करना आदि है।

12. हिन्दू विवाह के निम्नलिखित प्रकारों में से कौन-सा प्रकार प्रशस्त कोटि का विवाह नहीं कहा गया है?

(1) ब्रह्म (2) देव √(3) गन्धर्व (4) आर्ष

व्याख्या *(3)* हिन्दू विवाह के आठ प्रकारों का वर्णन शास्त्रों में किया गया है। इनमें शामिल है- ब्रह्म विवाह, देव विवाह, आर्ष विवाह, प्रजापत्य विवाह, असुर विवाह, राक्षस विवाह, गन्धर्व विवाह, पैशाच विवाह।

- गन्धर्व विवाह प्रशस्त कोटि का विवाह नहीं कहा जाता है।
- हिन्दू धर्म शास्त्रों में ब्रह्म, देव, आर्ष, प्रजापत्य विवाह को श्रेष्ठ विवाह की श्रेणी में तथा असुर, राक्षस, गन्धर्व, पैशाच विवाह को निकृष्ट श्रेणी का बताया गया है।

13. 'पापुलेशन बॉम्ब पुस्तक के लेखक कौन है?

√(1) पाल एहरलिच (2) कार्ल मार्क्स

(3) माल्थस (4) डी.ह्यूमा

व्याख्या *(1)* 'दि पापुलेशसन बॉम्ब' (The population Bomb) नामक पुस्तक के लेखक पॉल आर एहरलिच है। इस पुस्तक का प्रथम प्रकाशन वर्ष 1968 में हुआ था।

- पॉल आर. एहरलिच अमेरिका जीव विज्ञानी है। इन्होंने जनसंख्या वृद्धि दर सीमित संसाधनों के परिणाम सम्बन्धित चेतावनी व भविष्यवाणी के सम्बन्ध में जाना जाता है।

14. किसने नगरवाद की चार विशेषताओं का उल्लेख किया है

(i) स्थायित्व (ii) सतहीपन

(iii) गुमनामी (iv) व्यक्तिवाद

√(1) लुईस वर्थ (2) सी.मार्शल

(3) एलीन रॉस (4) मैक्स वेबर

व्याख्या *(1)* नगरवाद की चार विशेषताओं का उल्लेख लुईस वर्थ (Louis Wirth) द्वारा किया गया है।

- लुईस वर्थ (लुई वर्थ) ने अपनी पुस्तक 'नगरवाद' एक जीवन पद्धति के रूप में (1938) में वर्णित किया है कि शहर में रहना व्यक्ति के जीवन एवं उसके व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। लुई वर्थ के अनुसार शहरों का प्रभाव शहर से अधिक होता है अर्थात् शहर अपने साथ-साथ अपने आस-पास के गांवों व समुदायों को भी प्रभावित करता है।
- नगरवाद से सम्बन्धित समाजशास्त्रीय चिन्तकों का मानना है कि नगरों का विकास कोई अचानक से होने वाली कि नगरों का विकास कोई अचानक से होने वाली घटना नहीं है अपितु नगरीय विकास का सीधा सम्बन्ध भौतिक वातावरण से होता है। नगरीय विकास सामान्य रूप से नदी-घाटी, उपजाऊ समतल क्षेत्रों यातायात सुविधा से सम्पन्न क्षेत्रों में होता था।

15. किसने सामाजिक समूहों को चार श्रेणियों में विभाजित किया है?

(i) सांख्यिकीय
(ii) सहयोगी समूह
(iii) सामाजिक समूह
(iv) सीमित सम्बन्धी समूह

(1) के. डेविस (2) आर. वीरस्टीड
(3) एच. एम. जॉनसन (4) मैकाइवर एवं पेज

व्याख्या *(2)* आर. वीरस्टीड ने सामाजिक समूहों को चार श्रेणियों में विभाजित किया है।

- सामाजिक समूह के तात्पर्य व्यक्तियों के उस योगात्मक समूह से है जो नियमित रूप मे एक-दूसरे योगात्मक समूह से है। जो नियमित रूप से एक-दूसरे के साथ अन्त क्रिया करते है। ऐमोरी बोगार्डस ने सामाजिक समूह की विस्तृत व्याख्या के अन्तर्गत संस्कृति, परिवार, समुदाय, व्यवसाय, खेलकूद, शिक्षा, धर्म, प्रजाति आदि के सम्मिलित किया है।
- सामाजिक समूह की विशेषताओं में शामिल है:- एक से अधिक सदस्यों की बहुलता, सम्पर्क एवं अन्त: क्रिया, पारस्परिक चेतना, व्यक्तियों द्वारा स्वयं को एक इकाई समझने की भावना, समान लक्ष्य, समान मानदण्ड, समान मूल्य आदि।

16. 1877 में प्रकाशित पुस्तक 'प्रिंसिपल्स ऑफ सोशियोलॉजी' समाजशास्त्रीय विश्लेषण का प्रथम विस्तृत व्यवस्थित अध्ययन था। यह पुस्तक किसने लिखी?

(1) आगस्त काम्ट (2) ई. दुर्खीम
(3) मैक्स वेबर (4) हर्बर्ट स्पेन्सर

व्याख्या *(4)* दि प्रिन्सिपल ऑफ सोशियोलॉजी (The Principal of Sociology) नामक पुस्तक की रचना हर्बर्ट स्पेन्सर द्वारा वर्ष 1876-77 में की गई।

- इस पुस्तक में हर्बर्ट स्पेन्सर ने समाजशास्त्रीय विश्लेषण का प्रथम विस्तृत व्यवस्थित अध्ययन प्रस्तुत किया था।
- हर्बर्ट स्पेन्सर ने समाजशास्त्र को समाज के विज्ञान के रूप में स्थापित करने की दिशा में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।
- हर्बर्ट स्पेन्सर की प्रमुख कृतियों में सोशल स्टैटिक्स, दि स्टडी ऑफ सोशियोलॉजी, दि प्रिन्सिपल ऑफ सोशियोलॉजी, प्रिन्सिपल ऑफ एथिक्स आदि शामिल हैं स्पेन्सर के अनुसार सभी कालावधियों के सामाजिक विकास एक सरल समान अथवा समरूप संरचना से एक जटिल, विषम अथवा बहुरूपी संरचना की ओर अग्रसित होता है। स्पेन्सर ने यह मत भी दिया कि 'जितना ही अधिक समूह या जीव विकसित होता है उतनी ही कम उसकी जन्म दर होती है। स्पेन्सर ने व्यक्ति की स्वतन्त्रता का प्रबल समर्थन किया।

17. निम्नलिखित में सामाजिक नियन्त्रण का औपचारिक अभिकरण कौन है?

(1) जनरीतियाँ (2) परम्पराएं
(3) राज्य (4) सामाजिक मय

व्याख्या *(3)* राज्य, सामाजिक नियन्त्रण का औपचारिक अभिकरण है।

- सामाजिक नियन्त्रण से अभिप्राय उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा व्यक्ति व समूहों के सम्बन्धों, आचार-व्यवहार आदि को निर्देशित, व्यवस्थित व नियन्त्रित किया जाता है।
- सामाजिक नियन्त्रण सामाजिक व्यवस्था व सामाजिक कार्यों के संचालन को सुचारू बनाता है। सामाजिक नियन्त्रण को सामाजिक स्वीकृति, सहयोग प्राप्त होता है। सामाजिक नियन्त्रण परम्पराओं, संस्कृति की रक्षा करने में सहायक की भूमिका निभाता है। यह व्यक्ति के व्यवहार पर नियन्त्रण लगाता है तथा समूह में एकता लाने का कार्य भी करता है।

18. सूची -I में दी गयी मदों को सूची-II में दी गयी मदों से मिलाइए

सूची -I (गांवों का अध्ययन)		सूची-II (विद्वान)	
A.	श्रीपुरम	(i)	एस.सी. दुबे
B.	रामपुरा	(ii)	मैकिम मैरिएट
C.	शमीरपेट	(iii)	एम.एन. श्रीनिवास
D.	किशनगढ़ी	(iv)	ए. बेतेइ

कूट:

	A	B	C	D
(1)	(iv)	(iii)	(iii)	(i)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

	A	B	C	D
(2)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

व्याख्या *(3)*

सूची -I (गांवों का अध्ययन)		सूची-II (विद्वान)	
A.	श्रीपुरम	(i)	ए. बेतेई
B.	रामपुरा	(ii)	एम.एन. श्रीनिवास
C.	शमीरपेट	(iii)	एस.सी. दुबे
D.	किशनगढ़ी	(iv)	मैकिम मैरिएट

19. 'दहेज निरोधक अधिनियम' किस वर्ष पारित हुआ था?

(1) 1956 (2) 1961 (3) 1954 (4) 1957

व्याख्या *(2)* दहेज निरोधक अधिनियम वर्ष 1961 में पारित हुआ था।

- दहेज लेने या देने पर रोक लगाने हेतु भारतीय संसद द्वारा 20 मई, 1961 को 'दहेज निरोधक अधिनियम 1961' पारित किया गया। इस अधिनियम को 1 जुलाई, 1961 को सम्पूर्ण भारत में लागू किया गया।
- दहेज से अभिप्राय विवाह के समय वधु पक्ष द्वारा वर पक्ष को नकद, गहने या अन्य वस्तुओं द्वारा किया जाने वाला भुगतान से होता है।

20. सूची -I को सूची-II से मिलान कीजिए तथा नीचे दिये गये कूट के अनुसार अपने उत्तर का चुनाव कीजिए।

सूची -I		सूची-II	
A.	जैनिशैफ्ट एवं जैसिलशैफ्ट	(i)	एफ टॉनीज
B.	सांस्कृतिक विलम्बन	(ii)	दुर्खीम
C.	आत्महत्या	(iii)	बी.पेरेटो
D.	अभिजात्य वर्ग के परिभ्रमण का सिद्धान्त	(iv)	ऑगबर्न

कूट:

	A	B	C	D
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

	A	B	C	D
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

व्याख्या *(3)* ✓

सूची -I		सूची-II	
A.	जेनिशैफ्ट एवं जेसिलशैफ्ट	(i)	एफ टॉनीज
B.	सांस्कृतिक विलम्बन	(ii)	ऑगबर्न
C.	आत्महत्या	(iii)	दुर्खीम
D.	अभिजात्य वर्ग के परिभ्रमण का सिद्धान्त	(iv)	बी.पेरेटो

21. 'द एलीमेंटरी फार्म्स ऑफ रिलीजस लाइफ' नामक पुस्तक किसने लिखी?

✓(1) दुर्खीम (2) स्पेंसर
(3) टायलर (4) मैक्स मुल्लर

व्याख्या *(1)* द एलीमेंटरी फार्म्स ऑफ रिलीजस लाइफ (The Elemantry form of the Rileigous Life) नामक पुस्तक में दुर्खीम ने धर्म को एक सामाजिक घटना के रूप में विश्लेषित किया है। दुर्खीम साम्प्रदायिक जीवन द्वारा प्राप्त होने वाली भावनात्मक सुरक्षा को धर्म के विकास का श्रेय प्रदान करता है।

- दुर्खीम के अनुसार धर्म उन विश्वासों का प्रतीक है जो व्यक्ति के नैतिक ब्रह्माण्ड (Moral Universe) को आकार प्रदान करता है।

22. 'पॉवर इलीट' की अवधारणा किसने दी?

(1) मैक्स वेबर (2) कार्ल मॉर्क्स
✓(3) सी. डब्ल्यू. मिल्स (4) आर.के. मर्टन

व्याख्या *(3)* 'पॉवर इलीट' की अवधारणा सी.डब्ल्यू. मिल्स द्वारा प्रतिपादित किया गया है। इस पुस्तक का प्रकाशन वर्ष 1956 में किया गया। सी.राइट मिल्स एक अमेरिकी समाजशास्त्री थे।

- सी. राइट मिल्स ने सामाजिक असमानता, अभिजात वर्ग की शक्ति, अभिजात वर्ग द्वारा समाज नियन्त्रण, मध्यम वर्गों में कमी व्यक्ति व समाज के मध्य सम्बन्ध आदि का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया।
- सी. राइट मिल्स ने इस पुस्तक में द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् सैन्य, औद्योगिक/कॉर्पोरेट एवं सरकारी अभिजात वर्गों के निर्माण के विषय में विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत की है।

23. भारतीय कृषक वर्ग का वर्गीकरण 'मालिक, किसान एवं मजदूर के रूप में किसने किया?

(1) रेडफील्ड
(2) फ्रोबर
(3) एम.एन. श्रीनिवास
✓(4) डैनियन थार्नर

व्याख्या *(4)* भारतीय कृषक वर्ग का वर्गीकरण 'मालिक, किसान एवं मजदूर के रूप में डैनियल थार्नर ने किया था।

- डैनियल थार्नर एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री है, जिन्होंने भारतीय कृषक समाज को सामाजिक वर्गों की एक व्यवस्था के अन्तर्गत श्रेणीकृत करने का प्रयास किया है।

24. 'जनसंख्या ज्यामितीय अनुपात में बढ़ती है। जीवन निर्वाह सामग्री गणितीय अनुपात में बढ़ती है। ऐसा किसने कहा है?

✓(1) माल्थस (2) फ्लामड (3) के. डेविस (4) मैकाइवर

व्याख्या *(1)* 'जनसंख्या ज्यामितीय अनुपात में बढ़ती है एवं जीवन निर्वाह सामग्री में गणितीय अनुपात में वृद्धि होती है।' यह कथन माल्थस द्वारा कहा गया है।

- माल्थस ने जनसंख्या सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। माल्थस ने कहा कि मानव में जनसंख्या वृद्धि की क्षमता अत्यधिक होती है जबकि इसके पृथ्वी में मानव जीविकोपार्जन के साधन जुटाने की क्षमता उससे कम है। माल्थस ने संसाधन शब्द के स्थान पर जीविकोपार्जन शब्द का उपयोग किया है।
- माल्थस ब्रिटिश अर्थशास्त्री थे। उन्होंने 'दि प्रिन्सिपल ऑफ पॉपुलेशन' नामक पुस्तक की रचना की थी।

25. 'जाति एक बन्द वर्ग है।' इस कथन से कौन सम्बन्धित है।

(1) जी. एस घुर्ये ✓(2) केतकर ✗
(3) पार्सन्स ✓(4) मजूमदार

व्याख्या *(2)* 'जाति एक बन्द वर्ग है।' इस कथन का सम्बन्ध मजूमदार से है।

- डी.एन. मजूमदार एक भारतीय सांस्कृतिक नृविज्ञानी है। इन्होंने कहा कि भारत में उपस्थित जाति व्यवस्था के अन्तर्गत जाति बदलना का अपनी जाति से दूसरी जाति में जाना सम्भव नहीं है। यह जाति व्यवस्था एक बन्द वर्ग के समान है।
- डी.एन. मजूमदार (धीरेन्द्र नाथ मजूमदार) ने उत्तर प्रदेश ने नृवंश विज्ञान एवं लोक-सांस्कृतिक सोसायटी की स्थापना भी की थी।

26. 'दि हरिजन एलीट' नामक पुस्तक किसने लिखी ?

✓(1) सच्चिदानन्द (2) आन्द्रे बेतेइ
(3) सी. पार्वथम्मा (4) टी.एन. मदन

व्याख्या *(1)* 'दि हरिजन एलीट' नामक पुस्तक के लेखक सच्चिदानन्द है। इस पुस्तक का प्रकाशन वर्ष 1977 में किया गया।

27. 'संस्कृतिकरण' की अवधारणा किसने प्रस्तुत की?

(1) जी.एस. घुर्ये ✓(2) एम.एन. श्रीनिवास
(3) योगेन्द्र सिंह (4) ए. आर. देसाई

व्याख्या *(2)* संसकृतिकरण की अवधारणा एम.एन. श्रीनिवास द्वारा प्रतिपादित की गई है।

- एम.एन. श्रीनिवास के अनुसार 'संस्कृतिकरण से अभिप्राय उस प्रक्रिया से है जिसके अन्तर्गत समाज में निम्न कही जाने वाली जातियाँ उच्च वर्ग अथवा द्विज जाति का अनुकरण करते हुए अपने रीति-रिवाजों, संस्कारों, विचारधारा, रहन-सहन की अपनी पद्धति में परिवर्तन करते है।
- एम.एन. श्रीनिवास (मैसूर नरसिंहाकचार श्रीनिवासी) भारत के सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री है। इन्होंने दक्षिण भारत की जाति प्रथा, जाति, सामाजिक स्तरीकरण, सांस्कृतिकरण व पश्चिमीकरण पर कार्य किया है। भारत सरकार द्वारा इन्हें पदम भूषण से सम्मानित किया गया है।

28. किस भारतीय विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र का अध्ययन सर्वप्रथम प्रारम्भ हुआ था?

(1) बम्बई ✓ (2) उस्मानिया
(3) मैसूर (4) लखनऊ

व्याख्या *(1)* बम्बई विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र का अध्ययन सर्वप्रथम प्रारम्भ किया गया था।

- भारत में समाजशास्त्र का जनक जी.एस. धुर्ये को माना जाता है। जी.एस. धुर्ये बम्बई विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के प्रथम भारतीय अध्यापक थे।
- भारत में समाजशास्त्र के औपचारिक अध्ययन का आरम्भ वर्ष 1919 में बम्बई विश्वविद्यालय में नागरिक शास्त्र के साथ संयुक्त विभाग स्थापित करके किया गया। इसके पश्चात् लखनऊ विश्वविद्यालय (1921), पुणे विश्वविद्यालय (1938) में समाजशास्त्र अध्ययन आरम्भ किया गया।
- भारत की प्रथम 'इण्डियन सोशियोलॉजी सोसायटी' की स्थापना वर्ष 1952 में जी.एस.धुर्ये के प्रयास स्वरूप हुई।

29. 'हिन्दू सोशल आर्गनाइजेशन' पुस्तक के लेखक है

(1) आर.के. मुखर्जी ✓ (2) पी. एच. प्रभु
(3) एम.एन. श्रीनिवास (4) के.एम. कपाड़िया

व्याख्या *(2)* 'हिन्दू सोशल आर्गनाइजेशन' पुस्तक के लेखक पी.एच. प्रभु है।

30. निम्नलिखित पुस्तकों में से जी.एस. धुर्ये द्वारा लिखित पुस्तक कौन-सी है।

(1) कास्ट इन इण्डिया
✓ (2) कास्ट, क्लास एण्ड आक्युपेशन
(3) हिस्ट्री ऑफ कास्ट इन इण्डिया
(4) ओरिजन एण्ड ग्रोथ ऑफ कास्ट इन इण्डिया

व्याख्या *(2)* जी.एस धुर्ये द्वारा लिखित पुस्तक का नाम है- 'कास्ट, क्लास एण्ड आक्युपेशन (Caste, Class and Occupation)। इस पुस्तक में जी.एस. धुर्ये ने जाति प्रथा की उत्पत्ति, विकास, स्वरूप, व्यवसाय एवं वर्ग व्यवसाय, जाति एवं जाति प्रथा के भविष्य का विश्लेषण ऐतिहासिक तुलनात्मक पद्धति के माध्यम से लिया है।

- कास्ट इन इण्डिया के लेखक भीमराव अम्बेडकर, हिस्ट्री ऑफ कास्ट इन इण्डिया के लेखक श्रीधर व्यंकटेश केतकर एवं ऑरिजन एण्ड ग्रोथ ऑफ कास्ट इन इण्डिया के लेखक नृपेन्द्र कुमार दत्त है।

31. कॉम्टे के मानव विकास के त्रि-स्तरीय नियम के अनुसार, निम्नलिखित में से सही अनुक्रम कौन-सा है?

(1) प्रत्यक्षवादी - धार्मिक - तात्विक
(2) धार्मिक - प्रत्यक्षवादी - सात्विक
(3) तात्विक - धार्मिक - प्रत्यक्षवादी
✓ (4) धार्मिक - तात्विक - प्रत्यक्षवादी

व्याख्या *(4)* कॉम्टे के मानव विकास के त्रि-स्तरीय नियम के अनुसार सही अनुक्रम इस प्रकार है- धार्मिक - तात्विक - प्रत्यक्षवादी

- आगस्ट कॉम्टे का मानव विकास का त्रि-स्तरीय नियम मानव मस्तिष्क एवं सामाजिक संगठन के विकास की तीन अवस्थाओं का वर्णन करता है। कॉम्टे के अनुसार-
  (i) प्रेतवाद, (ii) बहुदेवतावाद (iii) एकेश्वरवाद
  (ii) तात्विक अवस्था धार्मिक एवं प्रत्यक्षवाद के मध्य की अवस्था है। इस सामाजिक विकास की भावनात्मक अथवा अमूर्त अवस्था के नाम से भी जाना जाता है। इस अवस्था में मनुष्य का मस्तिष्क विकसित हो जाता है। इस अवस्था में मस्तिष्क यह मान लेता है कि अलौकिक शक्तियों की अपेक्षा अमूर्त शक्तियाँ यर्थाथ सत्ता, जीवों एवं समस्त घटनास्थल को उत्पन्न करती है।
  (iii) प्रत्यक्षवादी अवस्था में मानव वस्तु को उसी रूप में देखता है जिस रूप में वह है। इसे कॉम्टे ने वैज्ञानिक चिन्तन का नाम दिया। इस अवस्था में मानव मस्तिष्क पूर्णतः विकसित हो जाता है।
- आगस्ट कॉम्टे ने मानव विकास का त्रि-स्तरीय नियम अपनी कृति 'चिन्तन का त्रि-स्तरीय नियम' के अन्तर्गत दिया है।

32. 'यूफंक्शन' और डिस्फंशन' की अवधारणाओं को किसने प्रस्तुत किया?

(1) टी. पारसन्स (2) बी.मैलिनास्की
(3) सी.डब्ल्यू. मिल्स ✓ (4) मैरियन जे.लेवी

व्याख्या *(4)* मैरियन जोसेफ लेवी जूनियर अमेरिकी समाजशास्त्री थे। इन्होंने आधुनिकीकरण सिद्धान्त पर अत्यधिक कार्य किया। इन्होंने समाजशास्त्र के अन्तर्गत संरचनात्मक-कार्यात्मकता पर बल दिया।

- मैरियन जे.लेवी की पुस्तकों में मॉर्डनाइजेशन एण्ड दि स्ट्रक्चर ऑफ सोसाइटी, दि स्ट्रक्चर ऑफ सोसाइटी, दि फैमिली रेवोल्यूशन इन मॉर्डन चाइना, मैटरनल इन्फ्लूऐन्स : दि सर्च फॉर सोशल यूनिवर्स आदि शामिल है।

33. निम्नलिखित में से कौन सहगामी प्रक्रिया नहीं है?

(1) सहयोग ✓ (2) प्रतिकूलता
(3) सात्मीकरण (4) समायोजन

व्याख्या *(2)* प्रतिकूलता सहगामी प्रक्रिया नहीं है। सहगामी प्रक्रियाओं में सहयोग समायोजन आत्मीकरण शामिल है।

- पाठ्य सहगामी प्रक्रियाएं विद्यार्थियों के चहुँमुखी विकास में सहायक होती है। यह विद्यार्थियों में सहयोग, सह-अस्तित्व, स्वशासन की भावना का विकास करती है। इससे विद्यार्थी सकारात्मक, सृजनात्मक कार्यों की तरफ अग्रसर होते है।

34. 'किनशिप ऑर्गनाइजेशन इन इण्डिया' शीर्षक पुस्तक के लेखक कौन है?

✓ (1) इरावती कर्वे (2) के.एम. कपाड़िया
(3) कौलेण्डा (4) एस.सी. दुबे

व्याख्या *(1)* 'किनशिप ऑर्गनाइजेशन इन इण्डिया' नामक पुस्तक की रचना इरावती कर्वे द्वारा की गई है।

- इरावती कर्वे भारत की प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री, लेखिका व नृवैज्ञानिक थी। इरावती कर्वे ने पुणे विश्वविद्यालय में नृविज्ञान विभाग की स्थापना की तथा वर्ष 1947 में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के नृविज्ञान विभाग की अध्यक्षता थी
- इरावती कर्वे की प्रसिद्ध पुस्तकों में 'किनशिप ऑर्गनाइजेशन इन इण्डिया', 'हिन्दू सोसायटी ए इन्टरप्रिटेशन', 'युगान्त' जैसी रचनाएं शामिल है।
- इरावती कर्वे जी.एस. घुर्ये की शिष्या थी।

35. 'समाजशास्त्र सामाजिक सम्बन्धों के विषय में है'- यह कथन किसका है?

√(1) मैकाइवर एवं पेज (2) गिलिन एवं गिलिन
(3) एफ.एच. गिडिंग्स (4) इ. दुर्खीम

व्याख्या *(1)* 'समाजशास्त्र सामाजिक सम्बन्धों के विषय में है।' यह कथन मैकाइवर एवं पेज का है।

- मैकाइवर एवं पेज ने कहा है कि जिसे हम समाज कहते है वह रीतियों, कार्यप्रणालियों, अधिसत्ता, समुदायों, समूहों, सहयोग, विभाजन से मिलकर बनी मानव व्यवहार को नियन्त्रित करने वाली एक स्वतन्त्र संस्था है। इस समाज रूपी संस्था में सामाजिक सम्बन्ध स्वतन्त्र नहीं अपितु एक-दूसरे से एक जाल की क्रांति उलझे व जुड़े रहते है और सम्बन्धों का यह जाल निरन्तर परिवर्तनशील रहता है।
- सामाजिक सम्बन्धों का यह जाल व्यक्ति-व्यक्ति के मध्य, व्यक्ति-समाज के मध्य, समाज-समाज के मध्य स्थापित होता है।

36. 'प्रत्यक्षवाद' की अवधारणा निम्नलिखित में से किसके द्वारा प्रतिपादित की गयी?

(1) कार्ल मॉर्क्स (2) सी. एच. कूले
√(3) आगस्त काम्टे (4) इमाइल दुर्खीम

व्याख्या *(3)* प्रत्यक्षवाद की अवधारणा का प्रणेता ऑगस्त काम्टे को माना जाता है।

- प्रत्यक्षवाद से अभिप्राय है 'किसी की घटना का प्रत्यक्षण या प्रत्यक्ष रूप से निरीक्षण करके उचित निष्कर्ष निकालना।
- आगस्त काम्टे ने सर्वप्रथम अपनी कृति 'कोर्स ऑफ पॉजिटिव फिलॉस्फी' (Course of Positive Philiosophy) एवं 'दि सिस्टम ऑफ पॉजिटिव पॉलिटी (The System of Positive Polity) में प्रत्यक्षवाद की अवधारणा को व्याख्यायित किया।
- ऑगस्ट काम्टे का मानना था कि इन्द्रीय ज्ञान से परे कुछ भी वास्तविक नहीं होता है। अवलोकन, विश्लेषण, वर्गीकरण एवं परीक्षण द्वारा संग्रहीत सामाजिक तथ्यों के द्वारा वास्तविक व यर्थाथ ज्ञान प्राप्त होता है।

37. सैक्रेड और प्रोफेन (पवित्र और अपवित्र) की अवधारणा किसने दी?

(1) स्पेंसर
(2) वेबर
(3) सोरोकिन
√(4) दुर्खीम

व्याख्या *(4)* सैक्रेड और प्रोफेन (पवित्र और अपवित्र) की अवधारणा इमाइल दुर्खीम द्वारा प्रतिपादित की गई है।

- दुर्खीम एक फ्रांसीसी समाजशास्त्री थे। दुर्खीम ने कहा कि 'सामाजिक तथ्य ही समाजशास्त्र की विषयवस्तु होते है।
- दुर्खीम ने अपनी सैक्रेड और प्रोफेन (पवित्र और अपवित्र) अवधारणा के अन्तर्गत 'पवित्र' को समूह के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला माना है जो समूह की एकतासमूह के पवित्र चिन्हों, कुल देवी या देवता में सन्निहित होता है। दूसरी तरफ पवित्र के विपरीत अपवित्र होता है यह 'अपतित्र' व्यक्ति की चिन्ताओं, दुख, शंका, सांसारिक चिन्ताओं को अपने में शामिल करता है।

38. किसने कहा है- 'यह देखा गया है कि मुखर्जी की विचार करने की सामर्थ्य पूर्व और पाश्चात्य विचारों के असामान्य-समन्वय का प्रतिनिधित्व करती है'?

(1) बलजीत सिंह (2) एच.चन्द्रा
(3) चार्ल्स बगल √(4) ई. एस. बोगार्डस

व्याख्या *(4)* 'यह देखा गया है कि मुखर्जी की विचार करने की सामर्थ्य पूर्व और पाश्चात्य विचारों के असामान्य-समन्वय का प्रतिनिधित्व करती है।-' यह कथन ई. इस. बोगार्डस का है।

- ई. एस. बोगार्डस एक अमेरिकन समाजशास्त्री है, इन्होंने मनोवृत्तियों (लगाव या दुराव) जो भिन्न-भिन्न समय में अलग-अलग होती है, को मापने के लिए एक सामाजिक दूरी पैमाने (Social Distance Scale) का विकास किया, जिसे बोगार्डस स्केल के नाम से भी जाना जाता है। इस पैमाने का विकास बोगार्डस ने वर्ष 1925 में किया तथा इस पैमाने में उन्होंने सात कथनों को सम्मिलित किया था।

39. भारत में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना की शुरुआत कब की गयी थी?

√(1) जनवरी, 2015 - 22 (2) अप्रैल, 2015
(3) जून, 2015 (4) सितम्बर, 2015

व्याख्या *(1)* भारत में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना का आरम्भ 22 जनवरी, 2015 में किया गया।

- इस योजना का उद्देश्य बालिका संरक्षण एवं बालिका सशक्तिकरण करना है। इसके अन्तर्गत लिंग चयन की प्रक्रिया का उन्मूलन बालिकाओं की सुरक्षा व अस्तित्व सुनिश्चत करना, बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना, बालिकाओं को निकट भविष्य में शिक्षा के माध्यम से वित्तीय व सामाजिक आत्मनिर्भरता प्रदान करना आदि शामिल है।

40. जी.पी मुरडॉक के अनुसार द्वितीयक नातेदारी की श्रेणी में अन्तर्गत कितने नातेदार आते हैं?

(1) 31 (2) 32
√(3) 33 (4) 34

व्याख्या *(3)* जी.पी. मुरडॉक के अनुसार द्वितीयक नातेदारी की श्रेणी के नातेदार आते है।

- मुडरॉक के अनुसार द्वितीयक श्रेणी के अन्तर्गत वे नाते सम्मिलित होते है जो किसी व्यक्ति के प्राथमिक श्रेणी नातेदारी से सम्बन्धित होते है। द्वितीयक श्रेणी के नातेदारों से व्यक्ति का प्रत्यक्ष सम्बन्ध नही होता है अपितु वे प्रथम श्रेणी के सम्बन्धों द्वारा आपस में सम्बन्धित होते है। मुरडॉक ने इनकी संख्या 33 बताई है। उदाहरण के लिए साले-सालिया, विमाता आदि।
- जी.पी. मुरडॉक (G.P. Murdock) द्वारा विश्व के 250 समाजों पर अध्ययन करके यह निष्कर्ष स्थापित किया गया कि परिवार सार्वभौमिक होता है।

41. निम्नलिखित में कौन एक पुरूषार्थ नहीं है?

(1) धर्म (2) अर्थ (3) काम (4) मृत्यु ✓

व्याख्या *(4)* मृत्यु पुरुषार्थ नहीं है।
- भारतीय संस्कृति में पुरुषार्थ को एक महत्त्वपूर्ण वास्तविकता के रूप में स्वीकृत किया गया है।
- पुरुषार्थ के चार प्रकार (i) धर्म (ii) अर्थ (iii) काम (iv) मोक्ष।
- पुरुषार्थ का अभीष्ट लक्ष्य मोक्ष प्राप्ति को माना गया है।

42. 'अभौतिक संस्कृति' की अवधारणा किसने दी?

(1) सोरोकिन (2) मैक्स वेबर
(3) पैरेटो (4) ऑगबर्न ✓

व्याख्या *(4)* 'अभौतिक संस्कृति' की अवधारणा आगबर्न द्वारा दी गई है।
- अभौतिक संस्कृति का स्वरूप अमूर्त तत्त्वों से होता है। जिसके अन्तर्गत मूल्यों, विश्वासों, विचारों, प्रथाओं आदि अमूर्त तत्वों का योग सम्मिलित होता है। अभौतिक संस्कृति व्यक्ति की आन्तरिक अवस्था से सम्बन्ध रखती है। अभौतिक संस्कृति का प्रसार धीमी गति से तथा इसमें परिवर्तन भी धीमी गति से होता है।
- अमेरिकी समाजशास्त्री विलियम फील्डिंग आगबर्न की प्रमुख कृतियों में शामिल है- Social change with respect to culture and original nature, on culture and social change, A Handbook of Sociology, social characteristics of cities आदि।

43. 'आणविक परिवार' और गृहस्थ परिवार की अवधारणाएँ किसने विकसित की ?

(1) जिम्मरमैन ✓ (2) चार्ल्स कूले
(3) पी.एच. प्रभु (4) रॉबर्ट बीरस्टीड

व्याख्या *(1)* 'आणविक परिवार' और गृहस्थ परिवार की अवधारणाओं का विकास जिम्मरमैन ने किया था।
- कार्ल. सी. जिम्मरमैन एक अमेरिकी समाजशास्त्री थे। इन्होंने अपनी पुस्तक 'परिवार और सभ्यता' (Family and Civilization) के अन्दर आणविक परिवार एवं गृहस्थ परिवारों पर अपने अध्ययन के पश्चात् जनजातियों एवं कुलों से विस्तारित परिवारों, बड़े एकल परिवार, छोटे एकल परिवार, टूटे परिवार आदि की का रचना के विकास की व्याख्या की है।
- जिम्मरमैन ने प्राचीन ग्रीस एवं रोम, मध्यकालीन एवं आधुनिक यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्थान-पतन एवं इन सभ्यताओं व देशों में परिवारों के उत्थान-पतन के मध्य सम्बन्धों व कारकों को व्याख्यायित किया है।

44. भारत में 'पिछड़ा वर्ग आयोग' का प्रथम सभापति कौन था?

(1) बी.पी मण्डल (2) काका कालेलकर ✓
(3) आर.एन. प्रसाद (4) राजिन्दर सच्चर

व्याख्या *(2)* भारत में 'पिछड़ा वर्ग आयोग' के प्रथम सभापति काका कालेलकर थे। भारत में प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग 1950 के दशक में एवं द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग 1970 के दशक में बी.पी. मण्डल की अध्यक्षता में नियुक्त किया गया था।
- संसद द्वारा वर्ष 1993 में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम पारित किया तथा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया।
- वर्ष 2017 में 123 वें संविधान संशोधन विधेयक को संसद में प्रस्तुत किया गया है। इस विधेयक में प्रभावी रूप से पिछड़े वर्गों के हितों को संरक्षित करने का प्रयास किया गया है। इस विधेयक को अगस्त, 2018 में राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हुई जिसके पश्चात् राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- संसद द्वारा एक विधेयक पारित करके राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग अधिनियम, 1993 को निरस्त कर दिया गया है।

45. 'श्वेत वसन अपराध' के साथ किसका नाम जुड़ा हुआ है?

(1) सदरलैण्ड ✓ (2) लोम्ब्रोसो
(3) बेकारिया (4) गोडार्ड

व्याख्या *(1)* 'श्वेत वसन अपराध' के साथ सदरलैण्ड का नाम सम्बन्धित है।
- सदरलैण्ड के सर्वप्रथम श्वेत वसन अपराध की संकल्पना का उपयोग किया था। सदरलैण्ड के अनुसार 'प्रतिष्ठित एवं उच्च सामाजिक पद के व्यक्ति द्वारा अपने व्यवसाय के समय किया गया अपराध 'श्वेत वसन अपराध' कहलाता है।
- श्वेत वसन अपराध की विशेषताओं में शामिल है- यह अपराध उच्च प्रतिष्ठा प्राप्त सामाजिक-आर्थिक वर्ग के व्यक्तियों द्वारा किया जाता है, कानून का उल्लंघन चतुरतापूर्वक किया जाता है, प्रतिष्ठा का उपयोग दण्ड से बचने के लिए किया जाता है, यह अपराध सोच समझकर किए जाते है, समाज के लिए अहितकार होते हैं आदि।
- श्वेत वसन अपराध के कारकों में शामिल है- अत्याधिक वर्ग चेतना, आर्थिक असमानता एवं सामाजिक विभेदीकरण, पूंजीवादी व्यवस्था, भौतिकवादी मनोवृत्तियों, राजनीतिक भ्रष्टाचार, कानूनी निष्क्रियता, नैतिकता का अभाव, सामाजिक विघटन गोपनीय प्रकृति, भ्रष्टाचार आदि।

46. योगेन्द्र सिंह के अनुसार पाश्चात्यीकरण के अन्तर्गत निम्नलिखित में से मूल्यों का कौन-सा सेट सम्मिलित है?

(1) मानवता और उदारवाद
(2) मानवता और भौतिकवाद
(3) मानवता और तर्कबुद्धिवाद ✓
(4) तर्कबुद्धि और भौतिकवाद

व्याख्या *(3)* योगेन्द्र सिंह के अनुसार पाश्चात्यीकरण के अन्तर्गत मानवतावाद एवं तर्कबुद्धिवाद नामक मूल्यों का सेट सम्मिलित है।

47. निम्नलिखित में से कौन जनसंख्या की रचना करता है?

(1) जन्म और मृत्युदर (2) देशान्तर की दिशा
(3) लिंग अनुपात √(4) उपर्युक्त सभी

व्याख्या *(4)* जनसंख्या की रचना करने में जन्म एवं मृत्युदर, देशान्तर की दिशा, लिंग अनुपात आदि कारकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

48. समाजशास्त्र की पद्धतिशास्त्र में 'आदर्श प्रारूप' की अवधारणा को किसने विकसित किया?

(1) आगस्ट कान्टे (2) दुर्खीम
√(3) वेबर (4) स्पेंसर

व्याख्या *(3)* समाजशास्त्र के पद्धतिशास्त्र में 'आदर्श प्रारूप' की अवधारणा को मैक्स वेबर द्वारा प्रतिपादित किया गया।

- जर्मन समाजशास्त्री मैक्स वेबर ने 'आदर्श प्रारूप' अवधारणा के सम्बन्ध में कहा कि 'आदर्श प्रारूप' से अभिप्राय 'कुछ वास्तविक तथ्यों के तर्कसंगत आधार पर यर्थाथ अवधारणाओं का निर्माण करने से है।
- मैक्स वेबर ने इस बात पर सर्वाधिक बल देते हुए कहा कि सामाजिक वैज्ञानिकों के केवल उन अवधारणों को अपने अध्ययन कार्य के क्षेत्र में उपयोग करना चाहिए जो तर्कसंगता से नियन्त्रित, सन्देह रहित एवं प्रयोग सिद्ध हो। इनके अभाव में वैज्ञानिक विश्लेषण एवं निरूपण सामाजिक क्रियाओं के सन्दर्भ में सम्भव नहीं है।

49. किसने परिवार के निम्नलिखित दो प्रकार सुझाए है-

(i) जन्तिम परिवार
(ii) प्रजनन परिवार

(1) एफ. ई. मैरिल (2) आगबर्न एवं निमकाफ
√(3) डब्ल्यू एल. वार्नर (4) गिलिन एवं गिलिन

व्याख्या *(3)* डब्ल्यू एल. वार्नर ने परिवार के दो प्रकारों का वर्णन किया है, जो है-

(i) जन्मित परिवारः- जिस परिवार के अन्दर व्यक्ति जन्म लेता है वह उसका जन्मित परिवार होता है।

(ii) प्रजनन परिवारः- व्यक्ति के विवाह के पश्चात् सन्तानोत्पत्ति से निर्मित परिवार प्रजनन परिवार कहलाता है।

- परिवार की विशेषताओं में शामिल है- सार्वभौमिकता, भावनात्मक आधार, सीमित आकार, सामाजिक ढाँचे की केन्द्रीय स्थिति, सामाजीकरण की संस्था, सदस्यों का उत्तरदायित्व, सामाजिक नियन्त्रण, स्थायी एवं अस्थायी प्रकृति आदि।

50. 'असहयोग' आन्दोलन निम्नलिखित में से किसके द्वारा प्रारम्भ किया गया?

√(1) महात्मा गांधी
(2) जवाहर लाल नेहरू
(3) सुभाषचन्द्र बोस
(4) आचार्य विनोबा भावे

व्याख्या *(1)* असहयोग आन्दोलन महात्मा गाँधी द्वारा प्रारम्भ किया गया। असहयोग आन्दोलन की शुरूआत 1920 ई. में हुई।

- इस आन्दोलन के अन्तर्गत सरकारी स्कूल-कॉलेजों का बहिष्कार किया गया, चुनाव का बहिष्कार किया गया, विदेशी माल का बहिष्कार किया गया, साथ-ही-साथ स्वदेशी अपनाने हथ-करघे व चरखे से निर्मित खादी को प्रोत्साहन दिया गया, राष्ट्रीय स्कूल-कॉलेजों की स्थापना, स्वदेशी का प्रचार-प्रसार किया गया, सामाजिक विषमताओं का अन्त करने सम्बन्धित प्रयास किए गए आदि।
- महात्मा गांधी द्वारा चलाया गया असहयोग आन्दोलन एक अहिंसक आन्दोलन था। 5 फरवरी, 1922 में गोरखपुर के चौरी-चौरा नामक स्थान पर कुछ विद्रोहियों द्वारा पुलिसकर्मियों के दुर्व्यवहार के परिणामस्वरूप थाने में आग लगा दी। जिससे क्षुब्ध होकर महात्मा गांधी ने इस आन्दोलन को स्थगित कर दिया।

51. लेविरेट विवाह है-

√(1) दिवंगत पति के भाई के साथ विवाह
(2) ममेरे-फुफेरे भाईयों-बहनों के बीच विवाह
(3) बहन की पुत्री के साथ विवाह
(4) भाई की पुत्री के साथ विवाह

व्याख्या *(1)* लेविरेट विवाह से अभिप्राय उस विवाह से होता है जिसके अन्तर्गत मृत व्यक्ति के भाई से मृत व्यक्ति की विधवा पत्नी का विवाह किया जाता है। यह विवाह इन कबीलों के अन्तर्गत किया जाता है जहां कबीले से बाहर विवाह निषेध होता है।

- लेविरेट एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ होता है- पति का भाई अर्थात् देवर।

52. आगस्त काम्टे का 'त्रि-स्तरीय नियम' सामाजिक परिवर्तन के किस सिद्धान्त का एक स्वरूप है?

√(1) रैखिक (2) चक्रीय
(3) प्रकार्यात्मक (4) संघर्ष

व्याख्या *(1)* ऑगस्ट काम्टे का 'त्रि-स्तरीय नियम' सामाजिक परिवर्तन के रैखिक सिद्धान्त का एक स्वरूप है।

- आगस्ट काम्टे के 'त्रि-स्तरीय नियम' के अन्तर्गत
  (i) धार्मिक स्तर, (ii) तात्त्विक स्तर, (iii) वैज्ञानिक अथवा प्रत्याक्षात्मक स्तर।

53. निम्नलिखित में से राधाकमल मुखर्जी द्वारा लिखी पुस्तक चुनिए।

(1) दि इवोलूशन ऑफ वेल्यूज
√(2) दि सोशल स्ट्रक्चर ऑफ वेल्यूज
(3) न्यू नॉलिज इन ह्युमन वेल्यूज
(4) दि सोशियोलॉजी ऑफ वेल्यूज

व्याख्या *(2)* राधा कमल मुखर्जी आधुनिक भारत के प्रसिद्ध समाजविज्ञानी, चिन्तक होने के साथ-साथ लखनऊ विश्वविद्यालय के उपकुलपति एवं अर्थशास्त्र व समाजशास्त्र के प्राध्यापक थे। इनके द्वारा लिखी गई पुस्तक **दि सोशल स्ट्रक्चर ऑफ वेल्यूज** है।

54. निम्नलिखित में से कौन 'सामूहिक प्रतिनिधान' के अध्ययन से सम्बन्धित है?

(1) वेबर (2) दुर्खीम (3) काम्टे (4) स्पेंसर

व्याख्या *(1)* इमाइल दुर्खीम 'सामूहिक प्रतिनिधान' के अध्ययन से सम्बन्धित है।
- इमाइल दुर्खीम ने व्यक्ति को स्वतन्त्र सत्ता मानते हुए समूह की सत्ता को केन्द्रीय महत्त्व प्रदान किया। दुर्खीम ने सामूहिक प्रतिनिधान के आधार पर ही अपने सामाजीकरण सिद्धान्त का स्पष्टीकरण किया था।

55. सामुदायिक भाव के तीन तत्वों
(i) हम का भाव
(ii) भूमिका पालन का भाव
(iii) निर्भरता का भाव- का उल्लेख निम्नलिखित में से किस समाजशास्त्री ने किया?

(1) आगबर्न एवं निमकाफ (2) राबर्ट बीरस्टीड
(3) के. डेविस (4) मैकाइवर एवं पेज

व्याख्या *(4)* सामुदायिक भाव के तीन तत्वों में से 'निर्भरता का भाव' का उल्लेख मैकाइवर एवं पेज द्वारा किया गया है।
- मैकाइवर एवं पेज ने समुदाय को परिभाषित करते हुए कहा है कि 'समुदाय उस छोटे या बड़े समूह को कहा जाता है जिसके अन्तर्गत सभी सदस्य किसी क्षेत्र की सीमा में इस प्रकार अपना समग्र जीवन व्यतीत करते है, कि वे किसी विशेष हित की पूर्ति हो नहीं अपितु सामान्य जीवन की सभी आधारभूत शर्तों की पूर्ति में पारस्परिक सहयोग करते है।'

56. सामाजिक स्तरीकरण का प्रकार्यात्मक सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया?

(1) कूले (2) के. डेविस
(3) कार्ल मार्क्स (4) मैक्स वेबर

व्याख्या *(2)* सामाजिक स्तरीकरण के प्रकार्यात्मक सिद्धान्त का प्रतिपादन के. डेविड द्वारा किया गया था।
- स्तरीकरण, विभेदीकरण एवं मूल्य निर्धारण के सहयोग का परिणाम होता है। मेलविन के अनुसार विभेदीकरण, श्रेणीकरण, मूल्यांकन एवं पुरस्कार यह चारों प्रक्रियाएं स्तरीकरण के किसी भी व्यवस्था के कार्य में परिणत होने के लिए आवश्यक होती है।
- सार्वभौमिकता, सामाजिक मूल्यांकन कार्यों की प्रधानता एवं निरन्तरता, स्थायित्व, उच्चता व निम्नता आदि सामाजिक स्तरीकरण की विशेषताओं में शामिल है।

57. निम्नलिखित में से कौन 'विज्ञानों के वर्गीकरण' के लिये विख्यात है?

(1) दुर्खीम (2) वेबर
(3) स्पेंसर (4) आगस्त काम्टे

व्याख्या *(4)* समाजशास्त्र के वास्तविक संस्थापक आगस्ट काम्टे 'विज्ञानों के वर्गीकरण' के लिए विख्यात है। आगस्त काम्टे ने प्रत्यक्षवाद की अवधारणा को विकसित किया।

58. सूची-I की मदों को सूची -II मदों से मिलाइए।

	सूची-I (संकल्पना)		सूची -II (समाजशास्त्री)
A.	वर्ग संघर्ष का सिद्धान्त	(i)	कूले
B.	त्रि-स्तरीय सिद्धान्त	(ii)	कार्ल मार्क्स
C.	आत्म-दर्पण का सिद्धान्त	(iii)	आगस्त काम्टे
D.	सम्भ्रान्त वर्ग के परिभ्रमण का सिद्धान्त	(iv)	पैरेटो

कूट:

	A	B	C	D
(1)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(2)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(4)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

व्याख्या *(1)*

	सूची-I (संकल्पना)		सूची -II (समाजशास्त्री)
A.	वर्ग संघर्ष का सिद्धान्त	(i)	कार्ल मार्क्स
B.	त्रि-स्तरीय सिद्धान्त	(ii)	आगस्त काम्टे
C.	आत्म-दर्पण का सिद्धान्त	(iii)	कूले
D.	सम्भ्रान्त वर्ग के परिभ्रमण का सिद्धान्त	(iv)	पैरेटो

59. निम्नांकित में पाश्चात्यीयकरण की अवधारणा किसने दी?

(1) योगेन्द्र सिंह (2) टी.के. ओमने
(3) एम.एन. श्रीनिवास (4) मैकिम मैरिमेट

व्याख्या *(3)* पाश्चात्यीयकरण की अवधारणा एम.एन. श्रीनिवासन द्वारा प्रतिपादित की गई।
- पाश्चात्यीयकरण की अवधारणा का सम्बन्ध पश्चिमी देशों की अवधारणा से होता है जिसमें 'स्थान' प्रमुख तत्व के रूप में होता है।
- पाश्चात्यीकरण के अन्तर्गत किसी देश या समाज के लोग पश्चिमी सभ्यता, जीवन शैली, संस्कृति को अपनाते है तथा अपनी मान्यताओं, मूल्यों, विश्वासों आदि को रूढ़ व पुरातन समझते है। पाश्चात्यीकरण का विस्तार क्षेत्र विशेष सीमित व संकुचित सभ्यता के रूप में होता है।

60. जब एक हिन्दू पुरुष अपने से उच्च वर्ण की स्त्री से विवाह करता है, तो उसे कहते हैं

(1) प्रतिलोम (2) अ[illegible]
(3) देवर विवाह (4) साली विवाह

व्याख्या *(1)* जब एक हिन्दू पुरुष अपने से उच्च वर्ण की स्त्री के साथ विवाह करता है तो उसे प्रतिलोम विवाह कहा जाता है।
- हिंदु विवाह वैधता अधिनियम, 1949 एवं हिंदु विवाह अधिनियम 1955 के द्वारा अनुलोम व प्रतिलोम दोनों विवाह को वैध माना गया है।
- अनुलोम विवाह से अभिप्राय उस विवाह से है जिसके अन्तर्गत उच्च जाति का लड़का निम्न जाति की लड़की से विवाह करता है।

61. 'पीजेन्ट स्ट्रगल इन इण्डिया' पुस्तक के लेखक
(1) डी.एन. मजूमदार (2) डी.एन. धनागे
(3) दीपांकर गुप्ता (4) ए. आर देसाई

व्याख्या *(4)* 'पीजेन्ट स्ट्रगल इन इण्डिया' पुस्तक के लेखक ए.आर. देसाई है।

62. सामाजिक स्तरीकरण के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में कौन-सा सत्य है?
(1) यह एक सार्वभौमिक विशेषता है।
(2) यह किसी खास समाज का सीमित है।
(3) यह एक स्थानीय विशेषता है।
(4) यह केवल भारत वर्ष तक सीमित है।

व्याख्या *(1)* सामाजिक स्तरीकरण एक सार्वभौमिक विशेषता को ग्रहण करती है। अर्थात् यह सार्वभौमिक होती है। सामाजिक स्तरीकरण के सन्दर्भ में सत्य है।

63. किसने कहा कि 'सोशियस' एक लैटिन शब्द और 'लोगॉज' एक यूनॉनी शब्द है। इस प्रकार हमारा विज्ञान (समाजशास्त्र) दो भाषाओं की दोगली संतान है।'
(1) मैकाइवन एवं पेज (2) पी.ए. सोरोकिन
(3) राबर्ट वीनरस्टीड (4) के. डेविस

व्याख्या *(3)* 'सोसिशयस' एक लैटिन शब्द और 'लोगॉज' एक यूनानी शब्द है। इस प्रकार हमारा विज्ञान (समाजशास्त्र) दो भाषाओं की दोगली सन्तान है।' यह कथन रॉबर्ट वीरस्टीड है।

64. किसने कहा कि 'धर्म', 'प्रजा' (सन्तति) और 'रति' (आनन्द) हिन्दू-विवाह के उद्देश्य माने जाते है'?
(1) ए.एस. अल्टेकर (2) पी.एच. प्रभु
(3) के.एम. कपाड़िया (4) एम. एन. श्रीनिवास

व्याख्या *(3)* के. एम. कपाड़िया का कथन है कि 'धर्म', 'प्रजा (सन्तति) और 'रति' (आनन्द) हिन्दू विवाह के उद्देश्य माने जाते है।'
- के.एम. कपाड़िया भारत के समाजशास्त्री है।

65. निम्नलिखित में से कौन समिति की विशेषता नहीं है-
(1) व्यक्तियों की सामूहिकता
(2) कतिपय उद्देश्य का होना
(3) ऐच्छिक सदस्यता
(4) सामुदायिक भावनाओं का अनुसरण करना

व्याख्या *(4)* सामुदायिक भावनाओं का अनुसरण करना समिति की विशेषता नहीं है।
- समिति से अभिप्राय व्यक्तियों के उस समूह से होता है जिसके अन्तर्गत सहयोग व संगठन पाया जाता है। समिति का उद्देश्य किसी लक्ष्य की पूर्ति करना होता है। इन लक्ष्यों की पूर्ति समिति के सदस्यों द्वारा सामूहिक प्रयास के द्वारा कुछ निश्चित नियमों के अन्तर्गत की जाती है।
- समिति के अनिवार्य तत्वों में व्यक्तियों का समूह, सामान्य उद्देश्य, पारस्परिक सहयोग, संगठन शामिल है।
- समिति की प्रमुख विशेषताओं में मानव समूह, निश्चित उद्देश्य, ऐच्छिक सदस्यता, अस्थायी प्रकृति, विचारपूर्वक स्थापना, नियमों पर आधारित, मूर्त संगठन, सुनिश्चित संरचना आदि शामिल है।

66. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए तब नीचे दिये गये कूट के अनुसार अपने उत्तर का चयन कीजिए-

	सूची-I		सूची-II
A.	फर्स्ट प्रिंसिपल्स	(i)	मैक्स वेबर
B.	द होली फैमिली	(ii)	कार्ल मॉर्क्स
C.	डिवीजन ऑफ लेबर इन सोसाइटी	(iii)	स्पेन्सर
D.	द थियरी ऑफ सोशल एण्ड इकॉनोमिक आर्गनाइजेशन	(iv)	दुर्खीम

कूट:

	A	B	C	D		A	B	C	D
(1)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)	(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)	(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

व्याख्या *(2)* सूची-I का सूची-II से सही सुमेलन इस प्रकार है-

	सूची-I		सूची-II
A.	फर्स्ट प्रिंसिपल्स	(iii)	हर्बर्ट स्पेन्सर
B.	द होली फैमिली	(ii)	कार्ल मॉर्क्स
C.	डिवीजन ऑफ लेबर इन सोसाइटी	(iv)	दुर्खीम
D.	द थियरी ऑफ सोशल एण्ड इकॉनोमिक आर्गनाइजेशन	(i)	मैक्स वेबर

67. मरडॉक के अनुसार कितने सम्बन्धी तृतीयक नातेदारी के श्रेणी में आते है?
(1) 150 (2) 152 (3) 151 (4) 155

व्याख्या *(3)* मरडॉक के अनुसार तृतीयक नातेदारी की श्रेणी में 151 सम्बन्धी आते है। तृतीयक नातेदार या सम्बन्धी (relatives) श्रेणी में उन नातेदारों को शामिल किया जाता है जो व्यक्ति के प्राथमिक सम्बन्धों के द्वितीयक सम्बन्धी अथवा द्वितीयक सम्बन्धी के प्राथमिक सम्बन्धी होते है। उदाहरण के लिए पितामह (परदादा)।

68. किसने कहा 'समाजीकरण सीखना है जो सीखने वाले को सामाजिक भूमिकाएँ निर्वाह करना सिखाता है'?
(1) राबर्ट वीरस्टीड (2) रूथ बेन्डिक्ट
(3) एच.एम. जॉनसन (4) रॉल्फ लिंटन

व्याख्या *(3)* "समाजीकरण सीखना" है जो सीखने वाले को सामाजिक भूमिकाएँ निर्वाह करना सीखता है।" यह कथन एच एम जॉन्सन का है।
- एच एम जॉन्सन ने सामाजिक परिवर्तन को मूल अर्थों में संरचनात्मक परिवर्तन माना है। समाजीकरण का सम्बन्ध व्यक्ति एवं समाज के मध्य सम्बन्धों से है।

- समाजीकरण सीखने की एक प्रक्रिया है जो जीवन पर्यन्त चलती है। यह संस्कृति को आत्मसात करने की गत्यात्मक प्रक्रिया है। समाजीकरण समय एवं स्थान के सापेक्ष होता है।
- समाजीकरण का उद्देश्य अनुशासन, प्रेरणा उत्पन्न करना, सामाजिक भूमिका से अवगत कराते हुए व्यवहारों में अनुरूपता लाना आदि होता है।

69. समाजीकरण के सन्दर्भ में 'मैं' और 'मुझे' की अवधारणा किसके द्वारा प्रयुक्त की गयी?

(1) फ्रायड (2) कूले
(3) जॉनसन (4) मीड

व्याख्या *(4)* समाजीकरण के संदर्भ में "मैं" और 'मुझे' की अवधारणा मीड द्वारा प्रस्तुत की गई है।

- मीड ने "आत्मा चेतना सिद्धान्त" के आधार पर समाजीकरण की व्याख्या की तथा इसी आधार पर मीड ने "मैं" और "मुझे" की अवधारणा का प्रतिपादन किया है।
- मीड ने 'भूमिका निर्वाह' को समाजीकरण की प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण माना है। मीड के अनुसार समाजीकरण की प्रक्रिया में सर्वप्रथम "मैं" की भावना का विकास होता है परन्तु जैसे-जैसे व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के सम्पर्क में आता है तब उसे "मुझे" की भावना का विकास होता है। मीड के अनुसार "मैं" तथा "मुझे" का संयुक्त स्वरूप "स्व" होता है। "मैं" तथा "मुझे" एक दूसरे के पूरक है।

70. 'संघर्षशील समाज' एवं 'औद्योगिक समाज' शब्दों का प्रचलन किसने किया?

(1) दुर्खीम (2) काम्टे
(3) हर्बर्ट स्पेन्सर (4) कार्ल मॉर्क्स

व्याख्या *(3)* हर्बर्ट स्पेन्सर ने 'संघर्षशील समाज' एवं 'औद्योगिक समाज' शब्दों का प्रचलन किया था।

- ब्रिटिश समाजशास्त्री हर्बर्ट स्पेन्सर ने ऐतिहासिक अथवा उद्विकास के आधार पर समाज को निम्न प्रकार वर्णित किया है– (i) सरल समाज (Simple Society), (ii) मिश्रित समाज (Compound Society), (iii) दोहरे मिश्रित समाज (Doubly Compound Society), (iv) तिहरे मिश्रित समाज (Trebly Compound Society)।

71. सामाजिक समूह की मौलिक विशेषता है

(1) शारीरिक सामीप्य (2) स्तरीकरण
(3) समुदाय (4) संस्था

व्याख्या *(1)* सामाजिक समूह की मौलिक विशेषता में शारीरिक सामीप्य शामिल है।

- सामाजिक समूह एक सामाजिक ईकाई है जिसका निर्माण ऐसे व्यक्तियों द्वारा किया जाता है जिनके मध्य अधिक एवं कम मात्रा में निश्चित स्थिति एवं कार्य विषयक सम्बन्ध स्थापित हो।
- सामाजिक समूह की विशेषताओं में सामान्य हित, सामान्य लक्ष्य, व्यक्तियों का संग्रह, सामाजिक सम्बन्ध, एकता की भावना, सदस्यों में आदान-प्रधन, ऐच्छिक सदस्यता, निश्चित आधार आदि शामिल है।

72. क्रय द्वारा किया गया हिन्दू विवाह कहलाता है

(1) पैशाच विवाह (2) देव विवाह
(3) असुर विवाह (4) राक्षस विवाह

व्याख्या *(3)* क्रय द्वारा किया गया हिन्दू विवाह असुर विवाह कहलाता है।

- हिन्दू विवाह के आठ प्रकारों का उल्लेख मिलता है। जिसमें ब्रह्म विवाह, देव विवाह, आर्ष विवाह, प्रजापत्य विवाह, गन्धर्व विवाह, असुर विवाह, राक्षस विवाह, पैचाश विवाह।
- असुर विवाह के अन्तर्गत कन्या का मूल्य चुकाया जाता है। इस प्रकार के विवाह में वर पक्ष द्वारा कन्या व कन्या के परिवार को अपनी सामर्थ्य अनुसार धन देकर अपनी इच्छा से कन्या का ग्रहण करता है।
- कन्या का मूल्य देना कन्या का सम्मान करना तथा कन्या के परिवार को उसके चले जाने से होने वाली क्षतिपूर्ति से सम्बन्धित था।
- दैव विवाह के अन्तर्गत देवताओं के लिए किए गए यज्ञ के अवसर पर यह विवाह सम्पन्न होता था। इसमें पिता यज्ञ कराने वाले पुरोहित को अपनी पुत्री दान में देता था।
- राक्षस विवाह युद्ध एक अपहरण, छल-कपट, बलपूर्वक किया गया विवाह था। महाभारत में राक्षस विवाह को क्षत्रियों के लिए उत्तम माना गया था।
- पैशाच विवाह उस विवाह को कहा जाता है जिसके अन्तर्गत कन्या की सहमति के बिना उसकी अचेतन अवस्था में, छल-कपट द्वारा उसके साथ सम्भोग (बलात्कार) करने के पश्चात् विवाह करना पैचाश विवाह कहलाता है।

73. भूदान और ग्रामदान आन्दोलन किसने चलाये?

(1) आचार्य विनोबा भावे
(2) जय प्रकाश नारायण
(3) महात्मा गाँधी
(4) आचार्य नरेन्द्र देव

व्याख्या *(1)* भूदान और ग्रामदान आन्दोलन आचार्य विनोबा भावे द्वारा चलाया गया था।

- विनायक नरहरि 'विनोबा' भावे ने भूदान आन्दोलन का आरम्भ वर्ष 1951 में पोचमपल्ली, तेलंगाना से किया। भूदान आन्दोलन 13 वर्षों तक चला था।
- भूदान आन्दोलन के अन्तर्गत भूमिहीनों को भूमि मालिकों द्वारा भूमि कार्य करने हेतु उपहार में दी गई।
- विनोबा भावे ने भूदान आन्दोलन की सम्पूर्ण अवधि में सम्पूर्ण भारत का भ्रमण किया तथा भूमि मालिकों को भूमिहीन किसानों को भूदान करने के लिए मनाने का प्रयास किया।

74. 'यान्त्रिक और सावयवी एकता' के आधार पर सरल और औद्योगिक समाज में अन्तर किसने किया?

(1) टी. पारसन्स
(2) मैलिनोवस्की
(3) एच. स्पेन्सर
(4) इमाइल दुर्खीम

व्याख्या *(4)* इमाइल दुर्खीम द्वारा "यान्त्रिक और सावयवी एकता" के आधार पर सरल और औद्योगिक समाज के अन्तर स्थापित किया।

- इमाइल दुर्खीम ने सामाजिक एकता के सिद्धान्त का प्रतिपादन अपनी पुस्तक 'दि डिविजन ऑफ लेबर इन सोसायटी' के अन्तर्गत किया है।
- यान्त्रिक एकता के दुर्खीम का अभिप्राय आदिम समाजों अथवा सभ्यता एवं संस्कृति की दृष्टि से पिछड़े समाजों में पाई जाती है। यान्त्रिक एकता में व्यक्ति एक जैसे कार्य करते है। यह समरूपता के परिणामस्वरूप उत्पन्न होती है। इसे दमनकारी कानूनों द्वारा बनाकर रखा जाता है।
- सावयवी एकता से दुर्खीम का अभिप्राय असमानताओं व श्रम-विभाजन स्वयं विकसित होती है। सावयवी एकता आधुनिक समाज की मुख्य विशेषता है। क्षतिपूर्ति कानून सावयवी एकता की पुष्टि करते है।
- दुर्खीम के अनुसार यान्त्रिक एकता का प्रारूप खण्डात्मक होता है जबकि इसके विपरीत सावयवी एकता का स्वरूप संगठित होता है।

75. किसने 'लघु' तथा 'वृहत' परम्परा' शब्द को व्यक्त किया?

(1) मैकिम मैरियट (2) जी.एस. घुर्ये
(3) एम.एन. श्रीनिवास ✓(4) रॉबर्ट रेडफील्ड

व्याख्या *(4)* रॉबर्ट रेडफील्ड ने 'लघु' एवं 'वृहत परम्परा' शब्द को व्यक्त किया।

- रॉबर्ट रेडफील्ड ने भारतीय सामाजिक परिवर्तन प्रक्रिया के विश्लेषण के संदर्भ में 'परम्परा' शब्द का प्रयोग किया है। इसी प्रकार रॉबर्ट रेडफील्ड ने लघु एवं वृहत परम्पराओं के आधार पर मैक्सियन समुदाय का अध्ययन किया।
- रॉबर्ट रेडफील्ड ने 'लघु परम्परा' शब्द का प्रयोग कृषकों के मध्य घटित होने वाली प्रथम संस्कृति प्रक्रिया के संदर्भ में तथा 'वृहत परम्परा' शब्द का प्रयोग अभिजात्य वर्ग में घटित होने वाली प्रथम संस्कृति प्रक्रिया के संदर्भ में प्रयोग किया है।

76. किसने समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों को इन पाँच श्रेणियों में विभाजित किया है?

(i) प्रत्यक्षवादी सावयववाद
(ii) संघर्ष सिद्धान्त
(iv) स्वरूपात्मक सिद्धान्त
(v) समाजशास्त्रीय प्रकार्यवाद

(1) आर. के. मर्टन ✓(2) पी.एस. कोहन
(3) डॉन मार्टिनडेल (4) एच.आर. वैगनर

व्याख्या *(2)* पी.एस. कोहन ने समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों को पाँच श्रेणियों में विभाजित किया।

- पी.एस. कोहन (Percy Saul Cohen) एक ब्रिटिश सामाजिक मानवविज्ञानी एवं सनाजशास्त्री थे। इनकी प्रमुख पुस्तकों में मॉर्डन सोशल थियरी, (Modern Social Theory) ज्यूईश रेडीकल ज्यूस (Jewish Radicals and Radical Jews) आदि शामिल है।

77. अपनी किस पुस्तक में चार्ल्स कूले ने सामाजिक नियन्त्रण के सिद्धान्त को प्रस्तुत किया है?

✓(1) ह्यूमन नेचर एण्ड द सोशल आर्डर
(2) फोकवेज
(3) सोशल कन्ट्रोल
(4) सोसिश्यालॉजी

व्याख्या *(1)* ह्यूमन नेचर एण्ड द सोशल आर्डर (Hummen nature and the Social Order) नामक पुस्तक में चार्ल्स कूले ने सामाजिक नियन्त्रण सिद्धान्त को प्रस्तुत किया है।

- चार्ल्स कूले ने "लुकिंग ग्लास सेल्फ" (Looking Glass Self) शब्द को विकसित किया। इस शब्द का विकास उन्होंने अपनी पुस्तक "सोशल ऑर्गनाइजेशन : ए स्टडी ऑफ द लार्जर माइंड" में किया था।
- चार्ल्स कूले सामाजिक घटनाओं के आधार पर सामाजिक नियन्त्रण के प्रकारों के स्पष्ट करते है। कूले के अनुसार दो प्रकार का सामाजिक घटनाएँ समाज को नियन्त्रित करती है। जिनमें चेतन नियन्त्रण व अचेतन नियन्त्रण शामिल है।

78. निम्नलिखित में से किसे द्विज कहा जाता है?

✓(1) ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य (2) क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र
(3) ब्राह्मण, वैश्य, शूद्र (4) शूद्र, क्षत्रिय, ब्राह्मण

व्याख्या *(1)* ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य को द्विज कहा जाता है।

- द्विज का शाब्दिक अर्थ होता है– पुनः जन्म लेना। द्विज के अन्तर्गत ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य जातियाँ सम्मिलित थी। जनेऊ धारण करने के लिए द्विज को अलग-अलग ऋतु का पालन करना पड़ता था।

ब्राह्मण	क्षत्रिय	वैश्य
↓	↓	↓
सूत (बसंत ऋतु)	सन (ग्रीष्म ऋतु)	ऊन (शीत ऋतु)

- जनेऊ धारण करने का अधिकार ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य को प्रदान किया गया था।
- भारतीय समाज चार वर्णों या जातियों ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र में विभाजित है।

79. ऑस्ट्रेलिया की आदिम जातियों के आनुभाविक अध्ययन के आधार पर निम्नलिखित में से किसने विनिमय सिद्धान्त को विकसित किया ?

(1) सर जेम्स फ्रेजर
(2) बी. मैलिनास्की
(3) पीटर. एम. ब्लाऊ
(4) मार्शल मॉस

व्याख्या *(3)* ऑस्ट्रेलिया की आदिम जातियों के आनुभाविक अध्ययन के आधार पर विनिमय सिद्धान्त को पीटर एम ब्लाऊ द्वारा विकसित किया गया है। इन्होंने ऑस्ट्रेलिया की आदिम जातियों के समूहों के अध्ययन के आधार पर संरचनात्मक विनिमय सिद्धान्त विकसित किया। ब्लाऊ द्वारा तकनीकी आर्थिक विश्लेषण पर भी बल दिया।

80. निम्नलिखित में से किसमें वर्ण-व्यवस्था का उल्लेख मिलता है?

(1) ऋग्वेद (2) अथर्ववेद (3) यजुर्वेद (4) सामवेद

व्याख्या *(1)* ऋग्वेद में वर्ण व्यवस्था का उल्लेख प्राप्त होता है।
- ऋग्वेद ऋचाओं का क्रमबद्ध ज्ञान का संग्रह है।
- ऋग्वेद में 10 मण्डल, 1028 सूक्त, 10462 ऋचाएँ है।
- ऋग्वेद के 10वें मण्डल में पुरुषसूक्त में चातुष्वर्ण्य समाज की कल्पना का स्रोत प्राप्त होता है। इसके अन्तर्गत चार वर्णों– ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र का उल्लेख है।

81. 'हिस्ट्री ऑफ ह्यूमन मेरिज' पुस्तक के लेखक कौन है?

(1) के.एस.सिंह (2) आई कर्वे
(3) वेस्टरमार्क (4) ए.एम.शाह

व्याख्या *(3)* "हिस्ट्री ऑफ ह्यूमन मैरिज" नामक पुस्तक के लेखक वेस्टरमार्क है।
- एडवर्ड वेस्टरमार्क एक फिनिश दार्शनिक एवं मानवविज्ञानी थे। हिस्ट्री ऑफ ह्यूमन मैरिज का प्रथम प्रकाशन 1891 में हुआ था। इस पुस्तक में वेस्टरमार्क ने मानव विवाह के इतिहास का अध्ययन एवं विश्लेषण किया है।

82. समाजशास्त्र के 'स्वरूपात्मक समुदाय' का संस्थापक कौन है?

(1) मैक्स वेबर (2) जी.सिमेल
(3) कार्ल मॉर्क्स (4) कोजर

व्याख्या *(2)* समाजशास्त्र के 'स्वरूपात्मक समुदाय' के संस्थापक जी. सिमेल है।
- सिमेल एक जर्मन समाजशास्त्री है। 'स्वरूपात्मक समुदाय' की अवधारणा से सम्बन्धित अन्य विद्वानों में रॉस, पार्क बर्गेस मैक्स वेबर, वान विज, टॉनीज आदि शामिल है। इस अवधारणा के समर्थकों का मानना है कि अन्य समाजिक विज्ञानों की भांति समाजशास्त्र भी स्वतन्त्र एवं विशेष विज्ञान है।
- जार्ज सिमेल, समाजशास्त्र को सामाजिक सम्बन्धों के स्वरूप का अध्ययन मानते है। इन्होंने अनुकरण, सहयोग, प्रतिस्पर्धा, अधीनता, श्रम विभाजन आदि को सामाजिक सम्बन्धों का प्रमुख स्वरूप माना है।

83. जब एक अपराधी को जेल न भेजकर अच्छे आचरण के आश्वासन पर परिवार के साथ रहने के लिए छोड़ दिया जाता है, तब इस प्रणाली को क्या कहते हैं?

(1) पैरोल (2) परिवीक्षा
(3) उत्तर-रक्षा सेवा (4) अपराधी सुधार

व्याख्या *(2)* जब एक अपराधी को जेल न भेजकर अच्छे आचरण के आश्वासन पर परिवार के साथ रहने के लिए छोड़ दिया जाता है, तब इस प्रणाली को परिवीक्षा कहा जाता है।
- इलियट पे परिवीक्षा को परिभाषित करते हुए कहा कि "अपराधी को उसके सदाचरण के आश्वासन के आधार पर न्यायालय द्वारा दण्ड से मुक्ति प्रदान किया जाना ही परिवीक्षा है।

84. मॉडनाईजेशन ऑफ इण्डियन ट्रेडीशन के लेखक कौन है?

(1) योगेन्द्र सिंह (2) एम. एन. श्रीनिवास
(3) ए.आर. देसाई (4) जी.एस. घुर्ये

व्याख्या *(1)* मॉर्डनाईजेशन ऑफ इंडियन ट्रेडिशन नामक पुस्तक के लेखक योगन्द्र सिंह है।
- योगेन्द्र सिंह भारत के एक प्रसिद्ध समाजशास्त्री है।
- योगेन्द्र सिंह की प्रसिद्ध पुस्तकों में मॉर्डनीइजेशन ऑफ इण्डियन ट्रेडिशन, सोशल चेंज इन इण्डिया, सोशल स्ट्रेटीफिकेशन एण्ड चेंज इन इंडिया, इंडियन सोशोलॉजी, आइडियोलॉजी एण्ड थियरी इन इंडियन सोशियोलॉजी आदि शामिल है।
- समाजशास्त्री योगेन्द्र सिंह ने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग की स्थापना की थी।

85. निम्नलिखित में निर्धनता का कौन-सा कारण है?

(1) अशिक्षा (2) जनसंख्या वृद्धि
(3) बेरोजगारी (4) उपर्युक्त सभी

व्याख्या *(4)* अशिक्षा, बेरोजगारी, जनसंख्या वृद्धि यह सभी निर्धनता के प्रमुख कारणों में शामिल है।
- निर्धनता से अभिप्राय उस स्थिति से है जिसके अन्तर्गत व्यक्ति अपनी एवं अपने आश्रितों की आवश्यकताओं की पूर्ति धन के अभाव के कारण करने में असमर्थ रहता है।
- निर्धनता के दुष्प्रभावों में जीवन की समस्या, स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या, भिक्षावृत्ति, बाल श्रम, अपराध व वेश्यावृत्ति, पारिवारिक विघटन, आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं का दुष्चक्र आदि शामिल है।

86. किसने कहा है कि 'युद्ध सामाजिक विघटन का उग्रतम स्वरूप है'?

(1) इमाइल दुर्खीम
(2) इलियट एवं मैरिल
(3) रॉबर्ट इ.एल. फैरिस
(4) मार्टिन न्यूमेयर

व्याख्या *(3)* रॉबर्ट ई.एल फैरिस ने कहा है कि "युद्ध सामाजिक विघटन का उग्रतम स्वरूप है।"
- रॉबर्ट ई. एल फैरिस एक अमेरिकी समाजशास्त्री है। इनकी प्रसिद्ध पुस्तकों में मेंटल डिस्ऑर्डर इन अर्बन एरिया, हैंडबुक ऑफ मॉर्डन सोशियोलॉजी, शिकागो सोशियोलॉजी आदि शामिल है।

87. निम्नलिखित समाजशास्त्रियों मे से किसने समाजशास्त्री के संरचनाकरण की अवधारणा दी?

(1) ए. गिडिन्स (2) लेवी स्ट्रोम
(3) टी. पारसन्स (4) सासुरे

व्याख्या *(1)* समाजशास्त्र के संरचनाकरण की अवधारणा ए. गिडिन्स द्वारा दी गई है।
- एंथोनी गिडेन्स एक ब्रिटिश समाजशास्त्री थे। इन्होंने पूंजीवाद और आधुनिक सामाजिक सिद्धान्त, द क्लास स्ट्रक्चर ऑफ एडवांस्ड सोसाइटीज, द कानसीक्यूएन्स ऑफ मॉर्डननिटी, न्यू रूल्स ऑफ सोशियोलॉजिकल मैथड, द ट्रान्सफॉर्मेशन ऑफ इन्टीमैसी सेन्ट्रल प्रॉबलम इन सोशल थियरी जैसी कृतियों का लेखन कार्य किया।

88. समाजशास्त्र के संस्थापक पिता कौन है?

(1) दुर्खीम (2) मॉर्क्स

(3) आगस्टे कान्टे (4) वेबर

व्याख्या *(3)* समाजशास्त्र का संस्थापक आगस्त कान्टे को माना जाता है।

- आगस्त कॉम्टे फ्रांसीसी दार्शनिक, चिन्तक, समाजशास्त्री थे। इन्हें समाजशास्त्र का व्यवस्थित वैज्ञानिक अध्ययन करने के कारण समाजशास्त्र का पिता कहा जाता है।
- आगस्त कान्टे प्रत्यक्षवाद की अवधारण को प्रतिपादक थे। कॉम्टे ने कहा कि व्यक्ति हो या समाज अपनी समस्याओं का समाधान करने के लिए तथ्यों एवं साक्ष्य का उपयोग करना चाहिए तथा वैज्ञानिक ढंग से समस्या का हल ढूँढना चाहिए।

89. निम्नलिखित में से किसने पूंजीवाद के कारण को 'प्रोटेस्टेन्ट धर्म' की शिक्षाओं से जोड़ा है?

(1) कार्लमॉर्क्स (2) हर्बर्ट स्पेन्सर

(3) मैक्स वेबर (4) इमाइल दुर्खीम

व्याख्या *(3)* मैक्स वेबर ने पूँजीवाद के कारण को 'प्रोटेस्टेंट धर्म' की शिक्षाओं से जोड़ा था।

- मैक्स वेबर एक जर्मन समाजशास्त्री थे। इन्हें आधुनिक समाजशास्त्र के संस्थापकों में से एक माना जाता है। इनकी प्रमुख रचनाओं में द प्रोटेस्टेण्ड एथिक एण्ड द स्पिरिट ऑफ कैपिटलिज़म, द रिलीजन ऑफ इण्डिया, द रिलीजन ऑफ चाइना, द थियरी ऑफ सोशियल एण्ड इकोनॉमिक ऑर्गनाइजेशन आदि प्रमुख है।

90. किस संविधान संशोधन के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण प्रदान किया गया?

(1) 70वाँ संशोधन (2) 71वाँ संशोधन

(3) 72वाँ संशोधन (4) 73वाँ संशोधन 1992

व्याख्या *(4)* 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण प्रदान किया गया है।

- 73वें संविधान संशोधन द्वारा पंचायती राज को वैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- वर्तमान में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को 50% आरक्षण प्रदान कर दिया गया है।

(प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद)

91. सिम्बॉलिक इन्टरएक्शनिज्म की अवधारणा की रचना किसने की?

(1) एल.ए. कोजर (2) जॉन डेवी

(3) जी.एच. मीड (4) हरबर्ट ब्लूमर

व्याख्या *(3)* जी.एच.मीड ने सिम्बॉलिक इंन्टरएक्शनिज्म की अवधारणा का प्रतिपादन किया।

- प्रतीकात्मक इन्टरएक्शनिज्म (Symbolic Interactionism) अर्थात् प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद शब्द का सर्वप्रथम औपचारिक रूप से प्रयोग जी.एच.मीड द्वारा किया गया।
- जी.एच.मीड ने अपनी पुस्तक मॉइंड, सेल्फ एण्ड सोसाइटी में प्रतीकात्मक अन्तःक्रियावाद शब्द का प्रयोग किया। मीड ने प्रतीकात्मक अन्तः क्रियावाद का आधार संचार को माना तथा इन्होंने प्रतीक को समाज का आधार माना था।

92. 'जब वर्ग पूर्णतया आनुवंशिकता पर आधारित होता है, तो हम उसे जाति कहते है'। यह परिभाषा किसने दी है?

(1) केतकर (2) ग्रीन (3) लुण्डबर्ग (4) कूले

व्याख्या *(4)* ''जब वर्ग पूर्णतया आनुवांशिकता पर आधारित होता है तो हम इसे जाति कहते है।'' यह परिभाषा कूले द्वारा दी गई है।

93. 'ब्रह्म समाज' की स्थापना किसने दी थी?

(1) दयानन्द सरस्वती (2) राजा राम मोहन राय

(3) देवेन्द्रनाथ (4) केशव चन्द्र सेन

व्याख्या *(2)* ब्रह्म समाज की स्थापना राजा राम मोहन रॉय द्वारा की गई थी।

- ब्रह्म समाज भारत का प्रथम धर्म सुधार आन्दोलन था। ब्रह्म समाज की स्थापना का उद्देश्य हिन्दू समाज में व्याप्त बुराइयों का समापन करना था। ब्रह्म समाज द्वारा सती प्रथा, अस्पृश्यता, जातिवाद, बहुविवाह, वेश्यावृत्ति आदि का विरोध किया। ब्रह्म समाज ने मूर्तिपूजा का खण्डन करते हुए एकेश्वरवाद का प्रचार-प्रसार किया।

94. 'सामान्यीकृत अन्य' की अवधारणा किसने प्रस्तुत की थी?

(1) एस. फ्रायड (2) कूले

(3) एच ब्लूमर (4) जी.एच.मीड

व्याख्या *(4)* 'सामान्यीकृत अन्य' की अवधारणा जी.एच. मीड द्वारा प्रस्तुत की गई। मीड के अनुसार सामाजिक अन्तःक्रिया 'स्वं' के विकास में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। सामान्यीकृत अन्य (Generalised Others) बचपन की विकास प्रक्रिया में (i) खेल स्थिति (ii) खेल मंच व (iii) सामान्यीकृत अन्य शामिल है।

- सामान्यीकृत अन्य की अवधारणा में बच्चे न केवल दूसरों की भूमिका का अनुसरण करते है अपितु वह उनके सामाजिक समूह मे व्यवहार व दूसरों के दृष्टिकोण को भी अपने ध्यान में रखते है।
- सामान्यीकृत अन्य की अवधारणा को छोटे अथवा बड़े समाजों पर लागू किया जा सकता है।

95. निम्नलिखित में से किसने संकुचितीकरण तथा सार्वभौमिकरण की जुड़वाँ अवधारणाओं का विकास किया?

(1) एस.सी दुबे (2) जी.एस. घुर्ये

(3) मैकिम मैरियट (4) आन्द्रे बेतेइ

व्याख्या *(3)* मैकिम मैरियट ने संकुचितीकरण एवं सार्वभौमिकरण की जुड़वां अवधारणाओं का विकास किया। मैकिम मैरियट अमेरिकी मानवविज्ञानी है।

96. एथनोसेन्ट्रिज्म (नृजातिकेन्द्रवाद) शब्द किसने सन्निविष्ट किया?

(1) ए.टायनबी (2) एच.एम. जॉनसन

(3) कूले (4) समनर (ग्राहमसमनर)

व्याख्या *(4)* एथनोसेन्ट्रिज्म (नृजातिकेन्द्रवाद) शब्द का सर्वप्रथम उपयोग समाजशास्त्री विलियम ग्राहम समनर (Sumner) ने अपनी पुस्तक फॉकवेज (Folkways) में किया था।

- समनर ने सामाजिक दूरी एवं सामाजिक लगाव के आधार पर समूहों को भागों, अन्त: समूह (In groups) एवं बाह्य: समूह (Outer groups) में विभाजित किया था।
- समनर के अनुसार अन्त: समूह के लोगों में आपस में सदस्यों के प्रति लगाव, स्नेह होता है। इनमें नृजातिकेन्द्रवाद की भावना भी पाई जाती है इनमें घनिष्ठता नहीं अपितु बाह्य समूह के प्रति घृणा या गेर मैत्रीभाव भी दिखाई देता है।
- समनर ने अन्त: समूह में परिवार, अपना धार्मिक समूह, वर्ग, जाति, भाषा, क्षेत्र आदि को शामिल किया है। इन्होंने नृजातिकेन्द्रवाद को अन्त:समूह के अन्दर चलने वाली स्वाभाविक प्रक्रिया के रूप में व्याख्यायित किया है।

97. समाजशास्त्र 'प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य' प्रारम्भ करने वाला कौन था?

(1) आर. के. मर्टन (2) इमाइल दुर्खीम
(3) रेडक्लिफ ब्राउन (4) मैक्स वेबर

व्याख्या *(2)* समाजशास्त्र में "प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य" अथवा संरचनात्मक प्रकार्यवाद (Structural Functionalism) की अवधारणा का प्रतिपादन करने वाला समाजशास्त्री इमाइल दुर्खीम था।

- प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य अमेरिकी समाजशास्त्र में एक महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है।
- प्रकार्यवाद परिप्रेक्ष्य इस बात का समर्थन करता है कि समाज की सभी गतिविधियाँ एवं क्रियाएँ एक व्यवस्थित क्रम या संरचना अनुसार चलती है तथा इस क्रम में एक प्रकार की आत्मनिर्भरता पाई जाती है। साथ ही इस व्यवस्था को बनाए रखने में समाज की विभिन्न संस्थाओं एवं समूहों की महत्त्वपूर्ण भूमिकाएँ होती है।
- दुर्खीम के अनुसार धर्म समाज में एकता बनाए रखने के साथ-साथ उसे नैतिक आधार भी प्रदान करता है।

98. निम्नलिखित में कौन प्राथमिक सम्बन्धी नहीं है?

(1) माता (2) पिता (3) चाचा (4) भाई

व्याख्या *(3)* चाचा प्राथमिक सम्बन्धी नहीं है।

- चाचा द्वितीयक नातेदारी श्रेणी से सम्बन्धित है।
- द्वितीयक नातेदारी (Secondary Kinship Relations) के अन्दर वह नातेदार आते है, जिनका सम्बन्ध व्यक्ति के प्राथमिक श्रेणी के सम्बन्धों से होता है। उदाहरण के लिए– चाचा, ताऊ, बुआ, दादा, मौसी, मामा, नाना आदि। मरडॉक ने द्वितीयक श्रेणी के सम्बन्धों की संख्या 33 बताई है।

99. 'समाजशास्त्र, श्रेणीबद्ध विशुद्ध अमूर्त, सामान्यीकरण, तार्किक के साथ-साथ आनुवांशिक तथा एक सामान्य विज्ञान है' किसने कहा?

(1) रॉबर्ट वीरस्टीड
(2) मैकाइवर एवं पेज
(3) के. डेविस
(4) ई. एस. बोगार्डस

व्याख्या *(1)* "समाजशास्त्र सामाजिक, श्रेणीबद्ध विशुद्ध, अमूर्त सामान्यीकरण, तार्किक के साथ-साथ आनुभाविक तथा सामान्य विज्ञान है।" समाजशास्त्र की यह परिभाषा रॉबर्ट बीरस्टीड द्वारा प्रतिपादित की गई है।

- मैकाइवर एवं पेज के अनुसार, "समाजशास्त्र सामाजिक सम्बन्धों का जाल है।"
- गिडिन्स ने समाजशास्त्र को परिभाषित करते हुए कहा है कि समाजशास्त्र समग्र रूप से समाज का क्रमबद्ध वर्णन एवं व्याख्या है।
- समाजशास्त्र शब्द एवं समाजशास्त्र का जनक ऑगस्त कॉम्टे को माना जाता है। यह समाज का विज्ञान है।

100. निम्नलिखित में से कौन समुदाय का उदाहरण है?

(1) एक व्यापारिक संघ (2) वर्ण
(3) एक राजनैतिक दल (4) जनजाति समूह

व्याख्या *(4)* जनजाति समूह समुदाय का एक उदाहरण है।

- बोगार्डस समुदाय को परिभाषित करते हुए कहते है कि "समुदाय एक ऐसा सामाजिक समूह होता है जिसमें लोग एक निश्चित भू-भाग पर निवास करते है। तथा उस निश्चित भू-भाग पर रहने वाल लोगों में "हम" की भावना होती है।
- समुदाय में हम की भावना, सामुदायिक भावना, आत्मनिर्भरता, अनिवार्य सदस्यता, स्थायित्व, विशिष्ट नाम, सामान्य नियम, सामान्यत: जीवन, जैसी विशेषताएँ शामिल होती है।

101. जनसंख्या का अध्ययन करने के लिए सामाजिक कोशिका की अवधारणा का उपयोग किसने किसने किया है?

(1) माल्थस (2) ए ड्यूमा
(3) दुर्खीम (4) कार्ल मॉर्क्स

व्याख्या *(2)* ए ड्यूमा ने जनसंख्या का अध्ययन करने के लिए सामाजिक कोशिका की अवधारणा का उपयोग किया है।

102. निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा गलत है?

(1) के. डेविस- ह्यूमन सोसायटी
(2) गिलिन एवं गिलिन- कल्चरल सोसिशयोलॉजी
(3) के. एम. कपाड़िया-हिन्दू मैरिज
(4) मैकाइवर एवं पेज- सोसायटी

व्याख्या *(3)* हिन्दू मैरिज नामक पुस्तक के लेखक के.एम. कपाड़िया नहीं अपितु कांत मणि (Kant Mani) है।

- के. डेविस– ह्यूमन सोसायटी
- गिलिन एंव गिलिन – कल्चरल सोशियोलॉजी
- मैकाइवर एवं पेज – सोसायटी
- के.एम. कपाड़िया – मैरिज एण्ड फैमिली इन इंडिया

103. निम्नांकित में से किसने मनुष्य समूहों को 'प्राथमिक' और द्वितीयक समूहों में वर्गीकृत किया?

(1) सी.एच. कूले (2) जी.एच. मीड
(3) राल्फ (4) कार्ल मॉर्क्स

व्याख्या *(1)* सी.एच. कूले ने मनुष्य समूहों को प्राथमिक एवं द्वितीयक समूहो में वर्गीकृत किया है।

- सी.एच. कूले ने समाज को परिभाषित करते हुए कहा कि "मानव समाज में समूह तथा व्यक्ति एक ही सिक्के के दो पहलू है। व्यक्ति के बिना समाज एवं समाज के बिना व्यक्ति की कल्पना नहीं की जा सकती है।
- कूले द्वारा सम्पर्क के आधार पर समूहो का वर्गीकरण प्राथमिक (Primary) एवं गौण (Secondary) समूहों में वर्गीकृत किया है।
- प्राथमिक समूह के अन्तर्गत घनिष्ठ एवं आमने-सामने के सम्बन्ध शामिल होते है जैसे– परिवार। इसी प्रकार द्वितीयक समूह में राज्य अथवा राजनीतिक दल, संस्थाओं आदि कार्य स्थल पर बने संबंधों को रखा जाता है।

104. 'समिति से सदस्यता का और संस्था से सेवा के एक प्रकार का अथवा साधन का बोध होता है' -किसने कहा है?

✓(1) मैकाइवर एवं पेज (2) आगबर्न एवं निमकाफ
(3) राबर्ट वीरस्टीड (4) गिलिन एवं गिलिन

व्याख्या *(1)* "समिति के सदस्यता का और संस्था में सेवा के एक प्रकार का अथवा साधन का बोध होता है।" यह कथन मैकाइवर एवं पेज का है।

- समिति के तात्पर्य व्यक्तियों के ऐसे समूह से होता है जिसके अन्तर्गत सहयोग व संगठन पाया जाता हैं समिति का प्रमुख उद्देश्य अपने विशिष्ट लक्ष्य की प्राप्ति करना है जिसके लिए वह निश्चित नियमों के अन्तर्गत सामूहिक रूप से प्रयास करते है।
- समिति के अनिवार्य तत्त्वों में व्यक्तियों का समूह, सामान्य उद्देश्य, पारस्परिक सहयोग, संगठन शामिल है। इसकी विशेषताओं में मानव समूह, निश्चित उद्देश्य, पारस्परिक सहयोग, ऐच्छिक सदस्यता, अस्थायी प्रकृति, नियम, विचारपूर्वक स्थापना, मूर्त संगइन आदि शामिल है।

105. संस्कृति को इन्द्रियपरक, विचारात्मक एवं आदर्शात्मक रूपों में किसने वर्गीकृत किया है?

(1) स्पेन्सर (2) परेटो
✓(3) सोरोकिन (4) मॉर्क्स

व्याख्या *(3)* संस्कृति को इन्द्रियपरक, विचारात्मक, एवं आदर्शात्मक रूपों में सोरोकिन ने वर्गीकृत किया है।

- संस्कृति समाज से सम्बन्धित होती है इसमें समाजिकता का गुण पाया जाता है। संस्कृति एक सीखा हुआ व्यवहार है तथा विकसित होती जाती है। इसमें संचरण का गुण पाया जाता है। संस्कृति मानव आवश्यकताओं की पूर्ति करने का मानवीय साधन होती है। यह समूह के लिए आदर्शों को प्रदान करती है यह एक प्रकार की सामाजिक विरासत एवं मानव समाज का सार है। यह भौतिक एवं अभौतिक दोनों प्रकार की हो सकती है।
- संस्कृति में संगठित, सामन्जस्यता करने की क्षमता होती है तथा यह अधि वैयक्तिक व सावयवी होती है।

106. 'समाजशास्त्र न तो अन्य सामाजिक विज्ञानों की गृहस्वामिनी मानी जाती है और न उनकी दासी, अपितु उनकी भगिनी मानी जाती है।' यह कथन किसका है?

(1) ए.ए. क्रोबर
(2) जार्ज स्मिथसन
(3) बार्न्स एवं बेकर
(4) ई.ए. होबेल

व्याख्या *(3)* बार्न्स एवं बेकार का कथन है कि "समाजशास्त्र न तो अन्य सामाजिक विज्ञानों की गृह स्वामिनी मानी जाती है और न ही उनकी दासी, अपितु यह उनकी भगिनी मानी जाती है।"

107. सामाजिक स्तरीकरण के अध्ययन के लिए मैक्स वेबर का उपागम निम्नलिखित में से है

(1) द्विआयामी (2) एकल आयामी
✓(3) त्रि आयामी (4) चतुर्आयामी

व्याख्या *(3)* सामाजिक स्तरीकरण के अध्ययन के संदर्भ में मैक्स वेबर ने त्रि-आयामी उपागम प्रस्तुत किया है।

- मैक्स वेबर ने सामाजिक स्तरीकरण को सामाजिक व्यवस्था, राजनीतिक व्यवस्था एवं आर्थिक व्यवस्था पर आधारित किया है।
- मैक्स वेबर ने कहा कि जब सामाजिक व्यवस्था के आधार पर समूह या वर्ग का निर्माण होता है तब उनमें विषमता आना स्वाभाविक है। इस संदर्भ में सामाजिक व्यवस्था, सामाजिक स्तरीकरण का एक आधार है।
- मैक्स वेबर के अनुसार समाज में राजनीतिक व्यवस्था के आधार पर निर्मित वर्ग भी सामाजिक स्तरीकरण का आधार बनते है जैसे– सत्ताधारी वर्ग एवं गैर सत्ताधारी वर्ग।
- सामाजिक स्तरीकरण के आर्थिक व्यवस्था आधार को वर्णित करते हुए मैक्स वेबर कहते है कि आर्थिक व्यवस्था सामाजिक स्तरीकरण में महत्तवपूर्ण भूमिका निभाती है। आर्थिक व्यवस्था किसी वर्ग को उच्च स्थिति व निम्न स्थिति में पहुँचाने की क्षमता रखती है।
- मैक्स वेबर ने अपने त्रि-स्तरीय सामाजिक स्तरीकरण के द्वारा कार्ल मार्क्स के स्तरीकरण को संशोधित रूप में वर्णित किया।

108. समाज के 'उद्विकास का सिद्धान्त' किसने प्रतिपादित किया?

(1) कार्ल मार्क्स (2) वेबर
(3) दुर्खीम ✓(4) स्पेंसर

व्याख्या *(4)* समाज के "उद्विकास का सिद्धान्त" हर्बर्ट स्पेन्सर द्वारा प्रतिपादित किया गया है।

- समाजशास्त्र में उद्वविकास का सिद्धान्त हर्बर्ट स्पेन्सर का महत्त्वपूर्ण योगदान माना जाता है। इस सिद्धान्त का प्रतिपादन स्पेन्सर ने अपनी पुस्तक "फर्स्ट प्रिन्सीपल" के अन्तर्गत किया है।
- स्पेन्सर के अनुसार शक्ति एवं पदार्थ से निर्मित यह सम्पूर्ण भौतिक जगत अपने अस्तित्त्व के लिए एक-दूसरे पर आश्रित रहते है। शक्ति कभी समाप्त नहीं होती यह सदेव गतिशील अवस्था में रहती है। इसी प्रकार समाज का उद्वविकास भी निश्चित चरणों में सम्पूर्णता की तरफ बढ़ रहा है। विकास की यह प्रक्रिया सरल से जटिलता में परिवर्तित होती है। उदाहरण के लिए पुरातन युग सरल था किन्तु वर्तमान युग जटिलता धारण किए हुए है।

109. किसने कहा- 'समाजशास्त्र एवं मानवशास्त्र जुड़वा बहनें है'।

(1) बार्न्स (2) ए.एल. क्रोबर
(3) होएबल (4) गिडिंग्स

व्याख्या *(2)* ''समाजशास्त्र एवं मानवशास्त्र दोनों जुड़वा बहनें है।'' यह कथन ए. एल क्रोबर का है।
- ए.एल. क्रोबर ने समाजशास्त्र व मानवशास्त्र को घनिष्ठ रूप से सम्बन्धित मानते हुए इन्हें जुड़वा बहनों की संज्ञा प्रदान की है क्योंकि दोनों ही विज्ञान मानव समाज का अध्ययन करते है।

110. परिहास सम्बन्ध-

(1) पिता एवं पुत्र के मध्य होते है
(2) माता एवं पुत्री के मध्य होते है।
(3) पिता एवं पुत्री के मध्य होते है
(4) जीजा तथा साली के मध्य होते है।

व्याख्या *(4)* जीजा और साली के मध्य परिहास होता है।
- शाब्दिक दृष्टि से परिहास का अर्थ मनोविनोद या रसिकता से है।
- परिहास मानव के संघर्षपूर्ण जीवन में नवीन उत्साह एंव प्रेरणाओं का संचार कर मानव को प्रभावित करता है।

111. निम्नलिखित सामाजिक प्रक्रियाओं में से किसमें, एक व्यक्ति या समूह अन्य की संस्कृति को पूर्णतया अंगीकृत कर लेता है?

(1) समायोजन (2) सहयोग
(3) आत्मीकरण (4) समाजीकरण

व्याख्या *(3)* सामाजिक प्रक्रियाओं में से आत्मीकरण एक व्यक्ति या समूह अन्य की संस्कृति को पूर्णतया अंगीकृत कर लेता है।
- गिलिन एवं गिलिन के अनुसार ''आत्मीकरण या आत्मसात एक प्रगतिशील प्रकिया है जिसमें व्यक्तियों और समूहों के बीच मतभेद कम होते हैं तथा क्रिया मनोवृत्ति और मानसिक क्रिया में सामान्य हित के प्रति चादर के समानता में वृद्धि होती है।

112. निम्नलिखित में से कौन-सा एक क्षेत्र दुर्खीम द्वारा दी गई समाजशास्त्र की विषयवस्तु में सम्मिलित नहीं है?

(1) सामाजिक स्वरूपशास्त्र (2) सामाजिक शरीरशास्त्र
(3) सामाजिक विरासत (4) सामान्य समाजशास्त्र

व्याख्या *(3)* सामाजिक विरासत दुर्खीम द्वारा दी गई समाजशास्त्र की विषयवस्तु में सम्मिलित नहीं है।
- डेविड इमाईल दुर्खीम फ्रांस का एक महान् समाजशास्त्री था।
- द डिवीजन ऑफ लेबर, द रूल्स ऑल सोसिओलॉजिकल मैथड, सुसाइड तथा द ऐलिमेंटरी फॉर्म्स ऑफ द रिलीजस लाइफ इनकी प्रमुख कृति है।

113. उत्तर प्रदेश में किस विश्वविद्यालय से समाजशास्त्र का अध्ययन सर्वप्रथम प्रारम्भ हुआ था?

(1) इलाहाबाद विश्वविद्यालय
(2) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय
(3) अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय
(4) लखनऊ विश्वविद्यालय

व्याख्या *(4)* उत्तर प्रदेश के लखनऊ विश्वाविद्यालय में समाजशास्त्र का अध्ययन सर्वप्रथम प्रारंभ हुआ था।
- समाजशास्त्र में सामाजिक स्तर-विन्यास, सामाजिक सम्बन्ध, सामाजिक सम्पर्क, धर्म, संस्कृति एवं विचलन आदि का अध्ययन किया जाता है।
- समाजशास्त्र का जनक ऑगस्त कॉम्टे को माना जाता है।

114. निम्नलिखित में से कौन संस्था का एक उदाहरण है।

(1) जाति (2) परिवार
(3) विवाह (4) उपर्युक्त सभी

व्याख्या *(4)* उपयुक्त विकल्पों में जाति, परिवार, विवाह सभी संस्था का उदाहरण है।
- रॉस के अनुसार, ''सामाजिक संस्थाएँ संगठित मानव सम्बन्धों के संग्रह है जो सर्वजन-इच्छा द्वारा स्थापित अथवा मान्य है।''

115. 'सभी सामाजिक परिवर्तन विचारों के माध्यम से घटित होते है'। किसने कहा है?

(1) मैकाइवर एवं पेज (2) गिलिन एवं गिलिन
(3) आगबर्न एवं निमकाफ (4) मैरिल एवं एलरिज

व्याख्या *(3)* आगबर्न एवं निमकाफ के अनुसार ''सभी सामाजिक परिवर्तन परिवर्तन विचारों के माध्यम से घटित होते हैं।
- ऑगबर्न ने अपनी पुस्तक सोशल चेंज में सामाजिक परिवर्तन के सांस्कृतिक विलम्बना का सिद्धान्त प्रस्तुत किया। उन्होंने संस्कृति को भौतिक एवं अभौतिक दो भागों में विभाजित किया।

116. हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 में मनाही है

(1) सप्रवर विवाह (2) सगोत्र विवाह
(3) सपिण्ड विवाह (4) उपरोक्त सभी

व्याख्या *(3)* हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 में सपिण्ड विवाह की मनाही है।
- किसी भी व्यक्ति के संबंध में सपिण्ड सम्बन्ध माँ की पंक्ति में तीन पीढ़ियों तक के वंशज और पिता की पंक्ति में पाँच पीढ़ियों तक के वंशज व्यक्ति सपिण्ड कहे जाते है।

117. 'मूल्यों के समाजशास्त्र' के प्रतिपादक कौन थे?

(1) जी.एस.घुर्ये (2) राधा कमल मुखर्जी
(3) डी.पी.मुखर्जी (4) ए.के. सरन

व्याख्या *(2)* मूल्यों के समाजशास्त्र के प्रतिपादक राधा कमल मुखर्जी थे।
- राधा कमल मुखर्जी आधुनिक भारत के प्रसिद्ध चिन्तक और समाजविज्ञानी थे।

118. वर्ग संघर्ष सिद्धान्त के प्रतिपादक कौन थे?

(1) मैक्स वेबर (2) कार्ल मॉर्क्स
(3) इमाइल दुर्खीम (4) इनमें से कोई नहीं

व्याख्या *(2)* कार्ल मार्क्स ने वर्ग संघर्ष सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था।
- कार्ल मार्क्स का कहना था कि समाज में दो वर्ग हमेशा से ही रहे हैं और दोनों में से एक वर्ग शोषक और दूसरा वर्ग शोषित वर्ग रहा है। शोषिक वर्ग का अत्याचारों से परेशान होकर शोषित वर्ग में असंतोष फैल जाता है और वर्ग संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

119. प्रत्याशित समाजीकरण की अवधारणा निम्नांकित में से किसने दी है?

(1) एच. एम. जॉनसन (2) पार्सन्स
(3) आर.के. मर्टन (4) कूले

व्याख्या *(3)* प्रत्याशित समाजीकरण की अवधारण आर.के. मर्टन ने दी है।
- एक व्यक्ति जब किसी समूह का सदस्य नहीं रहता है एवं उसका सदस्य बनना चाहता है, ऐसे में वह उस समूह के मूल्यों एवं प्रतिमानों के अनुसार कार्य करने का प्रयास करता है तो इसे प्रत्याशित समाजीकरण कहते हैं।

120. किसने कहा 'एक निश्चित मात्रा में संघर्ष आवश्यक रूप से दुष्प्रकार्यात्मक होने की अपेक्षा समूह निर्माण एवं सामूहिक जीवन के स्थायित्व के लिए आवश्यक तत्व है'?

(1) पी.एम. कोहन (2) लेविस ए. कोजर
(3) रॉल्फ डेहरनडार्फ (4) जोनाथन टर्नर

व्याख्या *(2)* लेविस ए. कोजर के अनुसार "एक निश्चित मात्रा में संघर्ष आवश्यक रूप से दुष्प्रकार्यात्मक होने की अपेक्षा समूह निर्माण एवं सामूहिक जीवन के स्थायित्व के लिए आवश्यक तत्त्व है।"
- लुईस अलफ्रेड कोसर एक जर्मन अमेरिकी समाजशास्त्री थे।
- कोसर संरचनात्मक प्रकार्यवाद और संघर्ष सिद्धांत को एक साथ लाने का प्रयास करने वाले पहले समाजशास्त्री थे।

121. किसने कहा कि 'व्यवहारिक रूप से कोई विज्ञान (सिवाय गणित और औपचारिक तर्कशास्त्र के) स्वतन्त्र नहीं है तथा जो अन्य विज्ञानों से प्राप्त तथ्यों का प्रयोग नहीं करता हो।'

(1) आगस्ट काम्टे (2) पी.ए. सोरोकीन
(3) ई. एस. बोगार्डस (4) ई. दुर्खीम

व्याख्या *(2)* पी.ए. सोरोकीन के अनुसार, "व्यवहारिक रूप से कोई विज्ञान (सिवाय गणित और औपचारिक तर्कशास्त्र) के स्वतंत्र नहीं है तथा जो अन्य विज्ञानों से प्राप्त तथ्यों का प्रयोग नहीं करता हो।"
- पी.ए. सोरोकीन एक रूसी अमेरिकी समाजशास्त्री और राजनीतिक कार्यकर्ता थे।

122. निम्नलिखित में से कौन समाजशास्त्र के स्वरूपात्मक सम्प्रदाय से सम्बन्धित नहीं है।

(1) जी. सिमेल (2) एल.टी. हाबहाउस
(3) एफ. टानीज (4) वान विज़े

व्याख्या *(2)* एल.टी. हाबहाउस समाजशास्त्र के स्वरूपात्मक सम्प्रदाय से सम्बन्धित नहीं है।
- जी. सिमेल, एफ टानीज एवं वान विज़े समाजशास्त्र के स्वरूपात्मक सम्प्रदाय से सम्बन्धित नहीं है।

123. निम्नलिखित में से किसमें सदस्यता ऐच्छिक होती है?

(1) समाज (2) समिति
(3) समुदाय (4) संस्था

व्याख्या *(2)* उपर्युक्त विकल्पों में से समिति में सदस्यता ऐच्छिक होती है।
- समिति व्यक्तियों का एक समूह है जोकि किसी निश्चित उद्देश्य की पूर्ति हेतु बनाया जाता है।
- समाजशास्त्र में महाविद्यालय एक संस्था न होकर समिति है क्योंकि यह व्यक्तियों का एक मूर्त समूह है।

124. 'भारतीय समाज खुला नहीं होते हुए भी बन्द समाज भी नहीं रहा' किसने कहा है?

(1) आर. के. मुखर्जी (2) डी. पी. मुखर्जी
(3) जी. एस घुर्ये (4) एम. एन. श्रीनिवास

व्याख्या *(4)* एम.एन. श्रीनिवास के अनुसार "भारतीय समाज खुला नहीं होते हुए भी बंद समाज भी नहीं रहा।"
- मैसूर नरसिंहाचार श्रीनिवास भारत के सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री थे।
- उन्होंने भारत में जाति प्रथा, सामाजिक स्तरीकरण, सांस्कृतिकरण तथा पश्चिमीकरण पर कार्य किया।
- मैरिज एण्ड फैमिली इन मैसूर, सोशल चेंज इन मॉर्डन इण्डिया आदि इनकी प्रमुख पुस्तकें है।

125. पुस्तक 'द सिटी' के लेखक है।

(1) मैक्स वेबर
(2) कार्ल मॉर्क्स
(3) दुर्खीम
(4) हर्बर्ट स्पेन्सर

व्याख्या *(1)* मैक्स वेबर एक जर्मन समाजशास्त्री और अर्थशास्त्री थे। इन्हें 'सामाजिक स्तरीकरण का सिद्धान्त' दिया है।
- 'द सिटी', द प्रोटेस्टेण्ड एथिक एण्ड द स्पिरिट ऑफ कैप्टिलीज्म, रिलीजन ऑफ इण्डिया, द रिलीजन ऑफ चाइना आदि इनकी प्रमुख पुस्तकें हैं।